य एषु सुप्तेषु जागर्ति
वर्ष : 20 | अंक : 14 | पृष्ठ 12 | ₹5.00
patrika.com /rajasthanpatrika
/rpbreakingnews /rajasthan_patrika
दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

नई दिल्ली, मंगलवार, 06 अगस्त, 2024 | श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया, संवत् 2081

राजस्थान पत्रिका

ओलंपिक में भारत... आज

- **एथलेटिक्स** — **नीरज चोपड़ा,** पुरुष भाला फेंक क्वालीफिकेशन, दोपहर 1.45 बजे
- **एथलेटिक्स** — **किशोर जेना,** पुरुष भाला फेंक क्वालीफिकेशन, दोपहर 1.50 बजे
- **एथलेटिक्स** — **किरन पहल,** महिला 400 मीटर दौड़ रेपचेज, दोपहर 2.50 बजे
- **हॉकी** — **भारत बनाम जर्मनी,** सेमीफाइनल, रात 10.30 बजे
- **टेबल टेनिस** — **भारत बनाम चीन,** पुरुष टीम राउंड-16, दोपहर 1.30 बजे
- **कुश्ती** — **विनेश फोगट,** 50 किग्रा राउंड-16, दोपहर 3.00 बजे

भारत ने बैडमिंटन में गंवाया कांस्य पदक
@स्पोर्ट्स &गेमिंग

मां शरीर में बहती है

गुलाब कोठारी

गत रविवार, चार अगस्त को ओलंपिक खेलों में भारत की ओर से बेडमिंटन का सेमीफाइनल खेला था लक्ष्य सेन ने। सामने थे विश्व के दूसरे श्रेष्ठतम शटलर विक्टर एक्सलेसन। लक्ष्य सेमीफाइनल (ओलंपिक) तक पहुंचने वाले प्रथम भारतीय शटलर रहे। उसने अपनी सफलता का श्रेय दिया है-'मां के हाथ के खाने को।' मां एक माह से सपरिवार फ्रांस में ही हैं और प्रतिदिन अपने लक्ष्य के लिए खाना भेजती हैं। ताकि लक्ष्य को वही भोजन मिल सके-घर जैसा। लक्ष्य का कहना है कि इससे उसका मन सदा प्रसन्न रहता है। महत्वपूर्ण मैचों की यह एक महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। इसी प्रकार मेरे खेल में ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। मां से मन प्राण दोनों स्फूर्त रहते हैं। पेट ठीक है तो स्वास्थ्य ठीक है।

मां-माता-मदर सबके अर्थ एक नहीं हैं। आज शिक्षा ने मां को माता (देहमात्र) बना दिया। 'मदर्स डे' ने उसे इतिहास के पन्नों में डाल दिया। उधर शिक्षित मां को रसोई से विमुख कर दिया। समृद्धि ने संतान को दूर छात्रावास भेजने को प्रेरित करना शुरू कर दिया। जहां शिक्षा-समृद्धि दोनों हैं, वहां संतान की आवश्यकता अल्पतम रह गई है। संतान दैहिक या जैविक होने लगी। संतान ने परम्परा से दूर रुढ़ि का रूप ले लिया। शादी की है तो एक संतान तो पैदा करनी है चाहे ऑपरेशन से करा लो। जीवन का धरातल बदल गया है। मन का स्थान भी बुद्धि ने घेर लिया। मन गया, मानवता गई। बुद्धि ने जीवन को यांत्रिक बना दिया।

भारत में अन्न को ब्रह्म कहा है। यह भी उद्घोष है कि जैसा खावे अन्न, वैसा होने मन। इससे महत्वपूर्ण तथ्य तो यह है कि अन्न ही ब्रह्म का यात्रा मार्ग है। सूर्य सम्पूर्ण सृष्टि का पिता है। जीव वहां से सूक्ष्मतम रूप से चलता हुआ स्थूल आकृति में प्रवेश करता है। उसकी यह यात्रा अन्न के साथ चलती है। जिसे भोक्ता ग्रहण करे वह अन्न। अग्नि ही वह भोक्ता है जिसमें अन्न नया स्वरूप लेने के लिए प्रवेश करता है। सूर्य से चलकर पांचवी आहुति में जीव स्थूल शरीर धारण करता है। इससे पहले जीव की चार माताएं हो चुकी होती हैं। माताएं ही जीव को कर्म करने के लिए आकृति प्रदान करती हैं। जीव, अन्न द्वारा पिता के शरीर में प्रवेश करता है। पिता के प्राण उसमें स्थापित होते हैं। उसी से नई संतान पैदा करने की क्षमता पुत्र में आती है। पिता के शरीर से जीव माता के शरीर में जाता है और शरीर धारण करके समय के साथ विदा हो जाता है। दाम्पत्य भाव जीव का यात्रा मार्ग है।

अन्न का दूसरा कर्म है शरीर का निर्माण। यह भी प्रत्येक प्राण की आवश्यकता है। अन्न शरीर की जठराग्नि में आहुत होता है। वहां उसका रस भाग अलग किया जाता है। रस ही ब्रह्म है-आनन्द है। जिसमें रस नहीं, वह नीरस है। अन्न का महत्वपूर्ण ज्ञान यह समझने में है कि रस कहां से आता है। रस-मिठास-मन-आनन्द सबका केन्द्र एक ही है। रस से आगे रक्त-मांस-मेद-अस्थि-मज्जा-शुक्र बनते हैं।

मानवता का पाठ मां के आंचल में@पेज09

gulabkothari@epatrika.com

पड़ोस में अशांति | **इस्तीफा देकर भारत पहुंचीं अपदस्थ पीएम, सेना ने संभाली कमान**

तख्ता-पलट के बाद बांग्लादेश दोराहे पर

भीड़ पीएम आवास में घुसी, तोड़फोड़ और लूटपाट | विपक्षी नेता खालिदा जिया को रिहा करने का आदेश | मेघालय और असम सीमा पर रात का कर्फ्यू लागू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में विवादास्पद आरक्षण नीति को लेकर सरकार विरोधी हिंसक आंदोलन के बीच सोमवार को सेना ने प्रधानमंत्री शेख हसीना (76) से इस्तीफा लेकर उन्हें देश से सुरक्षित निर्वासित कर दिया। इस 'तख्ता पलट' से पहले आंदोलनकारी भीड़ को काबू करने के सारे उपाय विफल रहे। हजारों उग्र प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू तोड़कर प्रधानमंत्री कार्यालय व आवास सहित अन्य सरकारी ठिकानों पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारी सुबह ही हसीना के आधिकारिक आवास 'गणभवन' तक पहुंच गए, जिससे उनकी जान को खतरा पैदा हो गया था। इसके बाद सेना ने प्रधानमंत्री हसीना को देश छोड़ने के लिए 45 मिनट का समय दिया। भीड़ के गणभवन पहुंचने से पहले ही हसीना बहन शेख रेहाना के साथ सेना के हेलिकॉप्टर से देश छोड़कर रवाना हो गईं। दोनों को लेकर बांग्लादेश एयर फोर्स का एयरक्राफ्ट सी-130 (कॉल साइन एजेएएक्स 1431) भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में पटना होते हुए उत्तर प्रदेश के हिंडन एयरबेस तक पहुंचा।

शेष@पेज09

संसद से पीएम के घर तक भीड़तंत्र का राज@इंडिया वर्ल्ड

प्रदर्शनकारियों का प्रधानमंत्री कार्यालय पर कब्जा

ढाका. बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने की सूचना मिलते ही तेजगांव स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में घुस गई भीड़।

भारत के लिए क्यों अहम बांग्लादेश

- बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत की भूमिका, 1971 युद्ध के बाद हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान राष्ट्रपति बने।
- ऊर्जा परियोजनाओं में बड़ा हित, दोनों देशों में करीब 16 अरब डॉलर का व्यापार
- सड़क, रेल और बंदरगाह में हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट
- त्रिपुरा-बांग्लादेश-पश्चिम बंगाल कोरिडोर
- पूर्वोत्तर में अतिवादी समूहों पर नियंत्रण में अहम भूमिका
- चीन व अमरीका का प्रभाव रोकने के लिए साथ जरूरी

हसीना इसलिए थीं महत्वपूर्ण

- हसीना की पार्टी अवामी लीग उदारवादी जबकि बीएनपी और अन्य दल कट्टरपंथी
- अवामी लीग ने चीन व भारत में संतुलन रखा, बीएनपी का झुकाव चीन-पाकिस्तान की ओर
- पूर्वोत्तर भारत में अतिवादियों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग।

हेलिकॉप्टर से भारत के लिए उड़ान

इस्तीफा देने के बाद हेलिकॉप्टर से त्रिपुरा की राजधानी अगरतला पहुंचीं शेख हसीना। बाद में उन्हें हिंडन एयरबेस लाया गया।

भारत के लिए चुनौती

सीमा सील, दिल्ली में बैठकों का दौर

नई दिल्ली. बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता भारत के लिए नई चुनौती बन गई है। बांग्लादेश में भारत के निवेश और हिंदू आबादी सहित अन्य हितों को देखते हुए भारत फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। बांग्लादेश से लगती करीब 4000 किलोमीटर सीमा पर सतर्कता बरतने के साथ ही दिल्ली में बैठकों का दौर चल रहा है।

बांग्लादेश के हालात को देखते हुए सोमवार सुबह से ही दिल्ली में बैठकों का दौर शुरू हो गया। सूत्रों के अनुसार ढाका से संकेत मिलने के बाद हसीना का दिल्ली आना तय हो गया था। दोपहर करीब 12 बजे एक उच्चस्तरीय बैठक हुई जिसमें विदेश मंत्री एस.जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल, रॉ और वायुसेना प्रमुख शामिल हुए। विदेश मंत्री ने पीएम नरेंद्र मोदी को हालात और आगे की रणनीति के बारे में ब्रीफ किया। तय रणनीति के तहत ही हसीना के विमान को ढाका से ट्रेक करते हुए दिल्ली में उतरने की इजाजत दी गई। खुद एनएसए डोभाल ने हिंडन एयर बेस पर हसीना का स्वागत कर उनसे लंबी बातचीत की। शाम को पीएम मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक भी हुई जिसमें आगे के कदम पर चर्चा हुई। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों व हिंदुओं पर हमले पर चिंता प्रकट की गई।

आवागमन रद्द

- बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट, विमान एवं ट्रेन सेवाएं रद्द
- करीब 300 ट्रक रोके, व्यापार ठप
- दोनों देशों में उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ाई।

राजनेता एकजुट

- बांग्लादेश पर भारत में राजनेता एकजुट दिखे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भेंट कर चर्चा की।
- पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि अनावश्यक बयानबाजी न की जाए। वह बांग्लादेश के मुद्दे पर केंद्र सरकार के साथ हैं और वही करेंगी जो केंद्र सरकार कहेगी।

■ अदाणी 2030 के बाद होंगे रिटायर

नई दिल्ली. अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी 70 साल में पद से हटने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने अरबों डॉलर के साम्राज्य की कमान 2030 के बाद नई पीढ़ी को सौंपने की योजना बना ली है।

झरोखा

पत्रिका She NEWS
तीज स्पेशल
पाठकों की भेजी 150 से अधिक मेहंदी की डिजाइंस हाथों पर सजाने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

सुप्रीम कोर्ट : केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस

'डेथ चैंबर बन गए कोचिंग सेंटर, बिना सुरक्षा नहीं चला सकते...'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर के हादसे में आइएएस की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा, बताएं कि अब तक कौन-से सुरक्षा मानदंड निर्धारित किए गए और उनके पालन के लिए क्या किया? जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने कहा, सुरक्षा नियमों का अनुपालन नहीं करने की सूरत में किसी भी संस्थान को संचालन की अनुमति नहीं दी जाए।

कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी रूल्स की पालना से जुड़े दिल्ली हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की याचिका पर पीठ ने हैरानी जताई। याचिकाकर्ता के वकील ने सफाई देने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने बात सुनने से मना कर दिया। फेडरेशन की याचिका पर नाराजगी जताते हुए पीठ ने कहा, कोचिंग संस्थान डेथ चैंबर बन गए हैं। ये अभ्यर्थियों की जिंदगी से खेल रहे हैं, जो देश के अलग-अलग हिस्सों से आकर पढ़ते हैं। पीठ ने फेडरेशन पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। शीर्ष अदालत ने कहा, ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना आंखें खोलने वाली है, जहां कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन अभ्यर्थियों की डूबने से मौत हो गई थी।

किस आदेश के खिलाफ दी याचिका

जून 2023 में दिल्ली के मुखर्जी नगर के एक कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग में आग लग गई थी। इससे बचने की कोशिश में कई छात्र घायल हुए थे। मई में दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में फायर सेफ्टी रूल्स के पालन का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जो कोचिंग संस्थान अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, उन्हें बंद कर दिया जाए। इसी के खिलाफ कोचिंग फेडरेशन सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

भस्म आरती की धुन : भगवा परिधानों में 1390 ने एक साथ किया 10 मिनट वादन

डम-डम के नाद से गूंज उठी महाकाल की नगरी, बना डमरू बजाने का विश्व रेकॉर्ड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उज्जैन. महाकाल की नगरी उज्जैन में सावन के तीसरे सोमवार को 1,390 लोगों ने एक साथ 10 मिनट तक डमरू बजाकर वर्ल्ड रेकॉर्ड बना दिया। आयोजन को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले यह रेकॉर्ड न्यूयॉर्क के फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन के नाम था। इसमें 488 लोगों ने 2021 में एक साथ डमरू बजाया था।

महाकालेश्वर मंदिर के महाकाल लोक के पास शक्ति पथ पर भगवा परिधानों में डमरू वादकों ने महाकाल सवारी निकलने के पहले मनमोहक लयबद्ध प्रस्तुति देकर उज्जैन को भगवान भोलेनाथ के प्रिय वाद्य यंत्र डमरू के नाद से गुंजा दिया। डमरू वादन भस्म आरती की धुन पर किया गया। इस दौरान झांझ मंजीरे की मंगल ध्वनि भी आकर्षण का केंद्र रही। गिनीज बुक से आई टीम ने 1,390 लोगों के एक साथ 10 मिनट तक डमरू बजाने की पुष्टि की।

भगवा परिधान में एक साथ डमरू बजाते भक्त और महाकाल को समर्पित गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड का प्रमाण पत्र।

अंदर की बात : सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मंथन

कोटे में कोटा के फैसले का समर्थन करेगा आरएसएस

राजनीतिक व्यवस्था में भी 'क्रीमीलेयर' की तलाश

विशेष संवाददाता
patrika.com

भोपाल. एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को भी पसंद आया है। संघ कोटे में कोटा के समर्थन में है। इतना ही नहीं, संघ इस फैसले को सरकारी नौकरी में ही नहीं राजनीतिक क्षेत्र में भी आजमाने का पक्षधर है। संघ की आंतरिक बैठकों में लंबे विमर्श और मंथन के बाद संघ ने अपनी राय बनाई है। संघ ने इस संबंध में कुछ राज्यों में पूर्व में किए अपने अध्ययनों को आधार बनाया है। संघ ने पाया कि आरक्षण व्यवस्था जातीय भेद समाप्त करने और वंचितों को आर्थिक और सामाजिक तौर पर बराबरी पर लाने के लिए प्रारंभ की गई। वर्षों बाद अब यह देखा जा रहा है कि वंचित वर्गों में भी कुछ परिवार तो मुख्य धारा में शामिल होकर सक्षम हो गए और अनेक परिवार वहीं के वहीं हैं।

शेष@पेज09

आरक्षित सीटों पर भी ध्यान जरूरी

अनौपचारिक चर्चाओं में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी कहते हैं कि नौकरियों के साथ ही आरक्षित अनुसूचित जाति व जनजाति की सीटों से विधानसभा और लोकसभा में चुने जाने वालों का अध्ययन भी आवश्यक है। संघ ने कुछ राज्यों में पाया कि इन सीटों पर वर्षों से एक ही परिवार के लोगों को चुनावी मैदान में उतारा जाता है इससे वहां उसी वर्ग के दूसरे परिवार राजनीतिक दृष्टि से पिछड़ रहे हैं। मध्यप्रदेश के भी कुछ उदाहरण संघ के ध्यान में आए हैं।

ट्रेंडिंग न्यूज

जम्मू-कश्मीर

अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए रोकी

जम्मू@पत्रिका. जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटने के पांच साल पूरे होने पर सोमवार को अमरनाथ यात्रा एहतियातन एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से यात्रियों के किसी नए जत्थे को कश्मीर रवाना होने की इजाजत नहीं दी गई।

याचिका दायर

फैसले के खिलाफ पूजा पहुंचीं कोर्ट

नई दिल्ली@ पत्रिका. यूपीएससी उम्मीदवारी रद्द करने के खिलाफ पूजा खेडकर ने दिल्ली हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की है। जिन संस्थाओं ने उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजा था, उन सभी को याचिका में पार्टी बनाया गया है। इनमें डीओपीटी, यूपीएससी और पुणे कलक्टर शामिल हैं।

छत्तीसगढ़

महादेव सट्टा केस में दो भाई गिरफ्तार

रायपुर@पत्रिका. पुलिस ने महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में दुर्ग के यामंत चंद्राकर और उसके भाई ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया है। दोनों कार में लोगों को सट्टा खिला रहे थे। यामंत पहले यूएई में रहता था। फिलहाल वह भारत में महादेव सट्टा ऐप के लिए काम कर रहा था।

तकनीक के साइड इफेक्ट | **डेटा विश्लेषण से यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट का निष्कर्ष**

पढ़ाई के दौरान स्मार्टफोन के इस्तेमाल से भटकता है ध्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. स्मार्टफोन विद्यार्थियों का ध्यान भटका सकता है। एक बार ध्यान भटकने पर फिर से फोकस करने में 20 मिनट तक लग सकते हैं। इससे उनके सीखने-समझने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन से जुड़े डेटा के विश्लेषण से यह निष्कर्ष पेश किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रौद्योगिकी के अत्यधिक इस्तेमाल और विद्यार्थियों के प्रदर्शन के बीच नकारात्मक संबंध नजर आता है। प्राइमरी स्तर पर ये असर थोड़ा कम, वहीं उच्च शिक्षा स्तर पर बढ़ जाता है। इसके बावजूद दुनिया के सिर्फ एक चौथाई देशों ने स्कूलों में मोबाइल के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा रखा है। रिपोर्ट में रेखांकित किया गया कि स्मार्टफोन और अन्य प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल तभी हो, जब इनसे सीखने के नतीजों पर सकारात्मक असर पड़ता हो।

चार में से एक देश के स्कूलों में ही मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

खतरों को नहीं कर सकते नजरअंदाज

रिपोर्ट में कहा गया कि डिजिटल तकनीक अपनाने से शिक्षा क्षेत्र में काफी बदलाव आया है। खासकर अमीर देशों के स्कूलों में विद्यार्थियों को डिजिटल नेविगेशन के साथ कदमताल सिखाने के लिए कई नए बुनियादी कौशल शामिल किए गए। कोरोना काल में पूरी शिक्षा प्रणाली को ऑनलाइन मोड में शुरू कर दिया गया, लेकिन डिजिटल तकनीक के खतरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पढ़ाई के बदले ध्यान नोटिफिकेशन पर

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा) से मिले डेटा के विश्लेषण के दौरान 14 देशों में पाया गया कि पढ़ाई के दौरान अन्य गतिविधियां ध्यान भटकाती हैं। पढ़ाई के दौरान स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते समय नोटिफिकेशन आ जाए तो विद्यार्थी का ध्यान उस पर चला जाएगा। पढ़ाई पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में समय लगेगा।

संकट में सुनीता : 18 अगस्त को जाना है क्रू 9 मिशन, आइएसएस में जगह नहीं

13 दिन में सुनीता की अंतरिक्ष से वापसी नहीं हुई तो नासा को टालना पड़ेगा अगला मिशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. भारतवंशी अमरीकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की दो माह बाद भी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) से वापसी नहीं हो पाई है। इस बीच 18 अगस्त को अंतरिक्ष में जाने वाले 'क्रू 9' मिशन को भेजने से पहले सुनीता व विल्मोर को धरती पर लाना होगा ताकि आइएसएस पर नए अंतरिक्ष यात्रियों के लिए जगह बनाई जा सके।

इस बीच, बोइंग व नासा ने सुनीता और विल्मोर की सुरक्षित वापसी के लिए लगभग 1,00,000 से ज्यादा कंप्यूटर मॉडल सिमुलेशन किए हैं ताकि अनडॉकिंग, डीऑर्बिट बर्न व लैंडिंग के दौरान स्टारलाइनर की संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखा जाए। शेष@पेज09

अभी तय नहीं हुई वापसी की तारीख

विलियम्स और विल्मोर 6 जून से अंतरिक्ष में हैं। नासा और बोइंग ने अभी तक वापसी की तारीख तय नहीं की है। बोइंग स्टारलाइनर दोनों यात्रियों को पांच जून को लेकर उड़ा था। 13 जून को आइएसएस पहुंचने पर स्टारलाइनर के थ्रस्टर्स में समस्या आ गई। एक सप्ताह का मिशन तकनीकी समस्या के चलते लंबा खिंच गया। हालांकि, नासा उनकी सुरक्षित वापसी के लिए आश्वस्त है।

पोलमपोल भाया
अगनवीर 'पैकेज' अर, हंगामो भेरपूर।
दोन्यूं कानी समझ ल्यो, उप चुणाव ना दूर!!

थार रेगिस्तान में जीवनदायी 'टांके' सालभर इन्हीं से बुझती प्यास

टांकों की खासियत

- ये टांके 100 साल से भी अधिक पुराने हैं।
- पुराने टांकों में 5 से 10 टैंकर जलभराव की क्षमता है।
- पानी लीकेज नहीं हो इसलिए घर के चूल्हे की राख से लेप करते हैं।
- सुरक्षा के लिए ऊपर कांटे डाले जाते हैं, ताकि सरिसर्प नहीं आ सके।

जोधपुर. थार रेगिस्तान में जल संरक्षण की ये तस्वीर जोधपुर जिले के रेतीले धोरों के बीच बसे गोगादेव की ढाणियां सुवालिया गांव की है। यहां के लोग पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझते हैं, क्योंकि इस इलाके में भू-गर्भ जल बहुत गहरा है। साथ ही यहां घर-घर पानी पहुंचाने के लिए सरकारी व्यवस्था भी नहीं है। क्षेत्रवासी केवल मानसून के चार महीनों में बारिश के पानी को ही परम्परागत तरीके से सदियों पुराने इन टांकों में संरक्षित करते हैं। गांव के उम्मेदसिंह गोगादेव बताते हैं कि इसी पानी को ग्रामीण साल भर पेयजल के रूप में उपयोग करते हैं। रिपोर्ट: दिलावर सिंह राठौड़

ट्रेंडिंग वीडियो पत्रिका

1. शेख हसीना ने दिया इस्तीफा, पूरे देश में सेना तैनात

2. एससी, एसटी फैसले पर बवाल, कोर्ट पर फायर हो गए चंद्रशेखर

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

राज्यसभा में उठी देसूरी की नाल पर एलिवेटेड रोड बनाने की मांग

नई दिल्ली @ पत्रिका. प्रदेश के उदयपुर, पाली, जैसलमेर व जोधपुर को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग एस.एच.16 का एक घाट सेक्शन जो राजसमन्द जिले के गढ़बोर से देसूरी के मध्य 8 किलोमीटर का हिस्सा 'देसूरी की नाल'पर एलिवेटेड रोड बनाने की सांसद नीरज डांगी ने सोमवार को राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान मांग उठाई। उन्होंने कहा कि 'देसूरी की नाल' में 1952 से अब तक लगभग 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। व्यापारिक एवं सैन्य स्थल के महत्व का यह राजमार्ग राजस्थान के प्रमुख व्यवसाय मार्बल, ग्रेनाइट के प्रमुख नगरों उदयपुर, राजसमन्द, पाली, जोधपुर, जालोर, सिरोही, भीनमाल व माउंटआबू तक जाने का मुख्य मार्ग है। यह मार्ग देसूरी की नाल उदयपुर को भारतीय सेना के अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर जैसलमेर से भी जोड़ता है।

बारिश में पहाड़ों, झरनों और पानी के बहाव के बीच रील्स बनाने से बचें

किसको दिखाना है: रील्स, लाइक्स और व्यूज की दीवानगी ले रही युवाओं की जान

पत्रिका अलर्ट

वाहवाही के चक्कर में ध्यान भटकते ही हादसा

मधुलिका सिंह
patrika.com

उदयपुर. रील्स, लाइक्स और व्यूज की दीवानगी युवाओं की जान पर भारी पड़ रही है। बारिश में पहाड़ों, झरनों और पानी के बहाव के बीच रील्स बनाने और सोशल मीडिया पर वाहवाही के चक्कर में युवा जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्हें न तो अपनी न ही परिवार की फिक्र है। सोमवार को चित्तौड़गढ़ स्थित मेनाल में पिकनिक मनाने पहुंचे दो दोस्त कान्हा और अंकित पानी के बहाव में रील बना रहे थे। तभी कान्हा पैर फिसलने से बह गया जबकि अंकित को किसी तरह लोगों ने बचा लिया। मनोचिकित्सकों का कहना है कि समझ से परे है कि युवा रील्स बनाकर क्या पाना चाहते हैं, किसे प्रभावित करना चाहते हैं, क्यों उन्हें परिवार के प्रति अपना दायित्व याद नहीं रहता? बिना जान जोखिम में डाले भी इनोवेटिव तरीके से बेहतर रील्स बनाई जा सकती हैं। अमूमन किशोरों और युवा परिपक्व न होने के कारण रील्स बनाने के दौरान जोखिम भरा कदम उठा लेते हैं। युवाओं में एक-दूसरे को देखकर भी जोखिम भरी रील्स बनाने की होड़ है जिसे 'कॉपीकैट फेनोमेना' कहा जाता है। इससे बचना चाहिए।

चित्तौड़गढ़: रील बना रहे थे दो दोस्त, फिसलने से एक बहा

1. रील बनाते समय फिसला पैर

2. आखिर छूट गया हाथ

3. और बह गया

18 से 34 साल के युवा सर्वाधिक रील मेकर्स

बीते चार साल में इंस्टाग्राम पर 2.35 बिलियन लोग सक्रिय हैं। खास बात यह है कि दुनिया में सर्वाधिक 327 मिलियन यूजर्स भारत में हैं। रील्स बनाने और फॉलो करने वाले 61.6 फीसदी युवा 18 से 34 आयु वर्ग के हैं। वहीं, 18 से कम आयु वर्ग के अधिकतर किशोर अभी पहचान छिपाकर रील्स बनाने में लगे हैं।

दोस्तों और फॉलोअर्स का दबाव ज्यादा

सोशल मीडिया पर रील्स के जरिए लोग लोकप्रिय होने, दूसरों को प्रभावित करने, लाइक्स और कमेंट्स के चलते भी दोस्तों और फॉलोअर्स के दबाव (पीयर प्रेशर) में आकर युवा जान जोखिम में डाल रहे हैं। कई बार खतरनाक स्टंट्स के दौरान हाथ-पैर तुड़वा बैठते हैं या जिंदगी ही दांव पर लगा देते हैं। ऐसा करना घातक हो सकता है।

केस 01 **उदयपुर** के गोवर्धन विलास क्षेत्र के लाई गांव के पांच दोस्त एक माइंस के पास घूमने गए थे। वहां रील बनाते एक युवक 150 मीटर की ऊंचाई से माइंस के गड्ढे में भरे पानी में कूद गया। वह पानी से बाहर ही नहीं निकल पाया और उसकी मौत हो गई।

केस 02 मुंबई की एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर झरने की ऊंची चोटी पर जाकर रील बना रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इससे उसकी मौत हो गई।

ये सावधानियां बरतें

- हमेशा अपनी और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें।
- खतरनाक स्टंट के दौरान किसी पेशेवर की मदद लें।
- रील बनाने के लिए हमेशा सुरक्षित जगह चुनें।
- माता-पिता बच्चों की हर एक्टिविटी पर नजर रखें।
- स्कूलों में भी बच्चों को सोशल मीडिया की हकीकत बताई जानी चाहिए।

प्रशासन ने किया जाप्ते का बंदोबस्त, सुबह 10 बजे से होगी कार्रवाई

सिलीसेढ़: आज गिराए जाएंगे 16 अतिक्रमण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अलवर. सिलीसेढ़ के बहाव क्षेत्र में किए गए 16 अतिक्रमण पर जल संसाधन खंड मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करने जा रहा है। ये सभी 16 अतिक्रमण गिराए जाएंगे, जिसमें दो होटल भी शामिल हैं। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी। प्रशासनिक टीम भी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत झील के बहाव एरिया व सरिस्का के बफर जोन में किसी प्रकार का कोई अतिक्रमण नहीं हो सकता, लेकिन सिलीसेढ़ में अतिक्रमण की बाढ़ आ गई। 150 से ज्यादा अतिक्रमण हो गए। राजस्थान पत्रिका ने यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया तो प्रशासन ने सर्वे कराया। साथ ही विधानसभा में भी नेताओं ने यह मुद्दा उठाया। पहले चरण में 16 अतिक्रमण चिह्नित किए गए। इन पर कार्रवाई 4 अगस्त को होनी थी, लेकिन जाप्ता नहीं मिल पाया। अब 6 अगस्त को कार्रवाई होगी। जल संसाधन खंड के एक्सईएन संजय खत्री का कहना है कि जाप्ता मिल गया है। कार्रवाई मंगलवार को करेंगे। सभी 16 अतिक्रमण हटाए जाएंगे।

केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय का जवाब

सरिस्का के बफर जोन में होटलों को ध्वस्त करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. केंद्रीय वन व पर्यारण मंत्रालय ने कहा कि ईको सेंसिटिव जोन सहित वन क्षेत्रों के संरक्षण और प्रबंधन की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा में सर्वोच्च न्यायालय व एनजीटी के वन क्षेत्र की आरक्षित भूमि, बफर जोन व झीलों के जलग्रहण क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद सरिस्का के बफर जोन व झीलों के जलग्रहण क्षेत्र में होटलों व अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं होने का कारण पूछा। सवाल किया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की पालना करवाने में केंद्र गंभीरता क्यों नहीं दिखा रहा। बेनीवाल ने कहा कि सरकार को कम से कम सवाल के मूल बिंदु की भावना के अनुरूप जवाब देना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया।

सीबीएसई

अजमेर: अंक गणना आवेदन आज से

अजमेर @ पत्रिका. सीबीएसई के 12वीं कक्षा की सप्लीमेंट्री परीक्षा में शामिल हुए विद्यार्थियों को अंक गणना की सुविधा मिलेगी। बोर्ड ने इसकी तिथियां जारी कर दी हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन मंगलवार और बुधवार को किए जा सकेंगे। अंक गणना के लिए प्रति विषय 500 रुपए फीस देनी होगी। जंची हुई उत्तर कॉपी की प्रति के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 अगस्त को किए जा सकेंगे। प्रति विषय फीस 700 रुपए देनी होगी। पुनर्मूल्यांकन के लिए 17 अगस्त को आवेदन किए जा सकेंगे।

शिवसिंहपुरा: डंपर से टकराई कार

नायब तहसीलदार समेत तीन राजस्वकर्मियों की मौत

गिर्राज शर्मा

पटवारी दिनेश शर्मा

गिरदावर दिनेश शर्मा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

लालसोट (दौसा). शिवसिंहपुरा गांव के पास नेशनल हाईवे 11 ए पर सोमवार को कार और डंपर की भिड़ंत हो गई। हादसे में निर्झरना तहसीलदार कार्यालय में पदस्थापित नायब तहसीलदार समेत तीन राजस्वकर्मियों की मौत हो गई। कार से नायब तहसीलदार समेत आधा दर्जन राजस्वकर्मी एक रास्ता विवाद के चलते राजपुरा गांव की ओर जा रहे थे।

लालसोट उपखंड अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीना ने बताया कि शिवसिंहपुरा गांव के पास सामने से आ रहे बजरी के खाली डंपर से कार की टक्कर हो गई। इससे कार में सवार व्यासों का नोहरा निवासी नायब तहसीलदार गिर्राज शर्मा, दौसा निवासी गिरदावर दिनेश शर्मा एवं सुंदरपुर निवासी पटवारी दिनेश शर्मा की मौत हो गई। गिरदावर मुकलेश मीना, पटवारी प्रदीप शर्मा एवं अभिषेक घायल हो गए। घायल गिरदावर मुकलेश एवं पटवारी प्रदीप को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया, जबकि अभिषेक को दौसा जिला हॉस्पिटल भेजा गया। हादसे के बाद अस्पताल में कलक्टर देवेन्द्र कुमार, एसपी रंजीता शर्मा, विधायक रामबिलास मीना सहित कई अधिकारी पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया। इस हादसे पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शोक जताया।

75वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव

पवन कुमार जैन को मिलेगा अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार

जयपुर @ पत्रिका. हरियाली तीज के अवसर पर वन विभाग बुधवार को 75वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव आयोजित करेगा। इस मौके पर गाडोता मोजमाबाद (दूदू) में राजस्थान राज्य आपदा प्रबंधन विभाग करीब 15 हेक्टेयर भूमि पर 10 हजार पौधे रोपेगा। वन विभाग ने सोमवार को वन विकास एवं वन्य जीवन सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए पुरस्कार की घोषणा भी की। विभाग के सर्वोच्च पुरस्कार अमृता देवी विश्नोई स्मृति पुरस्कार के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन कुमार जैन को चयनित किया गया है।

पवन कुमार जैन

वन विकास एवं वन्य जीवन सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य की श्रेणी में वर्ष 2020 के लिए वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति सती की चोरी उदयपुर का चयन किया गया है। वन विकास, संरक्षण व सुरक्षा की श्रेणी में वर्ष 2020 के लिए राजसमंद के श्यामसुदर पालीवाल, 2021 के लिए सीकर की अभिलाषा और भरतपुर के बच्चू सिंह वर्मा का संयुक्त रूप चयन किया गया। वर्ष 2022 के लिए कोटा के पवन कुमार जैन का चयन किया गया है। वन्य जीव संरक्षण एवं सुरक्षा श्रेणी में 2020 के लिए नागौर के गजेन्द्र सिंह माझी, 2021 के लिए उदयपुर के पदम सिंह राठौड़ और 2022 के लिए मोहित शर्मा और दिव्या शर्मा जयपुर का संयुक्त रूप से चयन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप 50 हजार रुपए की राशि, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान करेंगे। पवन जैन ने बताया कि उन्हें अपने पिता जम्बू कुमार जैन के पेड़-पौधों एवं वन्य जीवों के प्रति लगाव को देखकर ही पर्यावरण के लिए काम करने की प्रेरणा मिली।

अवैध खनन की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश

जोधपुर @ पत्रिका. राजस्थान हाईकोर्ट ने नागौर के हुड़ील गांव में अवैध खनन की जांच के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी को निर्देशित करते हुए रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। न्यायाधीश श्रीचंद्रशेखर तथा न्यायाधीश कुलदीप माथुर की खंडपीठ में ग्राम पंचायत हुड़ील के ग्रामीणों की ओर से दायर याचिका की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता विकास बिजारनिया ने कहा कि गांव के आस-पास के क्षेत्र में चुनाई पत्थर का अवैध खनन किया जा रहा है, जिसका निजी प्रतिवादियों की ओर से उपस्थित अधिवक्ता पी.आर. सिंह जोधा ने प्रतिवाद किया। कोर्ट ने वस्तुस्थिति की जानकारी के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, नागौर के क्षेत्रीय अधिकारी को पक्षकार बनाने के निर्देश देते हुए उन्हें विवादित खनन क्षेत्र का निरीक्षण करने और दो सप्ताह में एक व्यापक रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

पहल कोटा के मंदिरों में महिला, बच्चे और युवाओं को शालीन परिधानों में प्रवेश के लिए किया जा रहा प्रेरित

मंदिरों में पढ़ाया जा रहा संस्कृति, संस्कार और शालीनता का पाठ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोटा. कोटा के मंदिरों में युवाओं को देवदर्शन के लिए मंदिर में आने पर भारतीय संस्कृति के अनुरूप परिधान पहनने और शालीनता बरतने का पाठ पढ़ाया जा रहा है। बात शिक्षा नगरी की है, जहां हर साल डेढ़ से दो लाख बच्चे कोचिंग करने आते हैं तो संस्कारों की शिक्षा बेहद जरूरी है। शिक्षा नगरी के लोग भी शिक्षा-दीक्षा और धर्म के प्रति जागरूक हैं। कुछ ऐसे ही उदाहरण सामने आए हैं कोटा के देवालयों में, जहां पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के बीच महिला, बच्चे और युवाओं को मंदिरों में दर्शन-पूजन के साथ ही भारतीय संस्कृति, संस्कार और शालीनता का पाठ भी पढ़ाया जा रहा है। मंदिर समितियों, प्रबंधन और कुछ संस्थाओं की ओर से पहल करते हुए मंदिरों के प्रवेशद्वार पर सूचना पट्ट लगाए गए हैं। साथ ही दर्शनार्थियों को प्रेरित भी कर रहे हैं।

जैन मंदिर में प्रवेश से पहले सूचना पट्ट पर सूचना पढ़ती महिला।

बरमुडा,जींस, मिनी स्कर्ट से बचें

शहर के एक मंदिर में लगाए गए बोर्ड पर लिखा है कि महिलाएं-पुरुष भारतीय संस्कृति के अनुरूप वस्त्र पहनकर आएं। मंदिर परिवार के सदस्य बताते हैं कि लोगों से हाथ जोड़कर भारतीय परिधान में आने की कहते हैं। तलवंडी के महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में ऐसी पहल शुरू की है। यहां बोर्ड पर लिखा है, छोटे वस्त्र, हाफ पेंट, बरमुडा, मिनी स्कर्ट, जींस इत्यादि पहनावे से बचें।

आ रहे सकारात्मक परिणाम

तलवंडी के महावीर दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष अशोक पहाड़िया व मंदिर में संचालित छात्रावास की प्रभारी निधि सेठी बताती हैं कि मंदिर का अर्थ ही वह स्थान है, जहां धर्म व संस्कार का पाठ पढ़ाया जाए। बदलते माहौल में जिस तरह से विदेशी संस्कृति का प्रभाव देख रहे हैं, इसे देखते हुए यह प्रयास है। मंदिर में महिलाओं के लिए दुपट्टे भी उपलब्ध करवाए हैं। सकल दिगम्बर जैन समाज के कार्याध्यक्ष जेके जैन बताते हैं कि कई जैन मंदिरों में भी यह पहल की गई है। गोदावरी धाम के प्रबंधक शैलेन्द्र भार्गव बताते हैं कि श्रद्धालुओं ने खुद मंदिरों में ऐसे सूचना पट्ट लगाए हैं। उनका मानना है कि विद्यार्थियों, कोर्ट में वकीलों समेत विभिन्न संस्थाओं के ड्रेस कोड होते हैं, मंदिर-देवालयों में भी हमारी संस्कृति का अनुसरण करें तो अच्छा ही है।

अच्छा परिधान हमारे विचारों को दर्शाता है

जैन मंदिर में दर्शन करने आई इंदौर की नीरू कासलीवाल बताती हैं कि अच्छा परिधान हमारे विचारों को दर्शाता है। यह शुरुआत सराहनीय है।

हाथों में मेहंदी के रंग से सजी तीज की खुशियां

भारतीय संस्कृति में तीज और सिंजारे जैसे पर्वों पर मेहंदी विशेष महत्त्व रखती है। ये पर्व न केवल महिलाओं की आस्था और सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि उनके संकल्प और उत्साह को भी दर्शाते हैं। इस पर्व को और भी खास बनाने के लिए, 'शी न्यूज' ने मेहंदी डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। हर डिजाइन ने इस पर्व की सुंदरता और महत्त्व को अपने तरीके से उजागर किया। सभी प्रतिभागियों ने मेहंदी में अपनी मेहनत और कला का बेहतरीन नमूना पेश किया और सचमुच हर महिला इस प्रतियोगिता में विजेता है। फिर भी, प्रतियोगिता के जजेज ने तीन डिजाइन को विशिष्ट माना, लेकिन यह भी सच है कि सभी डिजाइन अपनी-अपनी जगह पर उत्कृष्ट थे। इस प्रतियोगिता ने न केवल मेहंदी की कला को सराहा, बल्कि महिलाओं की प्रतिभा और उनके उत्साह को भी प्रोत्साहित किया। मेहंदी की इन डिजाइंस को देख कर अपने हाथों पर रचाने के लिए आप फ्रंट पेज पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर सकती हैं।

हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

नाम: सौम्या ठाकुर शहर: सागर, एमपी

नाम: नियति

नाम: गुंजा गुप्ता
शहर: शिवपुरी

उत्साह और उमंग से भरी पहली तीज

पहली तीज नवविवाहिताओं के लिए उत्साह और उमंग से भरी होती है। लहरिए के रंगों के साथ हाथों में रची मेहंदी और सोलह श्रृंगार कर महिलाएं भगवान शिव-पार्वती की पूजा कर उनकी तरह अटूट बंधन की कामना करती हैं। शादी के बाद पहली तीज के एक दिन पहले सिंजारे पर महिलाओं को ससुराल पक्ष की तरफ से मनपसंद कपड़े और कई उपहार दिए जाते हैं, जिनको लेकर वे काफी उत्साहित होती हैं। ऐसे में पहली तीज पर आपने क्या खास किया और कैसी रही आपकी तीज जानते हैं महिलाओं से...

पति ने किया वादा

बात मेरी शादी की पहली तीज की है। अभी शादी को कुछ ही महीने हुए थे कि पति सुमित को काम के

सिलसिले में बाहर जाना पड़ गया। तीज को लेकर मैंने काफी अरमान संजोए थे, लेकिन सुमित के साथ न होने पर मेरा मन सजने और संवरने का बिलकुल भी नहीं था। दो दिन हो गए थे, सुमित से बात किए हुए और मुझे गुस्सा आ रहा था कि सुमित मुझे भूल गए। सास ने आवाज लगाई कि तीज की पूजा के लिए तैयार हो जाओ, लेकिन मेरा बहुत ज्यादा उदास हो रहा था। तभी सुमित का फोन आया, उनकी आवाज सुनते ही मैं रोने लगी, तो सुमित ने मुझे वादा किया कि अब इसे हर तीज वह मेरे साथ ही मनाएंगे। उसके बाद मैं तैयार होकर चांद को अर्ध्य देकर तीज का व्रत पूरा किया।

- प्रीति अग्रवाल

विकास या विनाश : बड़ी संख्या में काटे जा रहे राष्ट्रीय वृक्ष खेजड़ी

हरियाली अमावस्या पर चली खेजड़ियों पर वन माफियाओं की आरी

अखिल भारतीय किसान सभा, जीव रक्षा संस्थान व जम्भेश्वर पर्यावरण प्रेमियों ने किया प्रदर्शन

छतरगढ़. लाखूसर क्षेत्र में काटी गई खेजड़ियां।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छतरगढ़. हरियाली अमावस्या पर बीकानेर जिले के विभिन्न पंचायत क्षेत्रों में सैकड़ों खेजड़ी पर आरी चली। ग्रामीणों से इसकी सूचना मिलने पर अखिल भारतीय किसान सभा पदाधिकारी व जम्भेश्वर पर्यावरण प्रेमियों ने सैकड़ों लोगों के साथ विभिन्न साधनों से मौके पर पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन किया। प्रशासन को चेताने के लिए केला फांटे पर टायर जलाकर अपना विरोध दर्ज करवाया।

प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी मिलने पर तहसीलदार व थानाधिकारी भी पुलिस जाब्ते सहित घटना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान बीकानेर, पूगल व छतरगढ़ तहसील अन्तर्गत बीकानेर जिले के लाखूसर, केला ,सरदारपूरा,बरजू आदि पटवार हल्कों के पटवारी भी पहुंच गए और मौका स्थित से काटी गई सैकड़ों खेजड़ियों की मौका रिपोर्ट तैयार की गई।

छतरगढ़. खेजड़ी कटने को लेकर टायर जलाकर विरोध करते वन प्रेमी।

इस मामले में छतरगढ़ पुलिस को जम्भेश्वर पर्यावरण प्रेमियों ने वन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक ज्ञापन भी दिया। क्षेत्र में सैकड़ों खेजड़ी के पेड़ों की अवैध कटाई होने पर जीव रक्षा संस्थान बीकानेर, जम्भेश्वर पर्यावरण संस्थान व अखिल भारतीय किसान सभा सहित अन्य समाजिक संगठनों ने गहरा रोष व्यक्त किया जा रहा है।

गौरतलब है कि बीकानेर जिले में लगातार बड़ी तादाद में आए दिन सूरज की रोशनी को ऊर्जा में बदलने के लिए कई निजी सोलर कंपनियां के माध्यम से अंधाधुंध वृक्षों की कटाई कर रही हैं। वृक्षों की कटाई से पार्यावरण को काफी नुकसान पहुंच रहा है। इसके चलते मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है।

प्रशासन ने माना खेजड़ी के पेड़ कटे

राजस्व प्रशासन ने विभिन्न संगठनों की ओर से खेजड़ी काटने की फोन से सूचना मिलने पर मौका स्थिति का मुआयना करके हल्का पटवारियों से रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए। बाद में मौका स्थिति से खेजड़ियों को काटकर अवैध तरीके से परिवहन करने की बात भी स्वीकार की।

कार को रिवर्स लेकर एक व्यक्ति को कुचलने का मामला

कार चढ़ाने से घायल का दम टूटा, साला-बहनोई और मित्र गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. भगत की कोठी थानान्तर्गत सरस्वती नगर शॉपिंग सेंटर में मामूली बात पर कार चढ़ाकर कुचलने से घायल व्यक्ति की एम्स में मौत हो गई। पुलिस ने बीकानेर से पकड़कर लाने के बाद साला-बहनोई व मित्र को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने सिर्फ गाली देने पर उसे कार से कुचल दिया था।

पुलिस गिरफ्त में तीनों आरोपी।

पुलिस के अनुसार प्रकरण में रामेश्वर नगर निवासी नरेन्द्रसिंह (40) पुत्र गोपलसिंह कार से कुचलने से गंभीर घायल था। वह एम्स में बेहोशी की हालत में भर्ती था। इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। शव मोर्चरी में रखवाया गया।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजेश कुमार यादव ने बताया कि प्रकरण में नागौर के गच्छीपुरा स्थित इटावा लाखा हाल विवेक विहार एन सेक्टर निवासी सुखदेवनाथ (43), बीकानेर जिले के दंतोर हाल विवेक विहार एन सेक्टर निवासी बबलू प्रजापत (32) और कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी वसीम (37) को गिरफ्तार किया गया। सुखदेव की पत्नी कांता को भी पकड़ा गया था, लेकिन वारदात में फिलहाल उसकी सामने नहीं आई है।

शराब के ठेके से निकलते समय बेवजह गाली दी : मृतक नरेंद्र सिंह व दोस्त मुरली वैष्णव ने दुकान पर शराब पीने के बाद निकलते समय बबलू से गाली-गलौच की थी। फिर दोनों वापस शराब लेने आए थे। बबलू के जीजा सुखदेवनाथ ने दोनों से मारपीट की थी। मुरली तो जान बचाकर भाग निकला, लेकिन तीनों आरोपियों ने नरेंद्र सिंह पर लाठी-डंडों से हमला किया था। इसके बाद जिस गाड़ी में वे सवार होकर आए उसे रिवर्स लेकर नरेंद्र सिंह को कुचल दिया था। उसे 20 फीट दूर घसीट ले गए। फिर भाग गए थे। मृतक के भाई भवन सिंह ने मामला दर्ज कराया था।

फास्ट टैग से पकड़ में आई कार व आरोपी

एडीसीपी (पश्चिम) निशांत भारद्वाज व एसीपी छवि शर्मा के निर्देशन में टीम गठित की गई थी। पुलिस ने टोल नाका के जोनल प्रभारी को कार नम्बर देकर तलाश करवाई थी। तब कार के फलोदी-बीकानेर हाइवे पर खीरवा टोल नाका से निकलने का पता लगा था। बाद में बीकानेर के रंजीतपुरा टोल नाका पर कार रोक ली गई थी। उसमें सवार तीनों आरोपी व सुखदेव की पत्नी को पकड़ लिया गया था। एएसआइ हनवंतसिंह बीकानेर पहुंचे और चारों को जोधपुर लाए। पूछताछ के बाद तीनों को गिरफ्तार किया गया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 15 मजदूर घायल

पोकरण @ पत्रिका. भणियाणा क्षेत्र के माड़वा गांव के पास मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली के पलट जाने से 10 महिलाओं सहित 15 जने घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, पोकरण में निर्माणाधीन राजकीय जिला चिकित्सालय व ट्रॉमा सेंटर भवन पर कार्य कर रहे कुछ मजदूरों को ठेकेदार की ओर से भणियाणा गांव में चल रहे राजकीय महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य पर ले जाया जा रहा था। माड़वा गांव से दो-तीन किलोमीटर ट्रैक्टर की ट्रॉली का हुक टूट जाने से अचानक पलट गई।

स्कूटी की टक्कर से पदयात्री घायल

पोकरण @ पत्रिका . कस्बे में जोधपुर रोड पर बाइपास फांटा के पास एक स्कूटी की टक्कर से एक पदयात्री घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, गुजरात के बनासकांठा जिलांतर्गत धानेरा के दांतीवास निवासी अरविंद (30) पुत्र शिवाजी पदयात्रा कर रामदेवरा की तरफ आ रहा था। कस्बे से पहले जोधपुर रोड पर बाइपास फांटा के पास पीछे से आ रही एक स्कूटी ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पोकरण के राजकीय अस्पताल लाया गया।

ट्रांसफार्मर उठाने से पलटी क्रेन

मंडार @ पत्रिका. जीएसएस पर जले पॉवर ट्रांसफार्मर को उतारने के लिए सिरोही से हाइड्रा क्रेन लाई गई। एईएन कुलदीप शर्मा तथा जेईएन जय कुमार की मौजूदगी में काम शुरू किया। जले हुए ट्रांसफार्मर को क्रेन ने प्लेटफार्म से उठाया, लेकिन, क्रेन की क्षमता से अधिक वजन ट्रांसफार्मर होने से अचानक क्रेन पलटी खा गई। जिससे 33 केवी के दो डीओ टूट गए। इस दौरान एईएन तथा जेईएन बाल-बाल बचे। जेईएन के हथेली पर मामूली चोट आई है। क्रेन को जेसीबी मंगवाकर सीधी करवाई। सहायक अभियंता कुलदीप शर्मा ने

बताया डिस्कॉम के जीएसएस में लगे दो पॉवर ट्रांसफार्मर में से एक जल गया था। 5 एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर आने से हाइड्रा क्रेन मंगवाकर पहले जले हुए ट्रांसफार्मर को उतार रहे थे, इस दौरान क्रेन अचानक पलटी खा गई। इसके बाद में एक और हाइड्रा क्रेन मंगवाई गई।

पत्रिका और विभिन्न सामाजिक संगठनों की पहल

राजपूत और जैन (श्वेतांबर-दिगंबर) समाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन 11 को

जयपुर @ पत्रिका. बेटे-बेटियों की उम्र विवाह योग्य हो जाने पर अभिभावक उनके लिए उचित रिश्ते की तलाश में जुट जाते हैं। एकल परिवार के बढ़ते चलन तथा सामाजिक ताने-बाने में आए बदलाव के कारण यह कार्य थोड़ा मुश्किल हो गया है। ऐसे में सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के क्रम में पत्रिका समूह की ओर से समाज आधारित वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है, जिससे पाठकों को एक साथ बड़ा और नवीन डेटाबेस मिल सके और अपना विवरण देने वालों की डिटेल्स एक दिन में समाचार पत्र एवं समाज के विभिन्न संगठनों के सहयोग से देशभर में लाखों परिवारों तक पहुंच सके।

इस क्रम में 11 अगस्त को राजस्थान के समस्त संस्करणों के साथ भोपाल, इंदौर एवं रायपुर के संस्करणों में राजपूत और जैन (श्वेतांबर-दिगंबर) समाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन किया जाएगा। इन विशेषांकों में राजपूत और सकल जैन समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का बायोडेटा प्रकाशित किए जाएंगे।

अपने या परिवार के विवाह योग्य युवक-युवती के लिए रिश्ता खोज रहे देश के किसी भी हिस्से में रह रहे राजपूत और जैन बंधु उसका बायोडेटा इस विशेषांक में नाम मात्र की दर पर छपवा सकते हैं। विज्ञापन बुकिंग के लिए पूरा नाम, शहर का नाम व कॉन्टैक्ट नंबर, वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज दें। पत्रिका टीम शीघ्र आपसे फोन पर संपर्क करेगी। रियायती दर पर विज्ञापन 9 अगस्त की शाम पांच बजे तक बुक कराए जा सकते हैं।

इस कार्य में देशभर से राजपूत और जैन समाज के संगठन जुड़ चुके हैं। आप देश के किसी भी हिस्से में जैन समाज के संगठन से जुड़े हैं एवं इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि गत वर्ष 2, 16 जुलाई, 26 नवंबर व 10 दिसंबर एवं इस वर्ष 7 और 21 अप्रैल को राजपूत समाज और गत वर्ष 21 मई, 4 जून, 15 अक्टूबर, 29 अक्टूबर व 12 नवंबर और इस वर्ष 31 मार्च, 14 अप्रैल, 7 एवं 28 जुलाई को पत्रिका के उपरोक्त संस्करणों में जैन समाज का वैवाहिक विशेषांक प्रकाशित किया जा चुका है।

पाली सेवा मंडल की ओर से 20 करोड़ की लागत से बनाया गया है अस्पताल

जन सहयोग से बना अस्पताल, उद्घाटन 8 को

उद्घाटन समारोह में सीएम का आना है प्रस्तावित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. शहर के नया गांव क्षेत्र में जन सहयोग से पाली सेवा मंडल की ओर से 20 करोड़ की लागत से अस्पताल बनाया गया है। यहां उपचार के साथ जांचें बहुत कम लागत पर की जाएगी। अस्पताल के 8 अगस्त को प्रस्तावित उद्घाटन समारोह में सीएम भजनलाल शर्मा का आना भी प्रस्तावित है। इसे लेकर जिला कलक्टर एलएन मंत्री के साथ अन्य

पाली. नया गांव में अस्पताल का जायजा लेते अधिकारी व संस्था सदस्य।

अधिकारियों ने जायजा लिया। उधर, अस्पताल परिसर में डोम लगाने के साथ अन्य तैयारियां की जा रही हैं।

नया गांव में करीब पौने सात बीघा जमीन पर तैयार इस अस्पताल में 12 डायलेसिस की मशीन लगाई है। इसके साथ ही अस्पताल में आंखों की जांच व उपचार की सुविधा होगी। ट्रोमा सेंटर बनाया है। जिससे हादसों में घायल मरीजों का उपचार किया जा सके। अस्थि रोग विभाग भी होगा।

सभी जांच होंगी रियायती दर पर : अस्पताल में हर तरह की जांच रियायती दर पर की जाएगी। अस्पताल से जुड़े प्रमोद जैथलिया ने बताया कि 100 बैड के अस्पताल में पोर्टेबल एक्सरे मशीन होगी। इसमें आइसीयू सुविधा है। मरीजों के लिए दो लिफ्ट लगाई है। डॉक्टरों के फ्लैट बनाए है। इसके साथ ही मरीज के परिजनों के लिए भी एक हॉल बनाया है। उन्होंने बताया कि सीएम के साथ ही अन्य अतिथियों को भी आमंत्रित किया है।

आज का राशिफल मंगलवार, 06 अगस्त 2024

मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* आप की आदतों के कारण अपनों से दूरियां बना ली। समय रहते अपने स्वभाव और व्यवहार को बदलें तो अच्छा होगा।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* पारिवारिक लोगों से संबंध मधुर होंगे। कार्यस्थल पर किसी से आकर्षित होंगे। भाग्योदय संभव है। जो भी काम करें।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* नए व्यापार की शुरुवात अनुकूल होगी। कान संबंधित पीड़ा हो सकती है। विवादों में न बोलें, नुकसान हो सकता है।
कर्क	*हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* आर्थिक मामले सुलझने की उम्मीद है। जिन लोगों की मदद की थी वही आप का विरोध करेंगे। रुचि का काम मिलेगा।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* वैचारिक मतभेद दूर होंगे। किसी को अपने मन की बात बताने का मौका मिलेगा। कारोबार में नए सौदे लाभप्रद रहेंगे।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* बीती बातों को भुलाकर अपने रिश्तों की नई शुरुआत करें। आप की उन्नति से विरोधी को तकलीफ हो सकती है।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* सामाजिक वर्चस्व में वृद्धि होगी। मन में किसी बात को लेकर दुविधा है, उसी के कारण आप तनाव महसूस कर रहे हैं।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* कार्यस्थल पर सहकर्मी सफलता से ईर्ष्या करेंगे। कार्यों में हो देरी से चिंतित होंगे। कारोबार में नई तकनीक का प्रयोग होगा।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* धार्मिक माहौल में समय व्यतीत होगा। धनार्जन के नए स्रोत स्थापित होंगे। माता के स्वास्थ की चिंता रहेगी।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* रुके कार्य और योजनाओं को क्रियाशील करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। बीमारी के कारण तनाव पैदा होगा।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* नई योजनाओं में पूंजी निवेश सोच-समझ कर करें। पुराने विवाद से युक्त जमीन जायदाद के मसले लंबित होंगे।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* नया काम शुरू करने से पहले अनुभवियों और बड़ों से मार्ग दर्शन सलाह लें। पूंजी निवेश करने में सतर्क रहें।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	वर्षा
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	मुहर्रम-30	मास:	श्रावण
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

मंगलवार, 6 अगस्त, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

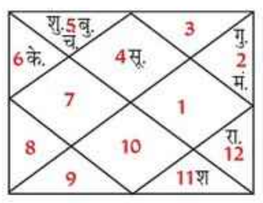

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज प्रात: 09-15 से दोपहर बाद 02-11 तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत तथा अपराह्न 03-50 से सायं 05-29 तक शुभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12-06 से दोपहर 12-59 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: द्वितीया भद्रा संज्ञक तिथि सायं 07-53 तक, तदन्तर तृतीया जया संज्ञक तिथि प्रारम्भ हो जायेगी। द्वितीया तिथि में राजकीय कार्य, विवाहादि मांगलिक कार्य, वास्तु, यात्रा, अलंकार, यज्ञोपवीत व प्रतिष्ठादिक कार्य और तृतीया नक्षत्र में अन्नप्राशन, गान-विद्या, सीमन्त कर्म आदि कार्य शुभ व सिद्ध होते हैं।

नक्षत्र: मघा "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र सायं 05-44 तक, तदन्तर पूर्वाफाल्गुनी "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र है। मघा नक्षत्र में पैतृक कार्य, वृक्ष बीजादि रोपण, कुआं, तालाब, विवाह व अन्य साहसिक कार्य तथा पू.फा. नक्षत्र में बन्धन, क्रूर व कठिन कार्य करने योग्य कहे हैं।

योग: वरियान नामक नैसर्गिक शुभ योग पूर्वाह्न 10-59 तक, तदुपरान्त परिघ नामक नैसर्गिक अशुभ योग है। परिघ योग की पूर्वार्द्ध घटियां शुभकार्यों में त्याज्य हैं।

विशिष्ट योग: राजयोग नामक शुभ योग सायं 06-04 तक है। राजयोग में सभी धार्मिक व मांगलिक कार्यादि शुभ माने गये हैं।

करण: बालव नामकरण प्रात: 06-58 तक, तदन्तर कौलव व तैतिल आदि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव: आज नवीन चन्द्र के दर्शन उ.मु. उत्तर शृंगोन्नत, सिंजारा (तीज का), मंगला गौरी पूजा तथा गण्डमूल सायं 05-44 तक।

चंद्रमा : चंद्रमा सिंह राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज मघा नक्षत्र में सगाई, रोका व विवाह का यथाआवश्यक शुभ मुहूर्त हैं।

दिशाशूल: मंगलवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज पूर्व दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यममान से): अपराह्न 3-00 बजे से सायं 4-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (मु, मे, मो, टा) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि सिंह हैं। सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं। इनका जन्म रजतपाद से है। सामान्यत: ये जातक धनवान, व्यापार से लाभ उठाने वाले, योजनाकार तथा अत्यन्त साहसी होते हैं। इनका भाग्योदय 25 वर्ष की आयु के बाद ही होता है। सिंह राशि वाले जातकों को अपने कार्यक्षेत्र, व्यापार-व्यवसाय आदि में प्रचुर लाभ मिलेगा। शोक-मौज की वस्तुओं पर व्यय अधिक होगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने सावन के तीसरे सोमवार को गोरखपुर के मानसरोवर मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक किया । इस दौरान मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अचर्ना करते हुए उन्होंने राज्य और देश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

झारखंड के देवघर में सावन के तीसरे सोमवार को बाबा बैद्यनाथ के दर्शनों को उमड़े श्रद्धालु।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, एक कांवड़िए की मौत, 3 घायल:
बदायूं @ पत्रिका. जिले के सिविल लाइन क्षेत्र में कांवड़ियों से भरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से एक कांवड़िया की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर घायल हो गए। एसपी सिटी ने बताया कि ग्राम रसूला निवासी कामेश साथियों के साथ पटना देवकली मंदिर पर जल चढ़ाने गया था। वापस लौटते समय गांव कुलचौरा के समीप सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को बचाने के प्रयास में उनकी ट्रॉली पलट गई। ट्रॉली के नीचे दबकर कामेश की मौत हो गई जबकि मुकेश, अमित और ओमेंद्र निवासी रसूला घायल हो गए। तीनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रॉपर्टी डीलर का शव बरामद:
इटावा @ पत्रिका. जिले के इकदिल इलाके में प्रॉपर्टी डीलर का शव सोमवार को एक नहर से बरामद किया गया। माना जा रहा है कि रुपए के लेन-देन में उसकी गोली मारकर हत्या की गई है। सीओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि नहर शिकोहाबाद के प्रॉपर्टी डीलर जितेंद्र सिंह यादव का शव बरामद किया। निशान से स्पष्ट है कि गोली मारकर हत्या के बाद शव नहर में फेंका गया है। मृतक के भतीजे अंकित ने बताया कि शनिवार को उसके चाचा फिरोजाबाद निवासी राजेंद्र सिंह के साथ मैनपुरी प्रोपर्टी के देखने के लिए गए थे। उनके पास 3 लाख रु. व 3 सोने की अंगूठी थीं। घर न आने पर परिजनों ने थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

चीन की तर्ज पर इटावा में शुरू किया प्रशिक्षण कार्यक्रम

आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी स्कूलों के छात्रों को मिलेगा प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इटावा. चीन की तर्ज पर इटावा में अब सरकारी स्कूल के छात्रों को भी शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने सोमवार को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से विद्यालयों को स्किल हब के रूप में विकसित करने के लिए लर्निंग बाय डूइंग कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूल के छात्रों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही धरातल पर ही हर टूल्स और गतिविधि की जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए लर्निंग बाय डूइंग कार्यक्रम से संग छात्रों को लैब और बाहरी परिवेश में प्रयोग करके समझाया जाएगा।

इनका कहना है : तकनीकी शिक्षा से किया जा रहा मजबूत

बेसिक शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक मनोज धाकरे का कहना है की नई शिक्षा नीति के तहत छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा से मजबूत किया जा रहा है। धाकरे ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए जसवंतनगर ब्लॉक के मलाजनी, निलोई, बलरई, नगला विशुन, रजमऊ, बढ़पुरा ब्लॉक के राजा का बाग, भटपुरा, कांधनी बसरेहर ब्लॉक के दतावली, बलपुरा,कृपालपुर सैफई ब्लॉक के बर्रा, लछवाई महेवा ब्लॉक के व्यासपुरा, बकेवर, मेहंदीपुर चकरनगर ब्लॉक के जौनानी, टिटावली,भरथना ब्लॉक के कुंअरा, बिरारी, अकबरपुर ओर ताखा ब्लॉक के समथर, बेलाहार, पटियात प्राथमिक स्कूलों को शमिल किया गया है।

यह गुर सीखेंगे छात्र

इस कार्यक्रम में शिक्षक स्कूली छात्र-छात्राओं को खेतीबाड़ी, बागवानी, कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन, टेलरिंग से लेकर खाना बनाने के भी गुर भी सिखाएंगे, ताकि ये हुनर छात्रों के लिए भविष्य में उपयोगी हो। कक्षा छह से आठ के छात्रों के लिए शुरू किए गए इस प्रशिक्षण में प्रथम चरण में हर ब्लाक में 100 की छात्र संख्या वाले दो-दो स्कूल चयनित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हालांकि, नगर क्षेत्र के भी दो स्कूल चयनित होने थे, लेकिन प्रशिक्षण के लिए अपेक्षित शिक्षकों की कमी से जसवंतनगर ब्लॉक में दो अतिरिक्त स्कूल शामिल किए गए हैं। इसके अलावा पीएम श्री योजना अंतर्गत प्रथम चरण में चयनित छह स्कूलों को भी शामिल किया गया है। इस प्रकार 24 स्कूलों में प्रयोगशाला स्थापित की जा रही हैं। चयनित 24 स्कूलों को एमएमसी (स्कूल मैनेजमेंट कमेटी) के माध्यम से 28,770 रुपए मतलब कुल 6,90,480 रुपए का बजट मिला है। इससे स्कूल स्तर पर 50 टूल्स की खरीद की गई है। स्कूलों में प्रयोगशाला की स्थापना के लिए चार ट्रेड्स के कुल 155 प्रकार के विभिन्न टूल्स, इविवमेंट और लैब सेटअप मैटेरियल राज्य स्तर से चयनित फर्म केंद्रीय भंडार द्वारा आपूर्ति की जाएगी। कौन सा टूल्स क्या काम करता है और इसकी क्या उपयोगिता है, इसको समझाने के लिए प्रयोग करके बताया जाएगा। इसमें डिजिटल मल्टीमेटर, अल्ट्रासोनिक सेंसर, आइआर सेंसर, साउंड सेंसर, डिजिटल वेटिंग मशीन, कुल्हाड़ी,हसिया, खुरपी, कैंची, गैंती, टप, चाकू, लाइटर, मिक्सर, गैस चूल्हा, उसकी रबड़, सिलेंडर मग, लंबाई नापने वाला फीता सिलाई कढ़ाई के टूल्स, आरी, प्लास सहित अन्य टूल्स शामिल होंगे। इस प्रकार परिषदीय स्कूलों के बच्चों को सामाजिक परिवेश से जोड़ने, कृषि और स्वास्थ्य से संबंधित पान जानकारियां उपलब्ध कराकर उनको नवाचारों से जोडने का काम होगा। उच्च प्राथमिक विद्यालय राजा के बाग में स्मार्ट क्लासेस भी साथ में शुरू हो गई है, वहां पर बच्चों को डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। स्कूल की प्रधानाचार्य वसीफा तब्बसुम ने बताया कि इससे बच्चों के करियर बनाने में सफलता मिलेगी और नई शिक्षा नीति के तहत यह अच्छा कदम है। छात्र-छात्राएं आत्मनिर्भर बनेंगे।

सावन सोमवारी का जल उठाने के लिए जाते समय हुआ हादसा

करंट लगने से 9 लोगों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तिरहुत-मुजफ्फरपुर. बिहार के हाजीपुर में करंट लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। घटना औद्योगिक थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर की है।

ग्रामीणों का कहना है कि डीजे 11 हजार वोल्ट के बिजली तार के संपर्क में आ गया, जिससे आठ लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। कुल नौ लोगों की मौत के बाद यह आंकड़ा और बढने की आशंका है।

सोमवार को चढ़ाना था महादेव को जल

घटना के संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि सुल्तानपुर के लोग एकसाथ डीजे बजाते हुए सोनपुर के पहलेजा घाट जल उठाने के लिए जा रहे थे। सभी लोग डीजे के संगीत पर झूमते नाचते जा रहे थे। तभी अचानक डीजे 11 हजार के बिजली के सम्पर्क में आ गया। इसमें नौ लोग बुरी तरह से झुलस गए। आठ की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। एक ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। बाकी का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हादसे में इनकी गई जान

ग्रामीणों के अनुसार मरने वालों में धर्मेंद्र पासवान के पुत्र रवि कुमार, स्व लाला दास के पुत्र राजा कुमार, स्वर्गीय फुदेना पासवान के पुत्र नवीन कुमार, सनोज भगत के पुत्र अमरेश कुमार, मंटू पासवान के पुत्र अशोक कुमार, परमेश्वर पासवान के पुत्र कालू कुमार, मिंटू पासवान के पुत्र आशी कुमार, चंदेश्वर पासवान के पुत्र चंदन कुमार और देवी लाल के पुत्र आमोद कुमार का नाम है। 11 हजार वोल्ट के तार में करंट की चपेट में आए उमेश पासवान के पुत्र राजीव कुमार (17) सहित तीन लोगों का इलाज चल रहा है। फिलहाल अस्पताल में अफरातफरी का माहौल है।

बढ़ सकती है मरने वालों की संख्या

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और के साथ साथ वैशाली के डीएम भी घटनास्थल पर पहुंच गये। फिलहाल शवों की शिनाख्त की पुष्टि हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है। मामले पर हाजीपुर के सदर एसडीपीओ ओमप्रकाश ने कहा कि कांवरिया डीजे पर जा रहे थे। डीजे गाड़ी बहुत ऊंची थी। डीजे हाइटेंशन तार के संपर्क में आ गया। इसी कारण हादसा हुआ। मामले की जांच की जा रही है।

एमएसीपी को लेकर प्राइमरी टीचरों का आमरण अनशन शुरू

रांची @ पत्रिका. सुनिश्चित वृत्ति योजना (एमएसीपी) की मांग को लेकर प्राथमिक शिक्षकों का राजभवन के समक्ष आमरण अनशन सोमवार को शुरू हो गया। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले इस अनशन में दूसरे शिक्षक संघों का भी साथ मिला।

राज्य कर्मियों की तरह शिक्षकों को भी एमएसीपी लाभ देने की मांगों के समर्थन में सभी प्राथमिक शिक्षक संघ, झारखंड प्लस 2 शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश संयुक्त मोर्चा, एमएसीपी संघर्ष मोर्चा से जुड़े शिक्षक भी पहले दिन अनशन पर बैठक की। वक्ताओं ने कहा कि इस बार आंदोलन में आर-पार की लड़ाई लड़ने को शिक्षक तैयार हैं।

शराब के आरोपी को नहीं पकड़ पाया था

डीजी ने इंस्पेक्टर को किया जबरन रिटायर, हाईकोर्ट ने बताया अवैध

पटना @ पत्रिका. पटना हाई कोर्ट ने तत्कालीन डीजीपी एसके सिंघल द्वारा इंस्पेक्टर को जबरन रिटायर कराने के आदेश को अवैध घोषित कर दिया है। बेगूसराय के बखरी निवासी अविनाश चंद्र की याचिका पर जस्टिस मोहित कुमार शाह की पीठ ने सुनवाई करते हुए उक्त आदेश दिया है। याचि इंस्पेक्टर मुजफ्फरपुर के मीनापुर में पदस्थापित थे। शराब केस में आरोपित के नहीं पकड़े जाने के आरोप में अविनाश को तत्कालीन डीजीपी एसके सिंघल ने अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई थी। इंस्पेक्टर अविनाश को 26 नवंबर 2020 को इस आरोप में निलंबित किया कि वह शराब के केस में एक आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सके।

हाईकोर्ट के फिर से बहाल करने के आदेश

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आइजी के आदेश के 6 माह के दौरान डीजीपी इसकी समीक्षा कर आदेश जारी कर सकते थे, लेकिन बगैर किसी आधार के अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई। यह प्रक्रिया नियम के तहत नहीं है। कोर्ट ने तत्कालीन डीजीपी के आदेश को अवैध करार देते हुए पुलिस मुख्यालय और राज्य सरकार को आदेश दिया है कि अविनाश चंद्र को सेवा में फिर से बहाल किया जाए और जब से उन्हें हटाया गया है, तब से अब तक का सारा बकाया उन्हें दिया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर स्थित आवास पर जनसुनवाई करते हुए लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का निपटान के लिए त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सहारनपुर में दुष्कर्म के आरोप से मुकरी पीड़िता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सहारनपुर. जिले में सामूहिक दुष्कर्म की घटना के छह साल बाद पीड़िता और एफआइआर दर्ज कराने वाला उसका भाई दोनों कोर्ट में अपने बयानों से पलट गए।

पीड़िता ने कहा कि पुलिस के दबाव में उसने सामूहिक दुष्कर्म के बयान दिए थे। मामले में एडीजे टिंकू कुमार की कोर्ट ने झूठा मामला दर्ज कराने और कोर्ट को गुमराह करने पर वादी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। एसपी सिटी ने बताया कि पुलिस कोर्ट के आदेश का पालन करेगी। यह मामला थाना चिलकाना का है, जहां के एक गांव में युवती के चचेरे भाई ने 19 सितंबर 2018 को गांव के जावेद, गय्यूर और नदीम के खिलाफ उनकी नाबालिग बहन को बहला-फुसलाकर ले जाने और सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों जावेद, गय्यूर और नदीम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

अयोध्या रेप केस: पुलिस सुरक्षा में उपचार

पीड़िता की हालत बिगड़ी, अयोध्या से लखनऊ रेफर

अयोध्या @ पत्रिका. जिले में रेप पीड़िता की तबीयत खराब होने पर उसे अयोध्या जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया है। पीड़िता को पुलिस की कड़ी सुरक्षा में सोमवार को लखनऊ में भर्ती कराया गया। सोमवार को एम्बुलेंस से डॉक्टरों की निगरानी में पीड़िता लखनऊ पहुंची। उसके साथ उसकी मां भी थी।

बताया जा रहा है कि पीड़िता की तबीयत खराब होने पर जिला अस्पताल में संसाधनों के अभाव की वजह से उसे लखनऊ रेफर किया गया है। इससे पहले, अयोध्या में नाबालिग से रेप मामले में आरोपी मोईद खान की बेकरी पर जिला प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया था। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने आरोपी की बेकरी पर छापा मारा और सारा सामान जब्त कर जांच के लिए भेज दिया। बेकरी को सील कर दिया गया है।

नाबालिग के गर्भवती होने पर हुआ मामले का खुलासा : बीते दिनों
अयोध्या में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया। आरोप है कि सपा नेता मोईद खान ने नाबालिग को नौकरी का झांसा देकर, उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा था कि आरोपी उसके साथ दो महीने तक रेप करता रहा और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। मामले का खुलासा तब हुआ, जब नाबालिग के पेट में दर्द हुआ। परिजन उसे डॉक्टर के पास ले गए, जहां पता चला कि वह गर्भवती है।

बेतिया: 1.5 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता

डीएम का औचक दौरा, डीपीआरओ ऑफिस में पकड़ी करोड़ों की हेराफेरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेतिया . जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय (डीपीआरओ) में भारी पैमाने पर वित्तीय अनियमितता पाई गई है। इसमें नियम को दरकिनार कर करोड़ों का भुगतान किया गया है। भुगतान में सक्षम पदाधिकारी का स्वीकृति आदेश भी नहीं लिया गया है। सोमवार को जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने डीपीआरओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, अनुमंडल पदाधिकारी डॉ. विनोद कुमार, ओएसडी सुजीत कुमार भी मौजूद रहे। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनसंपर्क कार्यालय में विगत चार वर्षो की आवंटन पंजी, कैश बुक, स्वीकृति आदेश सहित विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया।

वरीय कोषागार पदाधिकारी तलब:
अवलोकन के दौरान ही जिला वरीय कोषागार पदाधिकारी संतोष कुमार को भी कार्यालय में तलब किया गया और उनसे भुगतान के संबंध में नियमावली एवं सत्यापन कराया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर सोमवार को कार्यालय के अभिलेखों का जांच की गई।

गोण्डा: सीएम योगी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

गोण्डा @ पत्रिका. सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोंडा जिले में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। सीएम सुबह हेलिकॉप्टर से गोंडा पहुंचे । वहां आला अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की और अधूरे कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जनप्रतिनिधियों से भी मिले और उनसे सुझाव साझा कर प्रकाश में आई खामियों को दूर करने की अधिकारियों को हिदायत दी। बैठकों के दौरान मुख्यमंत्री से मिलने से रोके जाने पर कई भाजपा नेता और नेत्रियों से सर्किट हाउस के बाहर धरना दिया।

जमीन माफिया कमलेश की रिमांड अवधि 5 दिन बढ़ी

रांची @ पत्रिका. भूमाफिया कमलेश कुमार की रिमांड अवधि 5 दिन और बढ़ा दी गई है। ईडी ने कमलेश को बुधवार को 5 दिन की रिमांड पर लिया था। रविवार को रिमांड अवधि खत्म होने के बाद ईडी ने पीएमएलए कोर्ट से फिर उसकी रिमांड अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था, जिसके बाद उसकी रिमांड अवधि और 5 दिन बढ़ा दी गई। ईडी ने पीएमएलए कोर्ट को बताया कि कमलेश से अभी पूरी पूछताछ नहीं हो सकी है। कांके अंचल स्थित कई जमीनों के दस्तावेजों में हुए फर्जीवाड़ा मामले में गवाहों व संदिग्धों को समन किया है, जिनसे पूछताछ होनी है, इसलिए कमलेश की रिमांड बढ़ाई जाए। ईडी के तर्क पर विचार के बाद कोर्ट ने और 5 दिनों तक पूछताछ की अनुमति दी।

गढ़वा में सोन नदी का कहर, बाढ़ में फंसे 50 से अधिक ग्रामीण

गढ़वा. जिले के लोहरगड़ा गांव के पास सोन नदी के टीला में सोननदी का जलस्तर अचानक से बढ़ने की वजह से गढ़वा व रोहतास जिलों के तिऊरा गांव के 50 लोग सोन नदी में फंस गए। इनके साथ सौ से अधिक पशुधन भी बाढ़ में फंसे रहे। इसकी जानकारी के बाद रविवार की रात में ही जिला प्रशासन बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए तत्पर हो गई। एनडीआरएफ टीम सोमवार अहले सुबह से रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकलतरा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.)
E-mail ID: cmoakaltara@rediffmail.com
क्रमांक/380/स्था./न.पा.प./2024 अकलतरा, दिनांक 02/08/2024
।। ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदा सूचना ।।
UADD Portal : http:/eproc.cgstate.gov.in
नगरपालिका परिषद अकलतरा क्षेत्रान्तर्गत निम्नांकित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	प्रा. राशि (लाख में)	अमानत राशि	डिमाण्ड ड्राफ्ट
157053	Selection Placement Agency for supply of labour of different categaories (Skilled, Semi- Skilled and Unskilled Year 2024-25) (1st CALL)	109.00	82000.00	3000.00

निविदा की विस्तृत जानकारी छ.ग. शासन की E-procurement पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् अकलतरा
जिला- जांजगीर-चांपा(छ.ग.)

कौशांबी: 54 लाख की स्मैक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कौशांबी. जिले के संदीपनघाट पुलिस व एएनटीएफ ऑपरेशनल यूनिट प्रयागराज की संयुक्त टीम ने सोमवार को स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर उससे 54 लाख रुपए कीमत की स्मैक बरामद की। एक बाइक सवार तस्कर कानपुर प्रयागराज राष्ट्रीय मार्ग स्थित पन्नोई मोड के पास आने वाला है। सूचना पर पुलिस की संयुक्त टीम वहां वाहनों की चेकिंग करने लगी। इस दौरान काले रंग की बाइक सवार व्यक्ति को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया और घेर कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 271 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम सोनू निवासी ताड़बाग धूमनगंज प्रयागराज बताया।

वृंदावन के मंदिरों में युगल सरकार का झूलनोत्सव 7 से

हिंडोला उत्सव में भक्ति करती है अनूठा नृत्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मथुरा. बांकेबिहारी मन्दिर एवं सप्त देवालयों समेत वृन्दावन के मन्दिरों में युगल सरकार का झूलनोत्सव सात अगस्त से शुरू हो रहा है। इसे हिंडोला उत्सव भी कहा जाता है।

बांकेबिहारी मन्दिर में यह झूलनोत्सव केवल एक दिन का होता है, वहीं अधिकांश मन्दिरों में यह उत्सव एक पखवारे तक चलेगा। वैसे द्वारकाधीश मन्दिर समेत ब्रज के कई मन्दिरों में झूलनोत्सव की शुरूवात श्रावण मास के प्रारंभ होते ही हो गई थी जो रक्षाबंधन तक चलेगा। हिंडोला एक प्रकार का झूला है जिसमें युगल सरकार झूलते हैं। झूला कहीं पर भी डाला जाता है लेकिन हिंडोला केवल मन्दिरों में ही डाला जाता है। बांकेबिहारी मन्दिर का हिंडोला यद्यपि सात दशक से अधिक समय पहले बनाया गया था लेकिन सोने-चांदी से निर्मित यह भव्य हिंडोला देखने से ऐसा लगता है जैसे इसे आज ही बनाया गया हो। यह हिंडोला अपने पीछे एक इतिहास समेटे हुए हैं।

125 किलो सोना और 1 हजार किलो चांदी से बना है हिंडोला

बांकेबिहारी मन्दिर के सेवायत आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि यह हिंडोला विशाल होने के कारण कई टुकड़ों में बनाया गया है तथा इन टुकड़ों को मिलाकर हिंडोला तैयार होता है। उन्होंने बताया कि लगभग 125 किलो सोना और एक हजार किलो चांदी से बनाए गए इस हिंडोले में लगभग सवा सौ से अधिक टुकड़े हैं जिन्हे जोड़कर हिंडोला तैयार होता है। इसके लिए आवश्यक शीशम, सागौन की लकड़ी नेपाल के टनकपुर से आई थी। इस हिंडोले का निर्माण सन 1942 में शुरू हुआ था तथा 1947 में यह बनकर तैयार हुआ था। सेवायत आचार्य ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को हरियाली अमावस्या के दिन पहली बार बिहारी जी महराज ने इस हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए थे। हिंडोले में चार सखियां ललिता, विशाखा, चित्रा एवं रंगदेवी भी बिहारी जी महराज की सेवा में रहती है।

1942 में 25 लाख की लागत से बनकर हुआ था तैयार: 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बनारस के 20 कारीगरों ने इसे बनाने का काम शुरू किया था। इस हिंडोले को बनाने का निर्देशन कारीगर छोटेलाल एवं ललनभाई ने किया था तथा हिंडोला पांच साल में बनकर तैयार हुआ था। उस समय इसकी लागत 25 लाख रुपए आई थी। इसमें प्रमुख योगदान हरगूलाल सेठ का था किंतु अन्य गोस्वामियों ने भी इसमें सहयोग किया था। पहले इस हिंडोले में बिहारी जी महराज के दर्शन केवल शाम को ही होते थें मगर 2015-16 के उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद अब हिंडोले में बिहारी जी महराज के दर्शन सुबह से शाम तक होते है।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

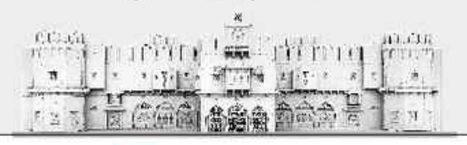

सुरक्षा मानदण्डों की जानलेवा अनदेखी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के कोचिंग संस्थानों को लेकर जो बात कही है वह कमोबेश देश के सभी हिस्सों में संचालित कोचिंग संस्थाओं पर भी लागू होती है। कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा संबंधी मानदण्डों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की घटना ने आंखें खोल दी हैं। साथ ही यह भी कहा कि कोचिंग संस्थान 'डेथ चैम्बर' बन गए हैं और देश के विभिन्न हिस्सों से आए उम्मीदवारों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। सुरक्षा मानदण्डों की पालना को लेकर सवाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम को भी नोटिस दिए हैं।

दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत के बाद कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानदण्डों की अनदेखी की तरफ जिम्मेदारों का ध्यान गया है। निरीक्षण व नोटिस देने के काम भी खूब हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तो यहां तक कह दिया है कि ऐसे किसी भी संस्थान में जब तक सुरक्षा मानदण्ड पूरे नहीं हों, वहां ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। दरअसल, जब कहीं भी ऐसा हादसा होता है तो हमारे यहां लकीर पीटने का काम ज्यादा होता है। दिल्ली ही क्यों, देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे कोचिंग संस्थान भी तमाम मानदण्ड पूरे कर संचालित हो रहे हों, ऐसा लगता नहीं। यह इसलिए क्योंकि कभी किसी कोचिंग संस्थान में आग लगने, कहीं बाढ़ का पानी घुसने या फिर कहीं लिफ्ट में बच्चों के फंसने की खबरें आए दिन आती रहती हैं। अधिकांश कोचिंग संस्थान बहुमंजिला इमारतों में और तहखानों तक में संचालित होते नजर आते हैं। हैरत की बात यह है कि पानी की निकासी या फिर अग्निशमन व्यवस्था के बारे में जांच की खानापूर्ति ज्यादा होती है। आवासीय इलाकों में संचालित कोचिंग संस्थानों के चलते अक्सर आवागमन भी बाधित होता है। दिल्ली के मामले में तो यह तथ्य भी सामने आया है कि संस्थानों को अनुमति देने के नियम-कायदे भी अलग-अलग सरकारी संस्थानों में अलग-अलग हैं। ऐसे में तय मानदण्डों की समुचित पालना होना संभव होता ही नहीं। हां, नियम-कायदों की फाइलों पर जमी धूल झाड़ने का काम तभी होता है जब कोई हादसा हो जाता है।

बात सिर्फ कोचिंग संस्थानों की ही नहीं, सार्वजनिक आवाजाही वाले सभी केन्द्रों पर सुरक्षा मानदण्डों की अनदेखी कभी भी जानलेवा साबित हो सकती है। बाहर से आलीशान-सी दिखने वाली इमारतें भीतर से मौत का साजो-सामान लिए हों तो दोष किसे दें? बड़ा सवाल इस बात का भी है कि हादसे के बाद दिखाई जाने वाली सक्रियता आखिर ऐसे किसी भी संस्थान के संचालन की अनुमति देते वक्त क्यों नहीं दिखाई जाती?

सामयिक: साख को ठेस पहुंचाने वाले कारण जानने के लिए छात्र संगठनों को आत्म-विश्लेषण की जरूरत

आचरण की मिसाल कायम करें छात्र प्रतिनिधि

छात्रसंघों की भूमिका की चर्चा होने पर मिले-जुले भाव उभरते हैं। एक तरफ इसे लोकतंत्र की पहली सीढ़ी बताया जाता है तो दूसरी तरफ छात्रसंघ चुनावों में बेशुमार खर्च और वर्चस्व के लिए खून-खराबे के कारण इन चुनावों पर सवाल भी उठते हैं। छात्रसंघ चुनाव भारत में ही नहीं दुनियाभर में होते हैं, लेकिन भारत में इन चुनावों ने जैसा रूप ले लिया है, उसे देखते हुए एक वर्ग इन पर प्रतिबंध का पक्षधर भी है।

अमरीका और ब्रिटेन जैसे कई लोकतांत्रिक देशों में भी छात्रसंघ जैसी संस्थाएं हैं। अमरीका में उन्हें स्टूडेंट गवर्नमेंट, स्टूडेंट गवर्नमेंट एसोसिएशन, स्टूडेंट सीनेट या एसोसिएटेड स्टूडेन्ट्स जैसे नामों से संबोधित किया जाता है। ब्रिटेन की शैक्षिक संस्थाओं में भी छात्रसंघों की बहुत मजबूत उपस्थिति है। किंग्स कॉलेज लंदन का छात्रसंघ सबसे पुराना है जिसे 1873 में स्थापित किया गया। दूसरी शिक्षण संस्थाओं में भी छात्रसंघों की सक्रिय उपस्थिति है। अमरीका और ब्रिटेन के छात्रसंघों ने समाज और छात्रों के बीच अच्छी साख अर्जित की है। नए छात्रों की मदद करने में वे हर समय आगे रहते हैं। सामाजिक विषयों पर बहस आयोजित करना तथा सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना उनकी नियमित गतिविधियों का हिस्सा है। पदाधिकारियों को चुनने के लिए चुनाव भी होता है। उनके छात्रसंघों के बारे में खास बातें ये भी हैं कि चुनाव में हिंसा की कल्पना नहीं की जा सकती, वे किसी राजनीतिक दल के हिस्से के रूप में कार्य नहीं करते और वर्चस्व के लिए संघर्ष भी उनके यहां कभी नहीं होता। यही वजह है कि वहां का समाज उन्हें आदर से देखता है, लेकिन भारत में हालात अलग हैं।

प्रो. हरबंश दीक्षित
डीन, विधि संकाय, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद
@patrika.com

हमें ऐसी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है जिसमें राजनीति और व्यक्तिगत हित की जगह सामाजिक सरोकारों को तरजीह मिले। ऐसा होने पर ही छात्रसंघों को समाज भी सम्मानपूर्वक स्वीकार करेगा।

युवा किसी भी समाज की रीढ़ होते हैं। राष्ट्र के भविष्य होते हैं, इसलिए समाज सुधार में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। वर्ष 1848 में दादाभाई नौरोजी ने 'स्टूडेंट्स साइंटिफिक एण्ड हिस्टोरिक सोसाइटी' की स्थापना छात्रमंच के रूप में की थी। इसे छात्रों में वैज्ञानिक सोच और राजनीतिक जागरूकता के लिए स्थापित किया गया था। इस पहल को छात्र आंदोलन का सूत्रधार माना जाता है। भारत के छात्र आंदोलन के इतिहास में 1913 एक निर्णायक वर्ष था। इस साल लाहौर के किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज के भारतीय छात्रों ने उनके साथ किए जाने वाले भेदभाव के खिलाफ आंदोलन किया था। आगे यह सोच आजादी के संघर्ष तक फैलती गई और वर्ष 1918 तक क्रांतिकारी गतिविधियों में 84 छात्रों की सक्रिय भागीदारी हो चुकी थी। स्वदेशी आंदोलन हो या वर्ष 1919 का असहयोग आंदोलन हो, इन सभी में छात्रों की बड़ी भूमिका रही। उसके बाद के वर्षों में स्वतंत्रता आन्दोलन में छात्रों की भूमिका बढ़ती गई। आजादी हासिल करने में भी उनकी ऐतिहासिक भूमिका रही।

आजादी के बाद छात्र आंदोलन की प्रकृति में परिवर्तन आना शुरू हुआ। राजनीतिक दलों से सक्रिय जुड़ाव ने उनकी प्राथमिकताओं को प्रभावित किया। फिर भी जब वे एकजुट होकर उठ खड़े हुए तो समाज बहुत बड़े परिवर्तनों का साक्षी बना। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश भर के छात्रों ने सम्पूर्ण क्रांति के सपने के लिए निर्णायक संघर्ष किया। उसके बाद आपातकाल के दौरान देशभर के हजारों छात्र जेल गए और शेष ने भूमिगत रहकर विरोध किया। उसके बाद के वर्षों में भी कहीं-कहीं सामाजिक सरोकारों को लेकर छात्र मुखर होते रहे। एक वर्ग का मानना है कि छात्रों की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए शिक्षण संस्थाओं में छात्रसंघों का होना जरूरी है। सर्वोच्च न्यायालय ने छात्र-प्रतिनिधियों की चुनाव प्रक्रिया तय करने के लिए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त लिंगदोह की अध्यक्षता में समिति नियुक्त की थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने लिंगदोह समिति की सिफारिशें लागू करने के दिशा-निर्देश जारी किए, किन्तु अधिकतर संस्थाओं में इसे लागू नहीं किया जा सका। छात्रसंघों की उपादेयता के बावजूद समाज का बड़ा हिस्सा उनकी गतिविधियों को लेकर आशंकित रहता है। इन चुनावों में धन और ताकत का इस्तेमाल अक्सर उन्हें हिंसा के रास्ते पर ले जाता है। कुछ जगहों ऐसी घटनाओं के कारण न्यायालय ने ही इन चुनावों पर रोक लगा दी। जहां चुनाव हो रहे हैं, वहां छात्रसंघ के पदाधिकारी समाज में अपना वह स्थान नहीं बना पा रहे हैं , जिससे उनकी प्रतिष्ठा बढ़े।

साख बढ़ाने और सामाजिक समर्थन पाने के लिए जरूरी है कि छात्रसंघों के पदाधिकारी समाज में अपने आचरण की मिसाल पैदा करें। छात्रसंगठनों को भी आत्म-विश्लेषण करके उन कारणों को जानना जरूरी है जिससे उनकी साख को ठेस पहुंच रही हो। हमें ऐसी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है जिसमें राजनीति और व्यक्तिगत हित की जगह सामाजिक सरोकारों को तरजीह मिले। ऐसा होने पर ही छात्रसंघों को समाज भी सम्मानपूर्वक स्वीकार करेगा और प्रचण्ड युवा-शक्ति का राष्ट्र उत्थान के लिए उपयोग हो सकेगा।

बाढ़ प्रबंधन: त्वरित चेतावनी प्रणाली पर दिया जाए ध्यान

सामुदायिक एकता, जागरूकता व सतर्कता की है खास जरूरत

बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है जो मानव जीवन, संपत्ति और आर्थिक गतिविधियों पर गहरा असर डालती है। इस समस्या का समाधान करने के लिए सरकार और नागरिकों दोनों को मिलकर सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। बाढ़ प्रबंधन के कुछ प्रमुख चरण होते हैं – बाढ़ से पहले के उपाय, बाढ़ के दौरान के उपाय और बाढ़ के बाद के उपाय।

डॉ. रिपुन्जय सिंह
सदस्य ,राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग, आपदा प्रबंधन के पूर्व राज्य कोऑर्डिनेटर
@patrika.com

बाढ़ से पहले शहरों में प्रभावी जल निकासी प्रणाली का निर्माण और सुधार किया जाना चाहिए। नियमित रूप से नालों, नदियों और जल निकासी चैनलों की सफाई और मरम्मत सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जल संचयन प्रणाली का निर्माण कर पानी को संग्रहित किया जा सकता है। तकनीकों का उपयोग कर बाढ़ संभावित क्षेत्रों में समय रहते चेतावनी जारी करने की प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। जलभराव को रोकने के लिए प्रभावी शहरी योजना और निर्माण नियम लागू किए जाने चाहिए। अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए। नागरिकों को बाढ़ प्रबंधन की आवश्यक जानकारी होनी चाहिए। उन्हें यह समझना चाहिए कि बाढ़ के दौरान और बाद में क्या-क्या कदम उठाने चाहिए। सभी लोगों को काम आने वाली आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाइयां, पानी, टॉर्च, और महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए आपातकालीन किट तैयार करनी चाहिए। सुरक्षित स्थानों की पहचान करनी चाहिए। बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य करने के लिए विशेष टीमों का गठन करना चाहिए। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स और अन्य बचाव दलों को सक्रिय करना चाहिए। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था करनी चाहिए। अस्थायी शिविरों, भोजन और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। बाढ़ के दौरान प्रभावी संचार व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए ताकि सही जानकारी नागरिकों तक पहुंच सके। नागरिकों को सरकारी निर्देशों का पालन करना चाहिए। बाढ़ के बाद सरकार को प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए विशेष योजनाएं बनानी चाहिए। सरकार को ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए जिससे प्रभावित लोग अपने सामान्य जीवन में वापस लौट सकें। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। स्वच्छ पानी, दवाइयां और चिकित्सा सेवाओं की पहुंच को प्राथमिकता देनी चाहिए। बाढ़ से हुए नुकसान के लिए प्रभावित लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए। घरों की मरम्मत, फसलों और संपत्ति के नुकसान की भरपाई के लिए अनुदान और ऋण की व्यवस्था करनी चाहिए। अवसंरचना का पुनर्निर्माण करना जैसे सड़कों, पुलों और जल निकासी प्रणालियों का पुनर्निर्माण और सुधार करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी आपदाओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। नागरिकों को स्वास्थ्य और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। दूषित पानी और गंदगी से बचने के लिए स्वच्छता बनाए रखना आवश्यक है। प्रभावित समुदायों की सहायता करने के लिए आपस में सहयोग करना चाहिए। सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर पुनर्निर्माण के कार्यों में भाग लेना चाहिए अपने घरों और समुदाय के पुनर्निर्माण में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ उठाकर जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने में मदद करनी चाहिए।

जलभराव और बाढ़ जैसी आपदाओं का प्रभावी प्रबंधन एक समग्र और सतत प्रक्रिया है। इसमें सरकार और नागरिक दोनों की समान भागीदारी आवश्यक है। बाढ़ से पहले, बाढ़ के दौरान, और बाढ़ के बाद उठाए गए कदमों से न केवल जन और धन की हानि को कम किया जा सकता है, बल्कि समाज को अधिक सशक्त और सतर्क बनाया जा सकता है। सामुदायिक एकता, जागरूकता और सतर्कता से हम बाढ़ जैसी आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं। जलभराव क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देकर इन आपदाओं के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सकता है।

एम्सटर्डम: 'एम्फिबियस' कारों की रंगारंग परेड

एम्सटर्डम की नहरों में हाल ही 'एम्फिबियस' कारों की रंगारंग परेड निकाली गई। 1987 में इस वार्षिक परेड की शुरुआत हुई थी। कई शहरों में इसका आयोजन किया जाता है, एम्सटर्डम में यह चौथी और आखिरी बार था। 'एम्फिबियस' कारें यानी जो सड़कों पर और पानी में समान रूप से चलाई जा सकें। शहर में यह आयोजन आखिरी बार इसलिए, क्योंकि इलेक्ट्रिक बैटरियों के वजन के कारण 'एम्फिबियस' कारों का संचालन मानकों के अनुकूल नहीं माना जा रहा है। 2025 से शहर के जलमार्गों में केवल उत्सर्जन-मुक्त जहाजों और वाहनों का संचालन ही संभव होगा। परेड के आयोजक डचमैन रॉय बोलक्स के अनुसार, एम्सटर्डम प्रशासन जल्द ही नए नियम लागू करने जा रहा है।

शिक्षा प्रणाली छात्रों के कौशल और नियोक्ताओं की अपेक्षाओं के बीच एक बड़ा अंतर

कौशल को लगातार उन्नत करना समय की मांग

आर्थिक सर्वेक्षण 2023-2024 में बताया गया है कि देश के 51.25% युवा ही रोजगार के लिए स्किल्ड हैं, जबकि 48.75% शिक्षित युवा रोजगार के लिए अनफिट हैं। सामान्य भाषा में कहें तो हर दो में से एक युवा रोजगार के योग्य नहीं है। अगर देश के युवाओं में रोजगार के लिए अयोग्य होना या बेरोजगारी का सिलसिला जारी रहा तो जाहिर है कि देश में शैक्षणिक वातावरण पर इसका बेहद नकारात्मक असर पड़ेगा। क्योंकि अपने बच्चों को बुरी आदतों से दूर रखने और उन्हें गरीबी या आर्थिक संकट से उबारने की आस में स्कूल-कॉलेज भेजने वाले माता-पिता निराश होंगे और उनके बच्चे फिर उसी दलदल में फंसते हुए नजर आएंगे।

आवश्यक कौशल और अनुभव के अभाव में देश के करीब 50 प्रतिशत शिक्षित युवाओं के लिए आज जॉब मार्केट में कोई जगह नहीं है और इस कारण वे वापस अपने गांवों का रुख करने के लिए मजबूर हैं। दूसरों के लिए यह देखना हतोत्साहित करने वाला है कि उनके साथी डिग्री हासिल करने के बाद भी जीविकोपार्जन नहीं कर पा रहे हैं। रोजगार के लिए अयोग्य या बेरोजगार ऐसे शिक्षित युवा अब खेती-बाड़ी करने की स्थिति में भी नहीं हैं क्योंकि बेहतर करियर की आकांक्षा के साथ कृषि की कला को वे बहुत पीछे छोड़ चुके हैं। समस्या का मूल कारण स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता है। छात्र नौकरी के लिए तैयार नहीं हैं और छात्रों के कौशल और नियोक्ताओं की अपेक्षाओं के बीच एक बड़ा अंतर है। परिणामस्वरूप, ये डिग्री धारक अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरियों से वंचित हैं। नियोक्ता विषयों के विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक ज्ञान की अपेक्षा करते हैं, पर छात्रों को केवल सैद्धांतिक जानकारी ही दी जाती है, इसलिए वे स्क्रीनिंग प्रक्रिया में पीछे छूट जाते हैं। यह पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट रूप से उभर रहा है कि बेरोजगारी की समस्या को ठीक से समझने की जरूरत है। रोजगार के लिए अयोग्य होना एक बीमारी है और बेरोजगारी सिर्फ उसका लक्षण है। बीमारी का इलाज किया जाना चाहिए, न कि लक्षण का।

प्रो. अशोक कुमार
पूर्व कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय
@patrika.com

प्रासंगिक प्रशिक्षण पद्धतियां और पाठ्यक्रम तैयार करने होंगे जो उद्योग की आवश्यकताओं और नौकरी की मांगों के साथ सरेखित हों। नियोक्ताओं और शिक्षण संस्थानों के बीच परस्पर सहयोग इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा। शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता, परीक्षा व मूल्यांकन प्रणाली में सुधार भी करना होगा।

भारत जैसे देश में, अकादमिक शिक्षा और पेशेवर योग्यता पर ध्यान दिए जाने के बावजूद, शिक्षा और कौशल हासिल करने के बीच एक बड़ा अंतर देखा जा सकता है। भारतीय उच्च शिक्षा के लिए सकल नामांकन अनुपात (जीआरई) सिर्फ 27.8% रहा है, जो कि विकसित देशों (जिनका जीआरई 56% है) की तुलना में बहुत कम है। इसके बावजूद, हर साल कई विषयों में करीब 60 लाख छात्र स्नातक होते हैं। उनमें से बहुत कम ही रोजगार के योग्य माने जाते हैं। इनमें से 70% से ज्यादा स्नातकों में बुनियादी रोजगार योग्य कौशल और गुणवत्ता का अभाव है। ऐसा अनुमान है कि आने वाले 20 वर्षों में हर महीने 10 लाख लोग श्रमबल में शामिल तो होंगे पर उनमें से अधिकांश पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं होंगे। इससे कई लोगों की छंटनी हो सकती है। इसका कारण है शैक्षिक योग्यता और नौकरी के अवसरों के बीच में अंतर। कई स्नातकों के पास ऐसे कौशल नहीं होते हैं जिनकी मांग नियोक्ता करते हैं। भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार भी एक कारण है जिससे योग्य उम्मीदवार नौकरी से वंचित रह जाते हैं।

रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप कौशल का अभाव भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण चुनौती है। शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता भी समान नहीं होती है। कई विश्वविद्यालयों के छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर नहीं मिल पाते, जो उनकी रोजगार क्षमता को बाधित करता है। इसके अलावा, कभी सामाजिक मानदंड व रूढ़िवादिता बाधा बनती है तो कभी रुचि न होना कारण बनता है, जिससे करियर के विकल्प सीमित हो जाते हैं। रोजगार के लिए अयोग्य या बेरोजगार शिक्षित स्नातक युवा लगातार बढ़ रहे हैं। इसने अशांति और सामाजिक संघर्ष को जन्म दिया है। सुविधा संपन्न लोग बेहतर नौकरी की संभावनाओं के लिए विदेश जाने को प्रेरित हो रहे हैं, तो मध्यम वर्ग मजबूर है जो कुछ उपलब्ध है उससे समझौता और संतोष करने के लिए। शेष रहे वंचित और अल्प-कुशल लोग दौड़ में बने रहने की क्षमता ही नहीं रखते।

आइटी परिदृश्य लगातार बदल रहा है और संगठन, उद्योग, समाज और अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए भावी और मौजूदा कर्मचारियों के लिए अपने कौशल को लगातार उन्नत करना समय की मांग है। इसके लिए प्रासंगिक प्रशिक्षण पद्धतियां और पाठ्यक्रम तैयार करने होंगे जो उद्योग की आवश्यकताओं और नौकरी की मांगों के साथ सरेखित हों। नियोक्ताओं और शिक्षण संस्थानों के बीच परस्पर सहयोग इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा। दरअसल, इतनी बड़ी समस्या को हल करने के लिए कई तरीके अपनाने होंगे– शिक्षा प्रणाली को इस तरह से डिजाइन करना होगा कि बाजार में उपलब्ध नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल का प्रशिक्षण स्नातक स्तर पर ही दिया जाए। इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता, परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली में सुधार करना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और धांधली रोकनी होगी।

फैक्ट फ्रंट

फ्लेमिंगो की 6 प्रजातियां, इनमें से 4 संकटग्रस्त

फ्लेमिंगो दो पैरों, पतली गर्दन और आकर्षक रंग की वजह से पक्षियों की सबसे पहचानी जाने वाली प्रजातियों में से एक हैं। इनकी छह प्रजातियां हैं जो अमरीका, अफ्रीका, एशिया और यूरोप में झीलों, कीचड़ और उथले लैगून में पाई जाती हैं। इनमें से चार संकटग्रस्त हैं।

- **आहार :** सर्वाहारी
- **जीवनकाल :** 20-30 वर्ष
- **वजन :** 2-4 किलोग्राम

एंडियन फ्लेमिंगो सबसे दुर्लभ व सबसे अधिक खतरे में है। जबकि लेसर फ्लेमिंगो, पुना फ्लेमिंगो और चिली फ्लेमिंगो 'निकट संकटग्रस्त' हैं यानी हमें उन्हें बचाने के लिए अभी कदम उठाने होंगे।

प्रसंगवश

टोल का खेल: सड़कें बनीं कमाऊ, जनसुविधा हुई हवा

जब तक सुगम सफर का वादा पूरा नहीं हो, तब तक उस सड़क पर टोल वसूली रोकी जानी चाहिए

जनकल्याणकारी शासन में जनता को सुविधा प्रदान करना सरकारी विभागों का कर्त्तव्य है पर उस सुविधा को ही वे जब कमाई का जरिया बना लें तो उसे क्या कहा जाएगा? टोल के खेल के जरिए सड़क निर्माण के काम में जुटी एजेंसियां कुछ ऐसा ही कर रही हैं। प्रदेश में किन्हीं भी दो बड़े शहरों के बीच यात्रा कर लीजिए। सुविधाजनक सफर के नाम पर बने राजमार्गों, राज्य-मार्गों पर टोल नाकों पर बेतहाशा टोल की वसूली हो रही है। इसके बावजूद सफर सुगम है या नहीं इसकी किसी को परवाह नहीं है।

अजमेर - दिल्ली हाईवे के टोल नाके देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले टोल नाके हैं। पिछले पांच साल में इन दोनों नाकों से करीब तीन हजार करोड़ रुपए की कमाई की गई है। सबसे ज्यादा कमाई वाली इस सड़क के हाल ऐसे हैं कि लोग अब इस राजमार्ग पर आने से पहले काफी पहले से ही जाम नहीं मिलने की प्रार्थना करने लगते हैं। अजमेर से जयपुर के बीच का सफर जाम के चलते कई-कई घंटो में पूरा होता है। ऊबड़-खाबड़ सड़क पर चलने से वाहन को नुकसान होता है वह अलग, लेकिन टोल नाकों पर वसूली पूरी है। ऐसा ही हाल दिल्ली -जयपुर के रास्ते का है।

असल में टोल के जरिए कमाई का नया रास्ता खुल गया है। राजस्थान के टोल नाकों में 40 प्रतिशत पिछले पांच सालों में खुले हैं। पिछले पांच सालों में राजस्थान में 22 हजार करोड़ से ज्यादा की वसूली की गई है। जिस अनुपात में टोल नाके खुले हैं और उनकी वसूली बढ़ी है, उस अनुपात में आम जन को सुविधा नहीं मिल रही है। चूंकि टोल पूरी टोल सड़क के लिए वसूला जाता है तो टोल सड़क को एक निश्चित समय में और निरापद पार करवाना भी टोल वसूलने वालों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। ऐसा नहीं होने पर उन्हें टोल वसूलने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। खराब सड़क के कारण वाहनों के नुकसान और यात्रियों के समय की बर्बादी को लेकर भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। जाम लगने पर जाम खुलवाने के लिए टोल कंपनी को ही व्यवस्था करनी चाहिए। यदि पूरी टोल सड़क से एक निश्चित समय में वाहन को पार नहीं करवा रहे हैं तो इसके लिए जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। नई सड़कों के साथ ही पुरानी सड़कों की सुध लेना जरूरी है। जब तक सुगम सफर का वादा पूरा नहीं हो, तब तक उस सड़क पर टोल वसूली तो रोकी ही जानी चाहिए।

- अभिषेक सिंघल
abhishek.singhal@epatrika.com

आपकी बात

मनमानी भी कारण

आधार सुविधा केंद्रो पर होने वाली मनमानी भी शिकायतों में बढ़ोतरी का कारण है। कर्मचारियों की कार्य प्रणाली में सुधार बहुत आवश्यक है।

-नरेश कानूनगो, देवास, मध्यप्रदेश

आज का सवाल

बांग्लादेश के घटनाक्रम का भारत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'आधार में संशोधन में देरी से जुड़ी शिकायतें कैसे कम हो सकती हैं?' ऑनलाइन भी देखें।
https://rb.gy/jn5y5c
इसे स्कैन करें

सीएम ने की बाबा भोरमदेव मंदिर में पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री ने की कावड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को कवर्धा में पवित्र सावन मास में बाबा भोरमदेव मंदिर में सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा कर जलाभिषेक करने जा रहे हजारों कावड़ियों पर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने खुद भी भोरमदेव मंदिर में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक भी किया, जिसमें उन्होंने प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री साय और उप मुख्यमंत्री शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से मुलाकात की और भंडारा स्थल पर पहुंचकर अपने हाथों से श्रद्धालुओं को खीर, पुड़ी, चावल और प्रसाद वितरित किया। इस दौरान विधायक भावना बोहरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

कांग्रेस लाठी बरसाती थी, हम पुष्प बरसा रहे : सीएम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान कवर्धा में सनातनियों पर लाठी डंडा बरसाए थे। हमारी सरकार में सनातनियों के ऊपर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए गए हैं। आप सभी लोगों के आशीर्वाद से हम लोग सरकार में आए हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग : दवा, लैब सामग्री व उपकरण खरीदी में गड़बड़ी की पुष्टि

कोरोना में 2.65 करोड़ की खरीदी में घपला, एडिशनल डायरेक्टर सस्पेंड

पत्रिका इंपैक्ट

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. कोरोनाकाल यानी 2020 में दवा, लैब सामग्री व उपकरण खरीदी में 2 करोड़ 65 लाख 29 हजार 296 रुपए की अनियमितता के मामले में शासन ने सोमवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग के एडिशनल डायरेक्टर रहे डॉ. निर्मल वर्मा को सस्पेंड कर दिया है। वर्तमान में वे पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में पीएसएम विभाग के एचओडी हैं। निलंबन अवधि में वे सरकारी मेडिकल कॉलेज कांकेर में अटैच रहेंगे। शासन के नियमानुसार एक लाख की ज्यादा से खरीदी टेंडर से की जाती है, लेकिन डॉ. वर्मा तब डीडीओ भी थे। उन्होंने 2,65,29,296 रुपए के क्रय आदेश कोटेशन के आधार पर किया। जांच कमेटी ने इसे घोर वित्तीय उल्लंघन माना था। सस्पेंशन आर्डर में भी खरीदी में घोर वित्तीय अनियमितताएं का उल्लेख है। पत्रिका ने मार्च में जब डॉ. वर्मा को शासन ने आरोप पत्र जारी किया तो इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

दोपहर में कर दिया अपना चेंबर खाली, चर्चा का विषय

डॉ. निर्मल वर्मा

डॉ. वर्मा ने सोमवार की दोपहर पीएसएम का एचओडी कक्ष दोपहर में ही खाली कर दिया था। यह कॉलेज में चर्चा का विषय बना रहा। तब फैकल्टी समेत दूसरे स्टाफ खुसूर-फुसूर करने लगे थे कि कहीं वे सस्पेंड तो नहीं हो गए। हालांकि उनके निलंबन का हल्ला शुक्रवार से हो रहा था।

अप्रैल 2020 में मिला वित्तीय अधिकार

डॉ. वर्मा को वित्तीय अधिकार शासन ने डॉ. वर्मा को 6 अप्रैल 2020 को वित्तीय अधिकार दिया था। तब तत्कालीन डीएमई डॉ.एसएल आदिले को रिटायर होने के बाद संविदा में एक्सटेंशन दिया गया था। संविदा अधिकारी होने के कारण डीएमई को वित्तीय अधिकार नहीं था डॉ.वर्मा को डीडीओ बनाया गया था। उनके कार्यभार संभालने के ठीक पहले प्रदेश में 18 मार्च 2020 को कोरोना का पहला केस मिला। सितंबर 2020 में पहली लहर का पीक भी था। तब सभी मेडिकल कॉलेजों में वायरोलॉजी लैब के लिए किट से लेकर पीपीई किट, मॉस्क, जरूरी उपकरण की खरीदी की गई। इसमें जमकर अनियमितता बरती गई थी।

डेढ़ साल तक दबी रही फाइल, विधायक के सवाल पर कार्रवाई

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जांच कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद शासन को पत्र लिखकर 6 सितंबर 2022 में डॉ. वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी। फाइल डेढ़ साल दबी रही। मार्च में राजधानी के एक विधायक ने विधानसभा में मामला उठाया, तब कहीं जाकर शासन ने उन्हें आरोप पत्र दिया। डॉ. वर्मा 2022 में खरीदी में अनियमिता समेत 4 मामलों में दोषी पाए गए थे। कमेटी ने जांच में ये भी पाया कि पीएसएम में पदस्थ डॉ. आशीष सिन्हा के सीआर पर जानबूझकर प्रतिकूल टिप्पणी की गई। साथ ही 7.30 लाख रुपए के फर्नीचर व कम्प्यूटर खरीदी पर कमेटी ने जांच में पाया कि ये अधिकार डॉ. वर्मा को नहीं था। उन्होंने छग नर्सेस काउंसिल कार्यालय के लिए ये खरीदी की थी। यही नहीं एक निजी कॉलेज दुर्ग में बीएससी नर्सिंग की 40 सीटें देने की अनुशंसा की थी, जो नियमानुसार सही नहीं था।

एसीबी की कार्रवाई

18000 रुपए की रिश्वत लेते सरपंच और सचिव पकड़ाए

धर्मेंद्र साहू

देव सिंह बघेल

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने ग्राम डोमा के सरपंच देवसिंह बघेल और सचिव धमेन्द्र कुमार साहू को 18000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। दोनों ने एनओसी देने के एवज में रिश्वत मांगी थी। शिकायत पर एसीबी की टीम ने मामले की जांच करने के बाद सोमवार को रिश्वत की रकम के साथ सोमवार को शिकायकर्ता को भेजा था। रिश्वत की रकम लेते ही टीम ने दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से रकम बरामद की गई।

एसीबी ने बताया कि संतोषी नगर निवासी लुकेश बघेल ने अपनी जमीन में मकान बनाने के लिए बैंक से लोन लेने के लिए ग्राम पंचायत से एनओसी और नक्शा मांगा था। इसके एवज में सरपंच और सचिव ने 18000 रुपए रिश्वत मांगी थी। सचिव को रिश्वत की रकम देने लुकेश शाम चार बजे उसके कार्यालय गया तो उसने स्वयं पैसा लेने की बजाय रकम सरपंच को देने के लिए कहा। सरपंच ने जैसे ही पैसा लिया, एसीबी की टीम ने उसे रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

धमतरी : मासूम को तेंदुए के उठा ले जाने की आशंका

पत्रिका ब्यूरो @ धमतरी. जिले के ग्राम कोरमुड़ थाना सिहावा पड़ोसी जिला कांकेर से लगा है। 4 अगस्त की रात योगेश्वर मरकाम घर में खाना खा रहा था। उसका तीन साल का पुत्र तीरेश बाहर खेल रहा था। परिवार के अन्य सदस्य घर के भीतर ही थे। अचानक बच्चे के गायब होने की जानकारी मिली। घर के सामने ही तेंदुए के पंजे का निशान मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही कि बच्चे को शायद तेंदुआ उठाकर ले गया होगा।

फिलहाल पुलिस, धमतरी और कांकेर जिले की वन विभाग की टीम भी बच्चे की खोजबीन में जुटी है।

उदंती टाइगर रिजर्व : शिकारियों के जाल में फंसे तेंदुए ने खुद को छुड़ाया

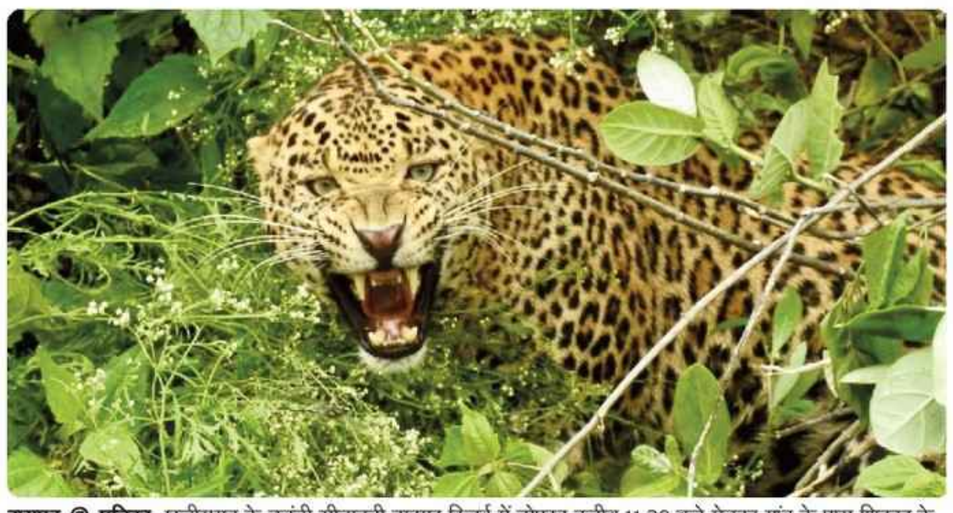

रायपुर @ पत्रिका. छत्तीसगढ़ के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में दोपहर करीब 11.30 बजे मेचका गांव के पास शिकार के लिए लगाए गए जाल में एक तेंदुआ फंस गया। हालांकि, तेंदुआ ने खुद को जाल से छुड़ाने में सफलता पा ली और पहाड़ियों की ओर भाग गया।

शिकारियों की सूचना देने वाले को 5000 रुपए का इनाम

टाइडर रिजर्व उपनिदेशक वरुण जैन ने कहा कि घटना के बाद शिकारियों की तलाश तेज कर दी है। अज्ञात शिकारियों के खिलाफ पीओआर की गई है। वन विभाग ने शिकारियों की जानकारी देने वाले को 5000 रुपये के इनाम की घोषणा भी की है।

प्रदर्शन : रावांभाठा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर का मामला

पार्किंग शुल्क के विरोध में 5 घंटे तक थम रहे मालवाहक, फाफाडीह से धरसींवां तक जाम

रायपुर @ पत्रिका. ट्रांसपोर्टरों ने रावांभाठा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में मालवाहकों से पार्किंग शुल्क लेने के विरोध में सोमवार को बंद के दौरान जमकर प्रदर्शन किया। करीब 5 घंटे तक मालवाहकों का संचालन बंद कर प्रदेशभर के सैकड़ों ट्रांसपोर्टर और वाहन मालिक शामिल हुए। वह नारेबाजी करते हुए व्यास तालाब चौक से रैली निकालकर बिरगांव नगर पालिका निगम पहुंचे। साथ ही निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर बताया कि वह रोड टैक्स के रूप में हर साल राज्य सरकार को लाखों रुपए राजस्व देते हैं। वाहनों को रखने और ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर बनाया गया हैं। साथ ही आरडीए को भू भाटक एवं नगर निगम को संपत्ति तथा यूजर चार्ज तीन गुना बढ़ाने की जानकारी दी। इसके बाद भी ट्रांसपोर्ट नगर में वाहनों से पार्किंग शुल्क रोजाना 200 से 300 रुपए लिए जाने का विरोध जताया। निगम आयुक्त को बताया कि पार्किंग शुल्क लगाने से गाड़ियां आनी कम होने पर व्यवसाय से जुड़े रोजगार एवं आसपास से सैकड़ों लोग काम करने वालो के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो जाएगी। निगम आयुक्त ने उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया। ट्रांसपोर्टरों के आंदोलन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था। रायपुर बस्तर कोरापुट परिवहन संघ सुखदेव सिंह सिध्दू, बस्तर परिवहन संघ सचिव राजेश झा, ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, मैकेनिक मित्र संगठन एवं रायपुर मोटर मर्चेंट एसोसिएशन केसाथ ही बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर और वाहन चालक-परिचालक शामिल हुए।

रायपुर. पार्किंग शुल्क लेने के विरोध में प्रदर्शन करते लोग।

सड़कों पर लगा जाम

ट्रांसपोर्टरों की रैली के चलते फाफाडीह से लेकर धरसींवा तक दोपहर 2 बजे तक चक्का जाम की स्थिति बन गई थी। जिसे हटाने में पुलिसकर्मियों को 4 घंटे अथक प्रयास करना पड़ा।

हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी : करंट से हाथियों की मौत पर पीआईएल

'वाइल्डलाइफ को नहीं बचाएंगे तो गए काम से'

पत्रिका ब्यूरो @ बिलासपुर. हाथियों की बिजली करंट से हो रही मौत को लेकर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सोमवार को कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने पूछा कि क्या सब ऐसे ही खत्म हो जाएगा? वाइल्डलाइफ को नहीं बचाएंगे तो गए काम से। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया था कि पिछले तीन साल में 21 हाथियों की मौत बिजली करंट से हुई हैं।

कोर्ट ने कहा जान, चाहे मानव की हो या जानवर की, जान कीमती होती है। कोर्ट ने आदेशित किया कि केंद्र द्वारा जारी गाइडलाइन्स का पालन अक्षरशः तथा मूल भावना के अनुरूप किया जाए। प्रकरण की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। याचिकाकर्ता की तरफ से बताया गया कि जून 2024 में सूरजपुर के पास जंगल में एक खेत में लगे 11 केवी के पोल से एक हाथी टकरा गया और पोल झुक गया। दूसरा हाथी झुके वायर के करंट के संपर्क में आने से वहीं मर गया। फोटो देख कोर्ट ने कहा पोल को सरसरी तौर पर लगाया गया और ऐसे पोल एक झटके में निकल जाएंगे।

उच्चस्तरीय बैठक में लिए निर्णयों की दी जानकारी

याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट को बताया कि 26 जून 2024 को ऊर्जा विभाग, विद्युत वितरण कंपनी और वन विभाग के अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। इसमें निर्णय लिया गया कि 11 केवी, 33 केवी और एलटी लाइन के झुके हुए तारों को कसने का काम, तार की ऊंचाई बढ़ाने का काम तथा वन क्षेत्र, हाथी रहवास, हाथी विचरण क्षेत्र में भूमिगत बिजली की लाइन बिछाने अथवा इंसुलेट केबल लगाने का कार्य तथा स्पाई युक्त खम्बों का प्रयोग ऊर्जा विभाग और छत्तीसगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी करेगी।

राजनांदगांव : एनीकट में बाइक धोने के दौरान हादसा

नदी में बहे युवक की तलाश जारी, देर शाम तक नहीं चला पता

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

राजनांदगांव. मोखला स्थित शिवनाथ नदी के एनीकट में हरेली त्योहार के दिन बुची भरदा निवासी 18 वर्षीय युवक रुपेश पिता खुज्जी निषाद बाइक को धो रहा था। अचानक पैर फिसलने से रूपेश नदी में बह गया। गोताखोर उसकी तलाश कर रहे हैं। देर शाम तक युवक का कोई पता नहीं चला। घटना रविवार शाम साढ़े 6 बजे की है। नदी में बाढ़ की वजह से बहाव तेज था। नदी में गिरने के बाद रूपेश उपर ही नहीं आ पाया। साथ में गए उसके दोस्तों व मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी सुरगी चौकी पुलिस को दी।

कड़ी मशक्कत के बाद मिला डिप्टी सीएम साव के भांजे का शव

कवर्धा. जिले के रानीदहरा जलप्रपात में नहाते समय डूबे युवक तुषार साहू का शव पुलिस ने 24 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तलाश लिया। जिला प्रशासन,पुलिस व एसडीआरएफ की टीम को रातभर तलाश के बाद सोमवार की सुबह शव तलाशने में सफलता मिली। बता दें कि मृत तुषार प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव के भांजा था। तुषार रविवार को अपने पांच दोस्तों के साथ घूमने के लिए गया था। वह रानीदहरा जलप्रपात में नहाते समय गहरे पानी में चला गया था, जिसके बाद से उसकी तलाश की जा रही थी।

बस्तर संभाग | आभासी दुनिया को सच मानकर परिजनों ने अलग हो रहे हैं बच्चे

सोशल मीडिया का प्रभाव, 6 माह में 55 बच्चियों ने छोड़ा घर

एक्सक्लूसिव

मनोज साहू
patrika.com

जगदलपुर. बस्तर के ग्रामीण और शहरी इलाकों में नाबालिग लड़कियों और लड़कों के गायब होने की सिलसिला जारी है। सोशल मीडिया में होने वाली दोस्ती इतनी घातक हो चुकी है बच्चे यहां से घर छोड़ने तक का निर्णण ले रहे हैं। बस्तर से पिछले छह महीने में 72 बच्चे गायब हुए जिनमें से 55 तो नाबालिग थीं। बच्चे अच्छे- बुरे में फर्क नहीं समझ पा रहे हैं। 13 से 17 वर्ष की उम्र में बच्चे घर छोड़ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 13 से 17 वर्ष की आयु के किशोरों में सोशल मीडिया पर दोस्त बनाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कम उम्र में अनजान आकर्षण के जाल में फंसकर ये किशोर उन दोस्तों से बात कर ज्यादा जुड़ाव महसूस करते हैं। अधिकांश बच्चों का मानना होता है कि ऐसे लोग उनका मुश्किल समय में उनका साथ देंगे।

सात महीनों में 58 नाबालिग बरामद : बस्तर पुलिस के अनुसार जिले में पिछले सात महीने में कुल 58 बालक, बालिकाओं को बरामद किया गया। इनमें सबसे ज्यादा 46 बालिकाएं हैं और शेष 12 बालक हैं। जुलाई में ही कुल 13 बच्चे घर से भाग निकले थे जिनमें 11 बालिकाएं थी और मात्र 2 बालक थे। हाल ही में ऐसे ही दो मामले सामने आए हैं जिनमें दो आरोपियों को नाबालिग के साथ रंगे हाथों पकड़कर जेल भेजा गया है।

85 फीसदी किशोर करते हैं सोशल मीडिया का इस्तेमाल : वर्तमान समय में 90 प्रतिशत किशोर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें 85 प्रतिशत के पास कम से कम एक सक्रिय सोशल मीडिया प्रोफाइल हैं। 60 फीसदी किशोर ऐसे हैं जिसने कम से कम रोजाना किसी सोशल मीडिया एक्टिव रहते हैं। औसतन, किशोर दिन में लगभग नौ घंटे ऑनलाइन रहते हैं, जिसमें होमवर्क का समय शामिल नहीं है।

बस्तर में बीते छह महीनों में गायब बच्चे

	गुम बच्चे	पुलिस ने ढूढ़े
बालक	13	11
बालिका	44	37

जुलाई में गुम बच्चे		पुलिस ने ढूढ़े
बालक	2	1
बालिका	11	9

देश में गुम बच्चों की संख्या

71 फीसदी नाबालिग लड़कियां
29 29 फीसदी लड़के

पिछले पांच वर्षों पर एक नजर

2018	22,429
2019	29,243
2020	22,222
2021	29,364
2022	33,650

251430 लड़कियां गायब

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार देशभर में 2022 में 47,000 से अधिक बच्चे लापता हुए हैं। जिनमें 71.4 प्रतिशत किशोरियां हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इसी साल जुलाई में संसद में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश भर में 2019 से 2021 के बीच 18 साल से ऊपर की 10,61,648 महिलाएं और उससे कम उम्र की 2,51,430 लड़कियां भी लापता हैं।

टॉपिक एक्सपर्ट

परिवार में बच्चों से बातचीत का समय तय हो

आजकल ज्यादतर बच्चे नेट एडिक्शन हैं। व्यस्त जीवन शैली के चलते परिजन एक दूसरे को समय नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे में बाहरी व्यक्ति के संपर्क में आकर बच्चे उनके बहकावे में आ जाते हैं। इससे बचने के लिए एक हेल्दी टाइम टेबल बना कर अपनाने की जरूरत है। परिजन भी बच्चों को समय दें व सृजनात्मक कार्यों में जोडने का प्रयास करें।

अलका केरकेट्टा,
असि प्रोफेसर मनोविज्ञान

84 गांवों में 20 घंटे ब्लैक आउट
बिजली कर्मियों ने नदी में उतरकर जोड़ा तार

यह तस्वीर कुछ अलग है

बैकुंठपुर @ पत्रिका. एमसीबी (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) जिले में चार दिन से भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हाईटेंशन लाइन टूटने से भरतपुर ब्लॉक में 20 घंटे ब्लैक आउट रहा, जिससे ब्लॉक के करीब 84 गांव अंधेरे में डूबे रहे। इस दौरान बिजली कर्मचारियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर पाए। जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ से करीब 120 किलोमीटर दूर जनकपुर 33 केवी बिजली लाइन खींची गई है, जो कि घनघोर जंगल से बिजली लाइन गुजरी है। सूचना के बाद बिजली कर्मचारियों ने फाल्ट को ट्रैस किया। इस दौरान बारिश में भीगते करीब 10-12 कर्मचारियों ने नदी में गले तक पानी में खड़े रहकर तार को खींचकर जोड़ा।

बहरासी के पास हाईटेंशन लाइन के तार टूट सिधौर नदी में गिर गए थे, जिसे खोजने में बहुत समय लगा। हालांकि, 10-12 कर्मचारियों की टीम ने फाल्ट खोजकर कई घंटे तक मरम्मत करने के बाद बिजली आपूर्ति शुरू कर दी।

एनपी सिंह, कार्यपालन अभियंता, सीएसपीडीसीएल मनेंद्रगढ़

तीन स्वरूपों में बाबा महाकाल ने दिए दर्शन

सावन की तीसरी सवारी

उज्जैन@पत्रिका. सावन के तीसरे सोमवार को बाबा महाकाल की तीसरी सवारी निकली। पालकी में चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर मनमहेश और गरुड़ रथ पर शिव-तांडव स्वरूप में दर्शन हुए। इससे पहले सभा मंडप में पूजन-अर्चन किया गया। सवारी प्रमुख मार्गों से होकर रामघाट पहुंची, जहां शिप्रा के जल से अभिषेक पूजन हुआ। इसके बाद सवारी आगे के लिए रवाना हुई। सवारी में उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा भी शामिल हुए। शाम 7 बजे सवारी पुनः महाकाल मंदिर पहुंची। करीब 2 लाख श्रद्धालुओं ने सवारी के दर्शन किए।

फूलों से सजी पालकी में निकले ओंकारजी

ओंकारेश्वर@पत्रिका. सावन मास के तीसरे सोमवार पर पुलिस के गार्ड ऑफ ऑनर देने के बाद ओंकारजी की सवारी गाजे-बाजे के साथ निकली। फूलों से सजी हुई पालकी में ओंकारजी महादेव की पंचमुखी रजत प्रतिमा विराजित थी। भक्त भोले शंभू का उद्घोष करते नाचते हुए आगे-आगे चल रहे थे। कोटितीर्थ घाट पर पहुंचने पर भगवान की रजत प्रतिमा का 251 लीटर पंचामृत से महाअभिषेक किया गया। इस दौरान लगभग 70 हजार से अधिक श्रद्धालु ओंकारेश्वर पहुंचे। भक्तों ने मार्ग में गुलाल और गुलाब की पंखुड़ी उड़ाकर पुण्य लाभ लिया।

न्यूज शॉर्ट्स

खेत में पड़े तार की चपेट में आने से युवक की मौत

कटनी. बड़वारा के भुड़सा गांव में तीन दिन पूर्व खेत में टूटकर गिरे बिजली के तार की चपेट में आने से सोमवार सुबह दिलीप यादव (28) की मौत हो गई, जबकि पिता दयाराम यादव झुलस गए। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने विलायकता-ढीमरखेड़ा रोड के मझौली मोड़ पर चक्काजाम किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि आंधी-बारिश के कारण बिजली का तार टूटकर उनके खेत में गिर गया था। वे तीन दिन से 181 में शिकायत कर रहे थे।

कार ने मारी टक्कर, सब्जी विक्रेता की मौत

जबलपुर. तेज रफ्तार कार ने कछपुरा ब्रिज पर रविवार को स्कूटर सवार सब्जी विक्रेता को टक्कर मार दी। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया, उजार पुरवा गली नंबर चार निवासी देवेन्द्र साहू (36) को सिर व हाथ पैर में गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस के अनुसार, कार चालक भी किसी मरीज को लेकर जा रहा था।

रक्सौल-एलटीटी के मध्य चलेगी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर. रेलवे जबलपुर होकर रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य एक-एक ट्रिप सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाएगा। रक्सौल-एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 6 अगस्त को रक्सौल स्टेशन से 19.15 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 05.50 बजे एलटीटी स्टेशन पहुंचेगी। यही ट्रेन 8 अगस्त को एलटीटी स्टेशन से 07.55 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शाम 16.50 बजे रक्सौल पहुंचेगी।

थाने में आरोपी को पीटा, कोर्ट ने दर्ज किया केस

इंदौर. आरोपी के साथ हिरासत में मारपीट और टार्चर कर बयान लेने के मामले में आरपीएफ के महू में पदस्थ निरीक्षक देवेश गोल्हानी के खिलाफ रेलवे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वरुण चौहान की कोर्ट ने केस दर्ज किया है। 9 मार्च को रवि व ओंकार को रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के केस में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। जहां उन दोनों ने अपनी चोट दिखाई। कोर्ट ने दोबारा मेडिकल करवाया, तो पुष्टि हो गई।

बांधों का जलस्तर

बांध	भराव क्षमता	वर्तमान स्थिति
बाणसागर	341	332
गांधीसागर	399	396
बरगी	422	420
बारना	348	346
गोपीकृष्ण सागर	434	429

भराव क्षमता एफआरएल में

विजन-2047 के हिसाब से होगा विकास

रीजनल मैपिंग करके बनेंगे शहरों के मास्टर प्लान

विकास का नया कॉन्सेप्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

भोपाल. प्रदेश में बड़े शहरों के विकास को व्यवस्थित करने के लिए अब रीजनल मैपिंग के बाद मास्टर प्लान बनाए जाएंगे। दरअसल, सरकार ने बड़े शहरों में अवैध कॉलोनी और बेतरतीब विकास की समस्या से निपटने के लिए रीजनल मैपिंग के कॉन्सेप्ट को लागू करना तय किया हैं। इसके तहत सैटेलाइट टाउनशिप की भी मैपिंग होगी। इसमें बड़े शहरों के आस-पास के सैटेलाइट टाउन, रीजनल डेवलपमेंट एरिया, कनेक्टेड हाईवे, ग्रीन एरिया सहित अन्य पहलुओं को पहले से मैप करके काम होगा। इससे पहले से ही शहरों के बाहर ग्रीन एरिया और डेवलपमेंट एरिया को भी बांटने की कोशिश रहेगी, ताकि भविष्य में बढ़ने वाले शहर के एरिया को किस ओर ट्रांसफर किया जा सके। इससे भविष्य का विकास प्लान तरीके से हो पाएगा। इसके लिए मास्टर प्लान बनाने के पहले इन रीजनल मैपिंग व डॉक्यूमेंटशन का काम पूरा किया जाएगा।

रीजनल मैपिंग का सबसे अधिक असर इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर व रीवा जैसे बड़े शहरों को पड़ेगा। अभी चारों प्रमुख महानगरों को फोकस करके काम होगा। इसके अलावा उज्जैन को भी कनेक्टिंग हॅब की तरह विकसित किया जाना है, जिसके चलते इसकी भी पूरी रीजनल प्लानिंग की जा रही हैं। 2028 में होने वाले सिंहस्थ के कारण उज्जैन प्राथमिकता पर है। इसमें सर्वांगीण विकास पर काम होगा।

04 प्रमुख महानगर स्तर के शहर प्रदेश में

16 नगर निगम प्रदेश में

99 नगर पालिका प्रदेश में

298 नगर परिषद प्रदेश में

413 कुल छोटे-बड़े शहर प्रदेश में

किसलिए जरूरत

सरकार विजन-2047 के हिसाब से काम कर रही है। किन शहरों में 2047 तक कितनी आबादी बढ़ेगी और उसके हिसाब से शहरों के विकास का रूख किस ओर रखा जाए इसे लेकर काम शुरू किया गया है। इस कारण बड़े शहरों के मास्टर प्लान को रीजनल मैपिंग से जोड़ा जा रहा है। सरकार का मानना है कि 20 से 30% से ज्यादा आबादी को लेकर अभी से प्लानिंग की जरूरत है। दूसरा सबसे अहम कारण इंदौर-भोपाल जैसे बड़े शहरों के आस-पास बेतरतीब तरीके से कॉलोनी बनने व विकास होने का है। इसलिए रीजनल प्लान की जरूरत है। इससे विकास के लिए रीजनल सर्किट बन सकेगा।

छोटे शहरों के प्लान अभी अटके

प्रदेश में कई शहरों के मास्टर प्लान अभी तक आ नहीं सके हैं। यहां तक कि भोपाल का मास्टर प्लान दो दशक से आ नहीं सका। प्रदेश के 298 परिषद स्तर के छोटे शहरों में से 37 के प्लान अभी नहीं आ पाए हैं। जबकि, 28 के प्लान पर अभी काम चल रहा है। इसके अलावा बड़े शहरों में भी दो दर्जन से ज्यादा शहरों के प्लान अभी विभिन्न स्तर पर बन रहे हैं।

भोपाल-इंदौर मास्टर प्लान पर काम शुरू

- बड़े शहरों के मास्टर प्लान के लिए सैटेलाइट टाउनशिप की मैपिंग होगी।
- अवैध कॉलोनी सहित अव्यस्थित विकास की समस्या से निपटने के लिए इसमें रखे जाएंगे प्लान-एरिया।
- अभी भोपाल का मास्टर प्लान आना है, इंदौर के मास्टर प्लान पर भी काम शुरू।

ग्रीन एरिया भी बच सकेगा

रीजनल प्लानिंग का सबसे बड़ा फायदा व्यवस्थित विकास के अलावा ग्रीन एरिया बचाने का भी रहेगा। अभी बेतरतीब विकास के कारण ग्रीन एरिया खत्म हो रहा है। कॉलोनाइजर ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण आसानी से कॉलोनी की मंजूरी लेकर काम शुरू कर देता है। इस पर लगाम की जरूरत महसूस की गई है।

सैटेलाइट टाउनशिप अभी नाम की

अभी सैटेलाइट टाउनशिप का विकास नाम का रहा। देवास, धार, राऊ, सीहोर, विदिशा व रायसेन शहर विकसित होने लगे, लेकिन इनका विकास बेतरतीब रहा है। इसके चलते सैटेलाइट टाउनशिप की भी प्रमुख शहर का मास्टर प्लान बनाते समय मैपिंग होगी। इसमें थ्री-डी तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रशासन ने पंचायतों में भेजी टीम

उल्टी-दस्त के बाद बैगा आदिवासी परिवार के तीन सदस्यों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

अनूपपुर. जिले में उल्टी-दस्त के बाद बैगा परिवार में गर्भवती महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया और गांव में कर्मचारियों की तैनाती कर जल स्रोतों में क्लोरीन दवा डलवाकर स्वच्छ पानी की व्यवस्था बनाई। प्रशासन ने तीनों की मौत के अलग-अलग कारण बताए हैं।

जानकारी अनुसार, पुष्पराजगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सालर गोंदी के ग्राम सरई पटेरा में 31 जुलाई को माखन बैगा (55) की उल्टी-दस्त से मौत हो गई। माखन की 75 वर्षीय मां झींगिया बाई की भी मौत हो गई। मायके गई आठ माह की गर्भवती बहू लीलावती (22) दो सदस्यों की मौत के बाद शमिल होने अंतिम संस्कार में सरई पटेरा आ गईं। 2 अगस्त को उसकी भी उल्टी-दस्त से मौत हो गई। अब लीलावती का डेढ़ साल का बेटा अनुज, 3 साल का आजाद और परिवार का एक अन्य सदस्य जेठू बैगा (65) दस्त से पीड़ित हैं, जिन्हें शहडोल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जिसके बाद वे स्वस्थ हुए।

उल्टी-दस्त से एक की मौत, 80 से ज्यादा बीमार

खंडवा. आदिवासी ब्लॉक खालवा के बाराकुंड गांव में उल्टी-दस्त का प्रकोप फैल गया। गांव में हरदा जिले के बिचपुरी के युवक गोविंद सिंह की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग उल्टी-दस्त से बीमार हो गए। पांच लोगों की स्थिति गंभीर है।

प्रशासन ने यह बताया कारण

पुष्पराजगढ़ बीएमओ डॉ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि माखन बैगा को टीबी थी। झींगिया बाई बीपी व पाइल्स से ग्रसित थी। 8 माह की गर्भवती लीलावती अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए यात्रा करके यहां पहुंची, इन्हीं कारणों से मौत हुई।

पंचायत ने लिखित में यह जानकारी दी है कि डायरिया से मौत नहीं हुई है। इसके बाद भी एसडीएम को दोबारा जांच के लिए भेजा है।
आशीष वशिष्ठ, कलेक्टर अनूपपुर

रीढ़ की हड्डी में हो गया था फ्रेक्चर

कूनो में चीता गामिनी के घायल शावक की आठ दिन बाद मौत

श्योपुर@पत्रिका. कूनो नेशनल पार्क में सोमवार को मादा चीता गामिनी के एक शावक की मौत हो गई। पिछले सप्ताह इस शावक की रीढ़ की हड्डी में फ्रेक्चर पाया गया था। शावक गामिनी के पांच शावकों में से एक था, अब चार बचे हैं। बता दें, गामिनी ने 10 मार्च 2024 को 6 शावकों को जन्म दिया था। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक और सिंह परियोजना संचालक उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि गत 29 जुलाई की शाम 6.30 बजे नियमित निगरानी के दौरान मादा चीता गामिनी के पांच शावकों में से एक शावक अपने शरीर के पिछले हिस्से को उठाने में असमर्थ दिखाई दे रहा था, शावक की रीढ़ की हड्डी में फ्रेक्चर पाया गया। लेकिन सोमवार सुबह शावक की उपचार के दौरान शावक मौत हो गई।

अनोखा मामला : जनपद पंचायत मेघनगर का मामला

दुष्कर्म केस में 5 माह से जेल में बंद सरपंच, उसकी सील-साइन से जारी हो रहे प्रमाणपत्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

झाबुआ. नाबालिग से बलात्कार के आरोप में करीब 5 महीने से जेल में बंद सरपंच की सील और साइन से प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज जारी किए जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मामला जनपद पंचायत मेघनगर की ग्राम पंचायत हात्यादेली का है। इसमें सरपंच पुत्र की भूमिका बताई जा रही है। प्रकरण में पंच और ग्रामीणों ने प्रमाण प्रस्तुत किए हैं, जिसके बाद अब जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र सिंह चौहान जांच करवाने की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रकरण में नियमानुसार कार्रवाई करेंगे।

बताया जा रहा है कि सरपंच रमेश पिता सकरा भाबोर 10वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा से बलात्कार के आरोप में 9 अप्रेल से जेल में बंद है। इसके बावजूद उसकी सील व साइन से मूल निवासी और अन्य प्रमाण पत्र जारी हो रहे हैं। पता चला कि यह काम सरपंच का बेटा राजेश कर रहा है। ऐसे में यदि इनके आधार पर कोई ग्रामीण किसी सरकारी योजना का लाभ ले लेता है या उसे नौकरी मिल जाती है तो जांच होने पर संबंधित ग्रामीण के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होना तय है।

पंचों ने की पद से हटाने की मांग

हात्यादेली की पंच प्रमिला दल्ला वसुनिया, नवला मोती बेहरा, दलसिंह नाथू डामोर, परमेश गरवाल, केगु पुनिया सहित अन्य ने कलेक्टर को सरपंच के सील ठप्पे लगे मूल निवासी प्रमाण पत्र व अन्य कागजात प्रस्तुत किए हैं, जिसमें साफ है कि ये प्रमाण पत्र सरपंच के जेल में रहते हुए जारी हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया, सरपंच रमेश का बेटा राजेश पंचायत का काम कर रहा है।

जबलपुर : जमानत में दोहरे मानदंड का मामला

एडिशनल जज की बर्खास्तगी पर कोर्ट का हस्तक्षेप से इनकार

जबलपुर@पत्रिका. जमानत के लिए दोहरे मानदंड अपनाने के चलते 10 साल पहले बर्खास्त एडिशनल जज के मामले में हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायाधीश विनय सराफ की युगलपीठ ने इस बात पर जोर दिया, न्यायिक अधिकारियों को उच्चतम सत्यनिष्ठा बनाए रखनी चाहिए और कानूनी मानकों से विचलन, विशेष रूप से भ्रष्टाचार का सुझाव देने वालों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की आवश्यकता होती है। अदालत ने निष्कासन आदेश को बरकरार रखा। मामला खरगोन के तत्कालीन एडिशनल जज निर्भय सिंह सुलिया का है। जिन्हें हाईकोर्ट की अनुशंसा पर विधि विभाग ने 2014 में बर्खास्त करने का आदेश जारी किया था। इसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। दोबारा उन्होंने याचिका दायर कर सभी आदेशों को चुनौती दी।

ट्रेंडिंग न्यूज

जबलपुर

कंटेनर से टकराई कार, एक की मौत

जबलपुर. सिहोरा में गंजताल के पास कार के आगे चल रहे कंटेनर ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे कार कंटेनर में घुस गई। हादसे में कार सवार लक्ष्मी प्रसाद लोधी की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया, सभी प्रयागराज से अस्थि विसर्जन कर लौट रहे थे।

ग्वालियर

मादा टाइगर मीरा तीसरी बार बनी मां

ग्वालियर. गांधी प्राणी उद्यान में सफेद मादा बाघिन मीरा तीसरी बार मां बनी। रविवार रात बाघिन ने तीन शावकों को जन्म दिया। इनमें दो सफेद और एक पीले रंग का है। अब चिड़ियाघर में टाइगरों की संख्या 12 हो गई है। जिनमें 5 नर, 4 मादा और तीन शावक शामिल हैं। वहीं सफेद टाइगर की संख्या 7 हो गई है।

नरसिंहपुर

खेत में करंट लगने से दो की मौत

नरसिंहपुर. ग्राम गाडरवाराखेड़ा के डमरी हार में सोमवार को दो सगे भाइयों की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग पंचनामा की कार्रवाई की है। बताया गया है, अरविंद कहार के दो बेटे अतुल (17) व आकाश (18) मक्का की फसल में यूरिया डाल रहे थे। इसी दौरान दोनों करंट की चपेट में आने से बेहोश हो गए। गांव वालों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

इन परियोजनाओं की लागत 1209 करोड़, तीन पूरी हुई, सात में चल रहा काम

विश्व बैंक की मदद से चल रहे 10 प्रोजेक्ट, इनके पूरे होने पर साफ होंगी कई नदियां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

भोपाल. प्रदेश में नगरीय विकास की 10 योजनाओं पर विश्व बैंक की मदद से काम चल रहा है। इनमें तीन जलप्रदाय और सात सीवरेज संबंधी परियोजनाएं शामिल हैं। 10 परियोजनाओं पर 1209 करोड़ 36 लाख से काम किया जा रहा है। अभी तक तीन का काम पूरा हुआ है, सात का काम जारी है। इनसे नदियों को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी। हाल ही में विश्व बैंक की एक टीम ने राजधानी में नगरीय विकास के अधिकारियों से मिलकर योजनाओं

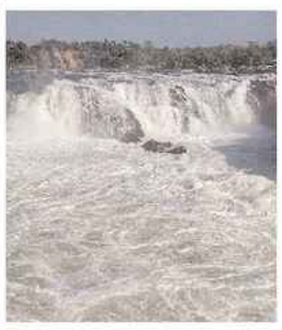

की समीक्षा की और इसे जल्द पूरा करने को कहा। प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने समीक्षा कर इसे जल्द पूरा कराने की बात कही है। विश्व बैंक टीम में प्रोग्राम लीडर इंफास्ट्रक्चर अर्नव बंदोपध्याय, टास्क टीम लीडर रघुकेसवन व अर्बन विशेषज्ञ रिद्धिमन साहा थे। विश्व बैंक की परियोजनाओं पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कपनी द्वारा काम कराए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि खरगोन, बुरहानपुर और दतिया के सेवढ़ा में जल प्रदाय पर कार्य किया जा रहा है। शाजापुर, शहडोल, धार जिले के धरमपुरी, सीहोर के भैरूंदा, खरगोन जिले के महेश्वर, जबलपुर जिले के भेड़ाघाट और छिंदवाड़ा में सीवरेज परियोजना के लिए भी विश्व बैंक ने वित्तीय सहायता दी है।

इन नदियों को लाभ

विश्व बैंक की मदद से तैयार की गई सीवरेज परियोजना से नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने में मदद मिल रही है। धरमपुरी और भेड़ाघाट सीवरेज परियोजना नर्मदा नदी के संरक्षण में सहायक बनी हैं। महेश्वर सीवरेज परियोजना कार्य पूरा होने पर नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए और छिंदवाड़ा सीवरेज परियोजना से बोदरी और कुलबेहरा नदी के संरक्षण में लिए मदद मिलेगी। इसी तरह शाजापुर सीवरेज परियोजना से चिल्लर नदी को स्वच्छ किया जा रहा है।

अमरीकी विवि के साथ बूट कैंप आयोजित करेगा आइआइएम

इंदौर@पत्रिका. आइआइएम इंदौर ने दो अमरीकी संस्थानों, मैसाचुसेट्स में बैबसन कॉलेज और टेक्सास में यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन के साथ एमओयू साइन किया है। ये साझेदारी भारत-अमरीकी संबंधों को मजबूत करने, समृद्ध शैक्षणिक आदान-प्रदान और सहयोगी अनुसंधान अवसरों को जानने में मदद करेगी। एमओयू पर आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय और बैबसन कॉलेज में इनोवेशन के वाइस प्रेसीडेंट प्रो. डीआर विडर ने हस्ताक्षर किए। इसके अलावा यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन, टेक्सास के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अब अमरीका में आइआइएम इंदौर के सहयोगों की संख्या अब सात हो गई है।

उफनते नाले से होकर निकली अंतिम यात्रा

दमोह@पत्रिका. जिले के मगरोन गांव में सोमवार को एक बुजुर्ग का शव अंतिम संस्कार के लिए उफनते नाले से होकर मुक्तिधाम ले जाया गया। दरअसल, गांव और मुक्तिधाम के बीच एक बड़ा नाला पड़ता है, जो बारिश के चलते उफान पर है। बेटे बलिराम अहिरवार ने बताया कि उनका घर गोअभयारण्य के समीप है। मुक्तिधाम मार्ग पर जंगली नाला आता है। पिता खंजुआ अहिरवार(72) की मौत रविवार को सुबह हो गई थी, लेकिन लगातार बारिश की वजह से शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका और एक दिन शव घर पर ही रखा रहा। दूसरे दिन सोमवार को शव लेकर मुक्तिधाम पहुंचे। इधर, बटियागढ़ सीईओ का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है, जिसमें सुविधा संबंधी जो भी प्रयास होंगे किए जाएंगे।

पेज 1 से जारी

मानवता का पाठ मां के आंचल में

शुक्र संचय से आगे ओज और मन का निर्माण होता है। मन ईश्वर का मन्दिर है। आप जैसा अन्न इनको चढ़ाएंगे, वैसा ही आपका स्वरूप बनता चला जाएगा। शाकाहार सात्विक रूप में दिव्यता देता है। मांसाहार तामसी स्वभाव-रूखेपन का, क्रूरता का प्रेरक है। जीवन को आसुरी सम्पदा से जोड़ता है। शाकाहार में वनस्पति, अन्न, औषधियों का पोषण प्रकृति की (चन्द्रमा की) सौम्यता से होता है। मन में उसी प्रकार के विचारों का सिलसिला बनने लगता है। मुझे भक्ति करनी है और मांसाहार मेरा अन्न है तो? मैं स्वयं से झूठ बोलता हूं। क्रूरता का पोषण भक्ति के विरूद्ध भाव पैदा करेगा। मन मांगे और वही मिलेगा तो प्रसन्न भी होगा। बुद्धि गर्म होती है। मन की चलने नहीं देती। इसकी दुनिया में कहीं भी मिठास नहीं मिलेगा आपको।

इससे बड़ी बात! खाना कैलोरी-प्रोटीन-ग्लूटन नहीं है। ये शरीर से जुड़े हैं। मन का पोषण नहीं कर सकते। मन का पोषण केवल मन से होता है। मानवता-संवेदना-प्रेम-भावना ही मन की खुराक है। यह सम्पदा स्त्रियों में भी होती है। मां में सर्वाधिक होती है। पिता दिमाग से पालता है बच्चों को। नहीं पालना चाहिए। बच्चे नीरस होते चले जाएंगे। मानवता का पाठ मां के आंचल में है। वहां वात्सल्य है, अपेक्षा भाव नहीं है, वहां त्याग है। सबसे बड़ा उत्कर्ष उसके अपनेपन में है। एकात्म भाव है।

पिता बीज देता है, मां आकृति देती है। पोषण करती है। पिता आग्नेय है, मां सौम्य मूर्ति है। पिता की उष्णता से भी रक्षा करती है। मां का अन्न-धरती मां का अन्न-चन्द्रमा का मन-शुक्र की सौम्यता, सब मिलकर मां को सौम्य बनाते हैं। शरीर के अतिरिक्त मन-बुद्धि-आत्मा का भी अपना अन्न होता है। यह सारा अन्न गर्भावस्था में संतान के पोषण के काम आता है। शरीर मां देती है। शरीर को उम्र के साथ बड़ा भी मां करती है। वह प्राण बनकर शरीर में प्रवाहित होती रहती है। वरना शरीर की वृद्धि ठहर जाएगी। पिता शरीर में नया बीज तैयार करता है। हमारा शरीर माता के शरीर का अंश ही तो है। उससे बाहर कहां है?

मां जानती है-संतान किस शरीर को छोड़कर इस घर में आई है। वहां क्या खाती थी, क्या करती थी और इस परिवार में आने का क्या उद्देश्य है। पिता ये सब नहीं जान सकता। मां संतान को पहले इंसान बनाती है। संस्कार देती है, उसकी भावी भूमिका समझाती है, अपने सम्बन्ध की (मन की) मिठास घोलती है। अपने सपनों से जोड़ती है। जीवन की पूर्णता प्रदान करके समाज को सौंपती है।

अन्न को ब्रह्म कहते हैं। अपने शरीर का अन्न देकर संतान ब्रह्म को जीने की क्षमता देती है। इस देश का किसान भी मां है। बीज बोने से पहले धरती मां की, हल की, इन्द्र देवादि की पूजा करता है। उसका अन्न सात्विक प्राणों का आश्रय बने। उसके अन्न से ही जीव भोक्ता के शरीर में प्रवेश करेगा। उसका सदा मंगल हो। व्यापारी की नीयत भी अन्न पर अपना प्रभाव छोड़ती है। आज तो कीटनाशक और रसायन, बीजों के शत्रु बन बैठे। आसुरी रूप से प्रहार कर रहे हैं।

यह सारा प्रपंच अन्न के शरीर से जुड़ा है। अन्न के भी मन होता है। उसमें ब्रह्म आत्मा रूप में रहता है। वह मर नहीं सकता।

'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥' (गीता 2/23)

फसल के साथ कटता है। चक्की में पिसता है, आग पर सेंका जाता है, जठराग्नि में पचता है। जीव फिर भी नहीं मरता। पुनः स्त्री की योषाग्नि में आहुत होता है। नई आकृति में बन्द हो जाता है। जीवित रहता है। इस अन्न को जब मां खाने के लिए तैयार करती है, तब उसमें मां की सौम्यता, मां का स्नेहन और उसके मन के भाव अन्न में प्रतिष्ठित ब्रह्म के साथ जुड़ जाते हैं। तीनों मन-प्राण-वाक् रूप आत्मा हैं-मां की। मां रोटी सेंकती है तो मन में प्रार्थना करती जाती है कि संतान/पति इसको खाकर निर्मल बनेगा, बुद्धिमान बनेगा, घर का नाम करेगा, सबसे प्रेम करेगा...आदि। गर्भावस्था में भी मां बिना शब्दों के भावों से ही संतान का पोषण करती है। अब भी मन के भावों से ही, स्थूल अन्न के माध्यम से, मन का पोषण करती है। यह स्त्री का सबसे शक्तिशाली शस्त्र है। इससे सम्पूर्ण परिवार के मन का सींचन/परिवर्तन कर सकती है।

संतान को देखकर मां सदा प्रसन्न होती है। श्रद्धायुक्त होती है। संतान ही उसे मां का दर्जा देती है। प्रसव पीड़ा में काल के मुंह से निकालती है। अतः मां की सम्पूर्ण शक्तियां और मनोभाव संतान के शरीर में बहते रहते हैं-अनवरत-मृत्यु पर्यन्त!

फिलाडेल्फिया रैली में वीपी उम्मीदवार के साथ नजर आएंगी कमला हैरिस

वॉशिंगटन @ पत्रिका. डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस मंगलवार तक अपने उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के नाम पर फैसला ले लेंगी। इसके पहले हैरिस ने संभावित उपराष्ट्रपति उम्मीदवारों पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो, मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज और एरिजोना के सीनेटर मार्क केली का साक्षात्कार लिया।

हैरिस कैंपेन ने जानकारी देते हुए कहा है कि एक बार निर्णय हो जाने के बाद, उपराष्ट्रपति शीर्ष सलाहकारों की एक छोटी टीम को को इस बारे में सूचित करेंगी। लेकिन यह निर्णय अंततः हैरिस को और केवल हैरिस को ही लेना है।

बरसे बदरा: महाराष्ट्र से लेकर बंगाल तक सड़कों पर हुआ पानी का राज

नासिक

सांगली

महाराष्ट्र के नासिक में लगातार बारिश के बाद गोदावरी नदी उफान पर है। नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद आंशिक रूप से डूबे मंदिर। वहीं, सांगली में लगातार बारिश के बाद जलभराव के कारण फंसे लोगों को बचाती सेना।

पीकेसी-ईआरसीपी: नई डीपीआर में छोटे जल स्रोतों को भी जोड़ा

21 जिलों में 90 की बजाय अब 158 बांध,तालाब तक पहुंचेगा पानी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. पार्वती-कालीसिंध-चंबल ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (पीकेसी-ईआरसीपी) से 90 की जगह 158 बांध-तालाब और अन्य जल स्रोत तक पानी पहुंचेगा। जल संसाधन विभाग ने 21 जिलों के लिए नए सिरे से तैयार डीपीआर में छोटे-बड़े बांधों के अलावा तालाब व अन्य जल स्रोतों को भी जोड़ा है। स्थानीय लोगों के लिए ये छोटे जल स्रोत सिंचाई व पेजयल का अहम हिस्सा हैं।

केन्द्रीय जल आयोग को भेजी डीपीआर में जल स्रोतों का दायरा काफी बढ़ा दिया गया। इसके लिए 600 मिलीयन क्यूबिक मीटर पानी रिजर्व रखने की भी बात कही जा रही है। राज्य सरकार एक बार फिर इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की औपचारिक शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कराने के लिए प्रयास कर रही है। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले केन्द्र सरकार इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दे सकती है। ऐसा होता है तो निर्माण लागत का 90 प्रतिशत पैसा केन्द्र सरकार वहन करेगी।

प्रोजेक्ट को मिल सकता है राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा

सात साल पहले तैयार हुआ था बांध ग्रिड सर्किट का प्लान, अब बढ़ेगा आगे

बांध से बांध जुड़ें तो यह फायदा

- **ओवरफ्लो** हो रहे बांधों का पानी व्यर्थ नहीं बहेगा और न ही इससे आस-पास के गांवों को खाली कराने की नौबत आएगी। अभी ज्यादातर बड़े बांध भरने के बाद गांव खाली कराए जाते हैं। ओवरफ्लो होने से फसलें भी बर्बाद होती हैं।
- **खाली** बांध में पानी पहुंचने से स्थानीय लोगों की पेयजल व सिंचाई की समस्या दूर हो सकेगी।
- **बांध** से बांध को जोड़ने के लिए जिस रूट से नदी, नहर गुजरेगी, उस रूट पर कृषि का दायरा बढ़ेगा।
- **औद्योगिक** गतिविधियां बढ़ने की स्थितियां बनेंगी, क्योंकि कई उद्योगों को पानी की ज्यादा जरूरत होती है। इससे इलाके का इकोनामिक डवलपमेंट भी होगा।

पहला चरण:
बीसलपुर-ईसरदा तक आएगा पानी

पीकेसी-ईआरसीपी का पहला चरण चार साल में पूरा होगा। इसमें नवनेरा बैराज से बीसलपुर और ईसरदा तक पानी लाया जाएगा। रामगढ़ बैराज, महलपुर बैराज, नौनेरा में नहरी तंत्र और पम्पिंग स्टेशन, मेज नदी पर पम्पिंग स्टेशन बनाया जाएगा। साथ ही 2.6 किलोमीटर लंबी टनल भी तैयार की जाएगी, जो 12 मीटर चौड़ी होगी। इसकी लागत करीब 9600 करोड़ रुपए आंकी गई है। दूसरे चरण के लिए भी होमवर्क कर रहे हैं।

राजनीति की भेंट नहीं चढ़ जाए

सरकार नई डीपीआर में शामिल किए बांध, तालाब व अन्य जल स्रोतों के नाम का खुलासा करने से बच रही है। तर्क दे रहे हैं कि, पहले डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग से स्वीकृत होनी जरूरी है। इससे पहले खुलासा करते हैं तो 'राजनीति' की भेंट चढ़ने की आशंका रहेगी।

ठेकेदार ने दी फर्जी एफडीआर, केस दर्ज

जयपुर @ पत्रिका. जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विधानसभा में बताया कि आहोर क्षेत्र में बाकली सिंचाई परियोजना के नवीनीकरण कार्य के लिए ठेकेदार ने फर्जी एफडीआर जमा कराई। इस मामले में अधिशासी अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं मुख्य अभियंता को निलम्बित कर सीसीए नियम 16 के अंतर्गत नोटिस दिया जा चुका है। हाल ही फर्म को ब्लैक लिस्टेड कर जालोर थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी है। रावत ने सोमवार को शून्यकाल में आहोर से भाजपा विधायक छगन सिंह राजपुरोहित के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर यह जवाब दिया।

शिमला-धर्मशाला विमान सेवा शुरू

शिमला. हिमाचल प्रदेश के शिमला-धर्मशाला-शिमला हवाई रूट पर सोमवार से एलायंस एयर की विमान सेवा शुरू हो गई। इन उड़ानों के लिए विमानन कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर शेड्यूल भी जारी कर दिया है।

मुख्यमंत्री की विकासकर्ताओं के साथ बैठक

पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट के लिए ला रहे नीति, ऊर्जा क्षेत्र में बनेंगे आत्मनिर्भर: सीएम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. पानी से बिजली बनाने के पम्प स्टोरेज सिस्टम के लिए राज्य सरकार पॉलिसी लाएगी। प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा यह कदम उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न विकासकर्ताओं के साथ बैठक में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण में पम्प स्टोरेज परियोजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार एक स्पष्ट और ठोस नीति लाने जा रही है। उन्होंने विकासकर्ताओं से सुझाव देने के लिए कहा, ताकि उन्हें भी नीति का हिस्सा बनाया जा सके। बैठक में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, वन विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल भी शामिल हुए।

प्रोजेक्ट के लिए आठ जगह चिह्नित

बैठक में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल ने बताया कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम ने प्रदेश में 8 जगह चिन्हित की है, जहां 7100 मेगावाट के पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाए जा सकेंगे।

इन कपंनियों ने दिखाई रुचि

पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट में निवेश के लिए अडानी, जेएसडब्ल्यू, ग्रीन टोरेंटो, रिन्यू एनर्जी, ग्रीनको सहित एक दर्जन बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई है। प्रदेश में 20 हजार मेगावाट क्षमता के पम्प स्टोरेज सिस्टम लगाने की क्षमता है। सेन्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी ने इसका आकलन किया है।

राशन घोटाला: एक पते पर पंजीकृत 5 फर्जी कंपनियों का ईडी ने लगाया पता

कोलकाता @ पत्रिका. पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपए के राशन वितरण घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने पांच शेल कंपनियों का पता लगाया है। इनका इस्तेमाल कथित घोटाले में पैसे की हेराफेरी के लिए किया गया। सूत्रों ने बताया कि इन पांचों कॉर्पोरेट इकाइयों के बीच कई चीजें समान हैं। ये सभी मध्य कोलकाता के स्ट्रैंड रोड स्थित एक ही भवन परिसर के एक ही पते पर पंजीकृत हैं। दूसरा सामान्य कारक यह है कि ये सभी पांच संस्थाएं सीधे तौर पर या तो राज्य के पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक या उनके किसी करीबी पारिवारिक रिश्ते से जुड़ी हुई हैं।

पेरिस ओलंपिक: पूर्वांचल विवि के पूर्व हॉकी खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कुलपति ने ललित और राजकुमार को दी बधाई

लखनऊ@पत्रिका ब्यूरो. पेरिस ओलंपिक में हॉकी क्वार्टर फाइनल में भारत को जीत दिलाने वाली टीम में शामिल ललित कुमार उपाध्याय और राजकुमार पाल उत्तर प्रदेश के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व खिलाड़ी हैं। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने वाट्सअप कॉल पर खिलाड़ियों से वीडियोकॉल कर मनोबल बढ़ाया। सेंटर फॉरवर्ड खिलाड़ी ललित ने भी

मुकाबले के दौरान गोल कर टीम इंडिया को निर्णायक बढ़त दिलाई थी। ग्रेट ब्रिटेन के साथ मैच में शानदार प्रदर्शन पर उपाध्याय को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व खिलाड़ी देश के लिए खेल रहे हैं यह गौरव की बात है। उन्होंने आगे होने वाले मैच के लिए शुभकामनाएं दी।

ललित एवं राजकुमार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय श्रीमेघबरन सिंह पीजी कॉलेज, करनपुर गाजीपुर से स्नातक किया है। अध्ययन के दौरान वह विश्वविद्यालय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य रहे और कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किया था। ललित पिछले ओलंपिक में भारतीय टीम के सदस्य रहे थे, टीम को कांस्य पदक मिला था। विश्वविद्यालय के खेलकूद परिषद के सचिव प्रो.ओ.पी. सिंह ने कहा कि दोनों खिलाडी प्रतिभावान हैं। निश्चित तौर पर इस बार भारत टीम गोल्ड लाएगी।

संकायाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, खेल सहायक रजनीश सिंह, डॉ राजेश सिंह और विश्वविद्यालय के खिलाडियों ने इस अवसर पर शुभकामनाएं दी।

अव्यवस्था: पार्क में जाकर सोए गोल्ड मेडलिस्ट थॉमस

पेरिस ओलंपिक में एक स्वर्ण सहित दो पदक जीतने वाले इटली के तैराक थॉमस केकॉन को खेलगांव की सुविधाएं बिल्कुल पसंद नहीं आई। इस कारण उन्होंने खेलगांव छोड़ने का फैसला किया और पास ही के एक पार्क में चादर बिछाकर सो गए। उनका पार्क में सोते हुए हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, इस फोटो से पेरिस ओलंपिक की आयोजन समिति की किरकिरी हो रही है।

उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने का समय अभी नहीं आया : स्टालिन

चेन्नई @ पत्रिका. द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को स्वीकार किया कि पार्टी के भीतर उनके बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने के लिए आवाज तेज हो गई है, लेकिन संकेत दिया कि इसके लिए अभी उचित समय नहीं आया है। स्टालिन ने यह संकेत यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिए। उदयनिधि खेल एवं युवा कल्याण मंत्री होने के अलावा विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विभाग का भी कार्यभार संभालते हैं।

'विवाह-एक दैविक अनुष्ठान' पर प्रतिक्रियाएं

सही समय पर काम से मिलता है ज्ञान, शील व विवेक

विवाह की बढ़ती उम्र की वजह से मां व बच्चे को होने वाली शारीरिक परेशानियां कम नहीं है। पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी के अग्रलेख 'विवाह-एक दैविक अनुष्ठान' को प्रबुद्ध पाठकों ने सही समय पर शादी की जरूरत पर जोर देने वाला बताया है। पाठकों का कहना है कि देर से शादी के भले ही आज अलग-अलग कारण बनकर सामने आ रहे हैं पर सच तो यह है कि आत्मा की जगह शरीर को महत्व देने से वैवाहिक अनुष्ठान का वह महत्व ही नहीं रहता जिसका हमारे शास्त्रों में उल्लेख है। पाश्चात्य जीवन शैली संतानों में संस्कार भी वैसे ही देने वाली होगी।

पाठकों की प्रतिक्रियाएं विस्तार से...

भारतीय संस्कृति में जीवन का मुख्य आधार आश्रम व्यवस्था है। ब्रह्मचर्य आश्रम में विद्या अध्ययन और गृहस्थ आश्रम में विवाह और जीविकोपार्जन तथा इसके बाद वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम का उल्लेख है। गृहस्थ आश्रम जीवन के सभी ऋणों को चुकाने का वक्त है। हमारे यहां कहा भी गया है कि सही समय पर किए गए कार्य ज्ञान, शील व विवेक प्रदान करते हैं। यह तब ही संभव है जब सही समय पर शादी होगी।

पं. राजकुमार चतुर्वेदी, जयपुर

हमारे यहां विवाह को जन्म-जन्मांतरों का संबंध माना जाता है। जबकि पाश्चात्य जगत में इस संबंध को एक जन्म तक भी निभाना आसान नहीं होता। इसका कारण यह है कि वहां सोच, भोग की रहती है। हमारे यहां विवाह आत्माओं के मिलन के रूप में है। इसलिए उसी के अनुरूप संतान उत्पत्ति कर पितृ ऋण से मुक्त होने की बात कही गई है। हमारी सामाजिक व्यवस्था की जानकारी नई पीढ़ी को भी देनी चाहिए।

मातादीन सिंह, जयपुर

यह सच है कि यदि सही समय पर शादी होगी तो बच्चे का जन्म, उसकी शिक्षा दीक्षा व दूसरे अनुष्ठान भी सही समय पर हो सकेंगे। इसमें व्यक्ति को दो से तीन पीढ़ी का सुख भी देखने को मिल सकता है। देरी से शादी होती है तो इस सुख से वंचित होना पड़ता है। देरी से शादी होने से मां बनने के बाद महिलाओं को कई बीमारियां जकड़ रही हैं। हर माता-पिता को अपनी संतान की सही समय पर शादी करने के बारे में सोचना होगा।

कैलाश मीना, जगतपुरा

प्रकृति के अनुरूप शादी की निश्चित उम्र के साथ वैवाहिक बंधन में बंधकर नई पीढ़ी को आगे बढ़ाना स्वास्थ्य, संस्कृति एवं मानवता के लिए अति उत्तम है। आज के इस भौतिकवादी युग में सुख और शांति को भूलता तथाकथित सभ्य समाज आने वाली नस्लों के लिए कई प्रकार की अनुवांशिक बीमारियों को न्योता दे रहा है। अग्रलेख, नई पीढ़ी को नई सोच के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा।

राधेश्याम गोदारा, नागौर

संतानों की उत्पत्ति में माता-पिता की भूमिका निमित्त मात्र रह जाती है। हम सभी कहीं न कहीं एक ही सूत्र में बंधे हुए है। ऐसे में मात्र शरीर की उम्र संतानों में होने वाले संस्कारों को कैसे निर्धारित कर सकती है? सही मायनों में गर्भ धारण के समय माता की सात्विक प्रवृत्ति तथा उसका आत्मिक संबंध ही अच्छी संतानों की उत्पत्ति का प्रमुख आधार है।

अजिता शर्मा, उदयपुर

पैसा कमाने की चाह में आज की पीढ़ी में भटकाव आने लगा है। विवाह की उम्र बढ़ रही है। हो सकता है यह आज की विवशता हो, लेकिन हमारी संस्कृति में जीवन के हर पहलू को गहराई से समझाया गया है। वास्तव में गृहस्थ जीवन का एक महत्व है, लेकिन इसका अर्थ सिर्फ इस जीवन में रम जाना मात्र नहीं है। जीवन का मूल उद्देश्य मोक्ष की कामना होता है। इसी पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए जीवन का निर्वाह करना चाहिए।

राजेन्द्र खंडेलवाल, कोटा

विवाह की सही उम्र को लेकर समय-समय पर विद्वानों और वैज्ञानिकों ने प्रकाश डाला है। सही समझ, मानसिक एवं भावनात्मक विकास ही सुदृढ़ एवं गम्भीर संतति को जन्म देता है। अग्रलेख में विवाह की सही उम्र पर गहराई से प्रकाश डाला गया है जो आज के दौर में बहुत ही आवश्यक है। वैसे भी विवाह केवल शरीर का बंधन ही नहीं। यह मन, हृदय व आत्मा का पावन बंधन है।

डॉ. शोभना तिवारी, रतलाम

शादी एक दैविक अनुष्ठान है जो सही उम्र में ही होना चाहिए। देर से शादी होने पर महिला को मां बनने में कई प्रकार की समस्याएं आती हैं। विवाह को लेकर मनमानी थ्योरी गढ़ना सही नहीं है। अग्रलेख में इस महत्वपूर्ण पहलू को लेकर गहन चिंतन किया गया है। आश्रम व्यवस्था का विधान रहा है, जिसमें बताया गया था कि किस उम्र में शिक्षा ग्रहण करना है और कब गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करना है।

प्रो. एचबी पालन, जबलपुर

अग्रलेख में विवाह के गूढ़ रहस्य, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अंतर सरल भाषा में समझाया गया। विवाह की उम्र का अपना महत्व है। यह एक ही आत्मा के अंशों के एक होने का प्रकल्प है। अग्रलेख सही मायने में विवाह को समझने का नया दृष्टिकोण है।

आदर्श सोनी, खंडवा

हर चीज का अपना समय होता है। हमारे यहां जीवन को चार आश्रमों में विभक्त किया है। हम इस आधार पर चलें तो कोई परेशानी ही नहीं हो। विवाह, गृहस्थ आश्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सिर्फ शरीर प्रमुख नहीं, आत्मा रूपी तत्व की ही प्रधानता हमें अन्य से अलग बनाती है।

रवि अग्रवाल, कोटा

पेज 1 का शेष

13 दिन...

टालना भी पड़ सकता है 'क्रू-9' मिशन: नासा के आगामी मिशन 'क्रू-9' का 18 अगस्त को अंतरिक्ष के लिए रवाना होना निर्धारित है। मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री आइएसएस पर भी उतरेंगे। अंतरिक्ष स्टेशन में एक समय में तीन से छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। जैसे ही क्रू-9 मिशन लॉन्च होगा, इसे आइएसएस से जोड़ने से पहले स्टारलाइनर को डॉकिंग पोर्ट से हटाना होगा। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में यह मिशन टाला जा सकता है, जब तक कि सुनीता व विल्मोर की वापसी नहीं हो जाती, वरना मामला बिगड़ सकता है।

कोटे में...

सूत्रों के अुनसार संघ का मानना है कि इससे वंचित वर्ग में भी भेद हो गया, अब पढ़ाई और नौकरी में आरक्षण का चुनिंदा परिवार ही लाभ उठा रहे हैं। इसी कारण क्रीमिलेयर की बात वाजिब हो जाती है।

पंच परिवर्तन पर ठोस कार्य: संघ ने अब 'पंच परिवर्तन' के सूत्र पर कार्य प्रारंभ कर दिया है। संघ अपने शताब्दी वर्ष पर तय कर रहा है कि समाज में पर्यावरण, छूआछूत, परिवार, भारतीयता और नागरिक बोध पर काम किया जाए। इसके लिए संघ के सभी प्रकल्पों को व्यवस्थित व ठोस प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सरकार के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को पर्यावरण के मार्ग की शुरुआत माना जा रहा है।

संघ सबसे करना चाह रहा चर्चा: संघ ने अब तय किया है कि वह अपने विचारों को सभी राजनीतिक दलों तक पहुंचाए। इसके लिए संघ पदाधिकारी मुलाकातों का एक सिलसिला शुरू करने जा रहे हैं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी जैसे तमाम राजनीतिक दलों तक पहुंचने की संघ की तैयारी है। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया, 'वैसे तो संघ पहले से ही यह करता रहा है, मगर अब इसे व्यवस्थित तरीके से करने का उद्देश्य है।'

तख्ता-पलट के...

कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि हसीना ब्रिटेन जाने की तैयारी कर रही हैं।

बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमां ने कहा, 'हमने सभी राजनीतिक दलों के साथ सार्थक चर्चा के बाद देश में अंतरिम सरकार बनाने का फैसला किया है। हम स्थिति को सुलझाने के लिए अब राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से बात करेंगे।' सेना प्रमुख ने विरोध के नाम पर सभी तरह की हिंसा को रोकने का आह्वान किया और कहा कि नई सरकार छात्र आंदोलन के दौरान हुई सभी मौतों के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी। देश में शांति स्थापित करने के लिए सेना की पहल पर आयोजित बैठक के बाद राष्ट्रपति ने लंबे समय से गिरफ्तार पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया सहित अन्य आंदोलनकारियों को रिहा करने और मंगलवार से देश में कर्फ्यू खत्म करने की घोषणा की।

खालिदा जिया प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष हैं।

घातक दौर से गुजर रहा है बांग्लादेश: हसीना ने अपनी पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग (एएल) के संसदीय चुनावों में बड़ी जीत हासिल करने के बाद इसी वर्ष जनवरी में देश की प्रधानमंत्री के रूप में लगातार चौथी बार कार्यकाल संभाला था। देश में पिछले जून से जारी अशांति में 300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। एक दिन पहले यानी रविवार को देश भर में हुई हिंसक झड़पों में करीब 100 लोग मारे गए। बांग्लादेश अपने इतिहास के एक घातक दौर से गुजर रहा है। देश में आरक्षण विरोधी प्रदर्शन जून में शुरू हुए, जब हाईकोर्ट ने 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के वंशजों के लिए 30 प्रतिशत कोटा बहाल कर दिया। हाईकोर्ट ने 2018 के उस फैसले को पलट दिया गया था, जिसमें ऐसे कोटा समाप्त कर दिए गए थे।

वाशिंगटन ओपन टेनिस: चेक गणराज्य की मैरी बुजकोवा को हराया

स्पेन की पाउला बाडोसा बनी चैंपियन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. स्पेन की पूर्व विश्व नंबर दो टेनिस खिलाड़ी पाउला बाडोसा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वाशिंगटन ओपन का महिला एकल खिताब जीत लिया। 26 वर्षीय बाडोसा ने फाइनल में चेक गणराज्य की मैरी बुजकोवा को 6-1, 4-6, 6-4 से हराया। बाडोसा ने दो साल बाद कोई खिताब जीता है। वह 2023 में पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से शीर्ष-100 से बाहर हो गई थीं। लेकिन अब शीर्ष 50 में शामिल हो गई हैं।

कोर्डा जीते: सेबेस्टियन कोर्डा ने इटली के फ्लेवियो कोबोली को 4-6, 6-2, 6-0 से हराकर पुरुष एकल खिताब जीता।

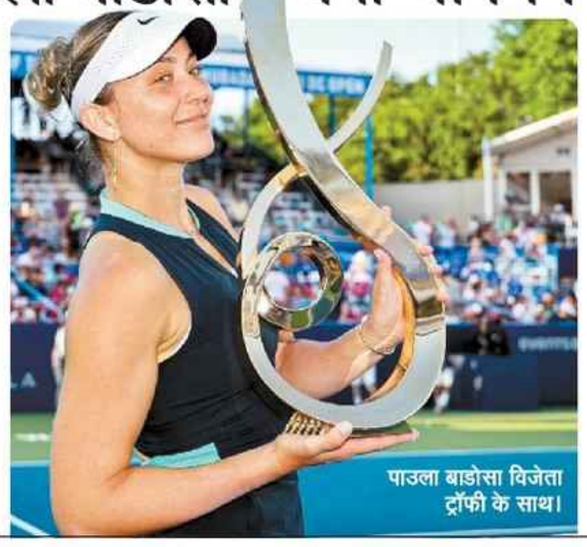
पाउला बाडोसा विजेता ट्रॉफी के साथ।

बांग्लादेश में हिंसा: 03 से 20 अक्टूबर तक होने वाले टूर्नामेंट पर संकट

भारत और श्रीलंका में आयोजित हो सकता है टी-20 महिला विश्व कप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन के कारण हो रही हिंसा को देखते हुए आइसीसी सुरक्षा कारणों से इस साल 3 से 20 अक्टूबर तक होने वाले महिला टी-20 विश्व कप को स्थानांतरित कर सकता है। आइसीसी ने विश्व कप के आयोजन के लिए भारत, श्रीलंका और यूएई को बैकअप के तौर पर रखा है। हालांकि कम समय में तैयारियों के लिहाज से भारत का दावा काफी मजबूत दिख रहा है।

टी-20 विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण पर भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना। (फाइल फोटो)

बैकअप स्थल के विकल्पों पर काम शुरू: रिपोर्ट के अनुसार आइसीसी ने विश्व कप की मेजबानी के लिए बैकअप स्थल के विकल्पों पर काम करना शुरू कर दिया है। भारत और श्रीलंका कम समय में इस टूर्नामेंट की मेजबानी को तैयार हैं। हालांकि श्रीलंका में अक्टूबर में बारिश का मौसम होता है, जबकि भारत में पाकिस्तान टीम के लिए वीजा एक मुद्दा हो सकता है।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7067...

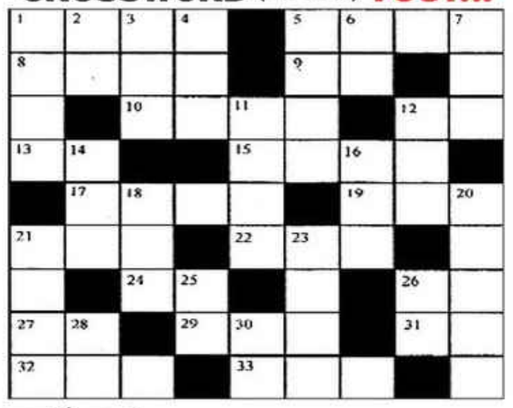

बाएं से दाएं... 1. पास, समीप, करीब (4), 5. इतिवृत्त (4), 8. अंत, पूरा करना (4), 9. आने वाला व बीता हुआ दिन (2), 10. वर्णमाला (4), 12. समाधान, निवारण (2), 13. लीन, तन्मय (2), 15. शुल्क अदा करने वाला (2-2), 17. पिता के पिता (4), 19. भिश्ती का पानी भरने का थैला (3), 21. पिता, सीता के पिता (3), 22. गिरवी (3), 24. राय, सिद्धांत (2), 26. लड़ाई (2), 27. सहित, समेत (2), 29. देवस्थान (3), 31. मुद्गर (2), 32. इमली (3), 33. यंत्रणा (3)

ऊपर से नीचे... 1. सुंघनी (4), 2. इकट्ठा, एकत्र (2), 3. दीया (3), 4. सोना, धतूरा (3), 5. स्वीकार करना, वचन, प्रतिज्ञा (4), 6. शरीर पर होने वाले काले निशान (2), 7. कामयाब, उत्तीर्ण (3), 11. दावेदार, अधिकारी (4), 12. निराश, दुखी (3), 14. गर्मी, आंच (3), 16. पल्लू (3), 18. रुपया-पैसा (3), 20. सम्मानीय, आदर देने वाला (5), 21. कष्ट परेशानी (4), 23. चेष्टा, हिलना-डोलना (4), 25. और, व (2), 26. धुन, लय, ईर्ष्या (2), 28. मृत्यु का देवता (2), 30. नवीन, नूतन (2)

हल 7066

न	सी	ह	त	■	मे	ह	मा	न
ग	र	द	न	■	ह	■	द	म
मा	त	■	ख्वा	ब	■	त	ल	■
■	■	प	ह	ल	वा	न	■	वे
अ	क्ष	र	■	या	■	की	म	त
व	■	वा	म	न	■	द	म	न
स	र	ह	द	■	स	■	ता	■
र	ज	■	द	र	का	री	■	म
■	त	य	■	त	म	त	मा	ना

SUDOKU 6802...

			3				4	
		8			2			1
5	9		7		4			
		2			9			
	8		1					7
				4				9
	2	1				6		3
9			5				1	

हल 6801

8	3	2	7	1	4	5	9	6
9	4	6	3	8	5	7	2	1
7	1	5	6	9	2	4	8	3
2	6	9	1	4	7	3	5	8
4	7	3	8	5	9	1	6	2
1	5	8	2	3	6	9	4	7
6	8	4	5	7	1	2	3	9
3	9	1	4	2	8	6	7	5
5	2	7	9	6	3	8	1	4

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

ईसीबी ने दी जानकारी: गंभीर रूप से बीमार थे

पूर्व इंग्लिश बल्लेबाज थोर्प का 55 साल की उम्र में निधन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. इंग्लैंड और सरे के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का 2022 से गंभीर बीमारी से जूझने के बाद निधन हो गया है। वह 55 वर्ष के थे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह जानकारी दी। इंग्लैंड की तरफ से 1993 से 2005 तक 100 टेस्ट मैच खेलने वाले थोर्प 2022 में अफगानिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किए जाने के कुछ दिन बाद गंभीर रूप से बीमार हो गए थे लेकिन उनकी चिकित्सा स्थिति का विवरण ज्ञात नहीं है। उन्होंने टेस्ट करियर में 16 शतक के साथ 6744 रन बनाए। थॉर्प ने इंग्लैंड के लिए 82 वनडे मैच भी खेले।

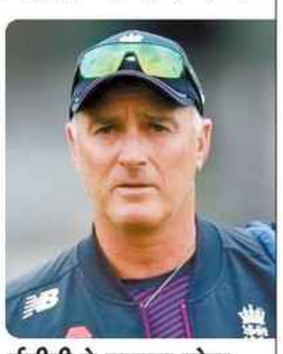

ईसीबी ने जताया शोक: थोर्प के निधन पर ईसीबी ने शोक जताते हुए कहा, इंग्लैंड के बेहतरीन बल्लेबाजों में शुमार होने के साथ ही वे एक बहुत प्यारे इंसान थे। उनकी प्रतिभा का हर कोई लोहा मानता था।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग: डिंडीगुल ड्रैगन्स चैंपियन

अश्विन की कप्तानी में जीता खिताब

चेन्नई @पत्रिका. रविचंद्रन अश्विन (52) की कप्तानी पारी से डिंडीगुल ड्रैगन्स ने लाइका कोवई किंग्स को छह विकेट से हराकर तमिलनाडु प्रीमियर लीग में पहला खिताब जीता। लाइका कोवई किंग्स ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 129 रन बनाए। जवाब में डिंडिगुल ने 18.2 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

अश्विन को ट्रॉफी सौंपते हुए पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़।

वनडे सीरीज: भारतीय टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर ने किया बचाव

'बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल का फैसला सही था, नहीं चल पाया'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलंबो. श्रीलंका के हाथों रविवार को दूसरे वनडे मैच में 32 रन की हार के बाद भारतीय टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव के फैसले का बचाव किया। नायर ने कहा, टीम के बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल का फैसला सही था, लेकिन यह चल नहीं पाया।

दूसरे वनडे में श्रेयस अय्यर और केएल राहुल से पहले शिवम दुबे को चौथे नंबर पर भेजा था। अय्यर छठे व राहुल सातवें नंबर पर उतरे थे। नायर ने कहा, यह सही फैसला था, लेकिन जब काम नहीं कर पाया तो सवाल उठना लाजिमी है।

वेंडरसे ने मैच छीना: नायर ने कहा, इस मैच के नतीजों को परिस्थितियों ने बहुत हद तक प्रभावित किया। उन्होंने कहा, जेफ्री वेंडरसे की अच्छी गेंदबाजी ने हमसे मैच छीन लिया। यह लगातार दूसरा मैच है जब पिच में काफी ज्यादा टर्न देखने को मिली है, ऐसे में वे स्पिनर भी खतरा बन गए, जिन्हें खेलने में अधिक मुश्किल नहीं होती थी।

आइसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ: जुलाई महीने में किया था शानदार प्रदर्शन

स्मृति, शेफाली और वाशिंगटन सुंदर नामित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुबई. भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर, महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को जुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) के प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए क्रमशः पुरुष व महिला वर्ग में नामित किया गया है।

स्पिन ऑलराउंडर: 24 वर्षीय सुंदर भारतीय टीम के प्रमुख स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरे हैं। सुंदर के अलावा पुरुष वर्ग में इंग्लैंड के गस एटकिंसन और स्कॉटलैंड के चार्ली कैसेल को भी नामित किया गया है। महिला वर्ग में श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू भी होड़ में हैं।

बिजनेस

क्या हो रणनीति...

एसआइपी बंद करें या बढ़ाएं निवेश?

मुंबई@ पत्रिका. जानकारों का मानना है कि निफ्टी 50 इंडेक्स 23,500 और सेंसेक्स 78,000 के करीब रुक सकते हैं। मास्टर कैपिटल सर्विसेज के विष्णु कांत उपाध्याय ने कहा, हर गिरावट को लंबे समय के लिए निवेश का मौका समझना चाहिए। निवेशकों को घबराने की जरूरत नहीं है। अपने निवेश की योजना के अनुसार ही रहें। निवेश करना बंद न करें। वहीं, डीएसपी एसेट मैनेजर्स के जय कोठारी ने कहा, यह उतार-चढ़ाव अगले कुछ हफ्तों या महीनों तक रह सकते हैं। इसलिए एसआइपी से निवेश जारी रखना अच्छा विकल्प हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का फायदा उठा सकते हैं।

निवेशकों की परेशानी

आइटी क्षेत्र की बढ़ी चिंता, शेयर लुढ़के

मुंबई@ पत्रिका. अमरीका में मंदी के डर ने भारतीय आइटी क्षेत्र की चिंता बढ़ा दी है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के नतीजों के बाद आइटी क्षेत्र में वृद्धि की रफ्तार मजबूत होने का अनुमान जताया जा रहा था, पर अब यदि अमरीका में मंदी आती है तो भारतीय आइटी कंपनियों के मुनाफे में भारी कमी आ सकती है। इस आशंका से सोमवार को निफ्टी आइटी इंडेक्स 3.26% गिरकर बंद हुआ।

कमोडिटीज पर असर

₹2800 टूटी चांदी, सोना-क्रूड भी गिरा

मुंबई@ पत्रिका. अमरीका में मंदी के डर से केवल शेयर बाजार ही नहीं, सोना-चांदी में भी बड़ी गिरावट आई। साथ ही मांग घटने की आशंका से क्रूड ऑयल 8 माह के निचले स्तर 76 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एमसीएक्स पर चांदी ₹4,000 टूटकर 78,500 रुपए किलो पर आ गई थी, जो कारोबार के अंत में ₹2800 लुढ़ककर 79761 रुपए पर रही। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना ₹600 गिरकर 68,808 रुपए पर रहा।

अमरीका में आर्थिक मंदी की आशंका, जापानी येन के मजबूत होने से...

दुनियाभर के शेयर बाजार क्रैश, और गिरावट आएगी!

एशियाई बाजार धड़ाम जापान में 37 साल की सबसे बड़ी गिरावट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. अमरीका में मंदी की आहट, जापान में ब्याज दरें बढ़ने और मिडिल-ईस्ट संकट गहराने से सोमवार को भारत, अमरीका, जापान सहित दुनियाभर के शेयर बाजार क्रैश हो गए। भारतीय शेयर बाजार की उठापटक को मांपने वाला इंडेक्स इंडिया विक्स 51% उछल गया, जो 9 साल की सबसे बड़ी उछाल है। इससे आगे भी भारतीय शेयर बाजार में गिरावट जारी रहने की आशंका है। कोटक सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान ने कहा, लंबे समय के बाद निफ्टी और सेंसेक्स 20-दिन के सिंपल मूविंग एवरेज के नीचे बंद हुए हैं, जो काफी नकारात्मक है। मोतीलाल ओसवाल के सिद्धार्थ खेमका ने कहा, वैश्विक अनिश्चितता के चलते भारतीय बाजार आने वाले सत्रों में अस्थिर रह सकता है।

जेफरीज के क्रिस वुड ने कहा कि अमरीका में मंदी का भारत पर दुनिया में सबसे कम असर होगा, क्योंकि भारतीय बाजार विदेशी पूंजी पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू पूंजी पर अधिक केंद्रित हैं। हालांकि मंदी आने से भारतीय आइटी, मेटल व ऑयल एंड गैस कंपनियों की कमाई पर असर पड़ेगा। पर अमरीका में मंदी से विदेशी निवेशक अधिक रिटर्न के लिए भारत का रुख कर सकते हैं।

क्या फेडरल रिजर्व समय से पहले घटाएगा दरें?

अमरीका में मंदी की आशंका से कयास लगाए जा रहे हैं कि अमरीकी फेडरल रिजर्व एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर ब्याज दरें घटा सकता है। इस उम्मीद से ट्रेजरी यील्ड में उछाल आया और भारत सहित कई देशों के शेयर बाजार में कुछ रिकवरी हुई। सेंसेक्स 2600 अंक से अधिक टूट चुका था तो 400 अंक रिकवर होकर 2222 अंक की गिरावट में रहा। इससे यूरोपीय बाजारों में भी करीब 2% की रिकवरी हुई जो बाजार खुलने के साथ ही धराशायी हो गए थे और 4% तक टूटे थे।

ग्लोबल बाजारों में हाहाकार

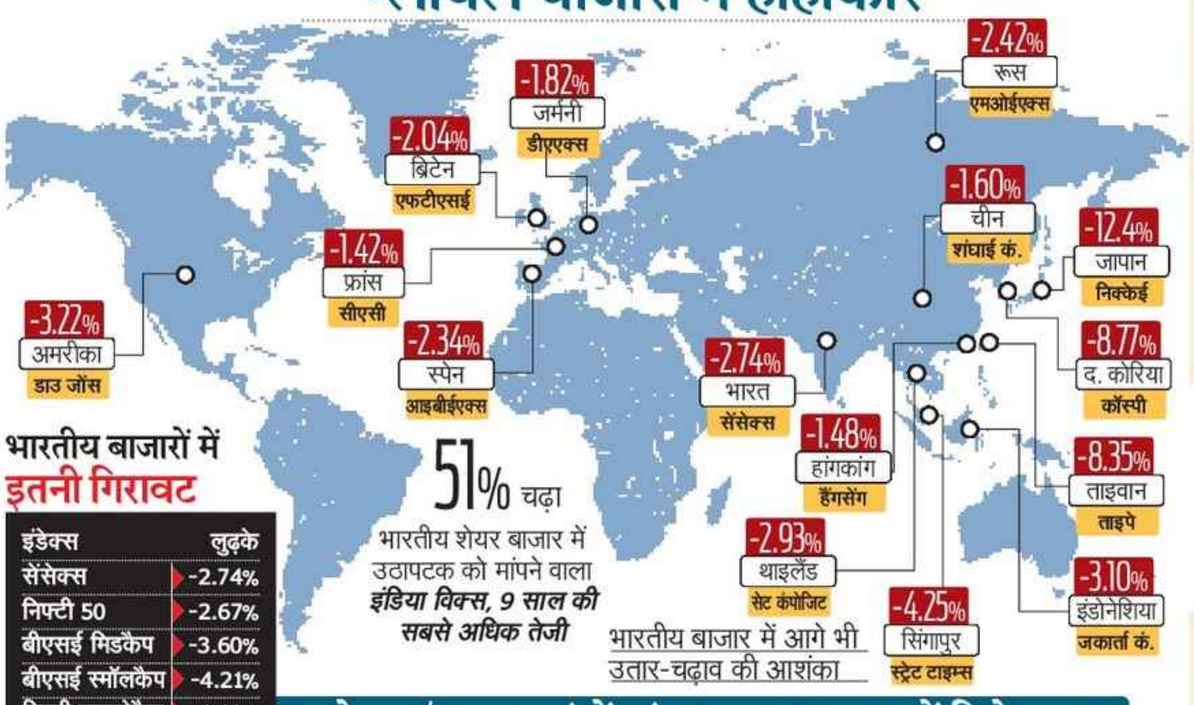

भारतीय बाजारों में इतनी गिरावट

इंडेक्स	लुढ़के
सेंसेक्स	-2.74%
निफ्टी 50	-2.67%
बीएसई मिडकैप	-3.60%
बीएसई स्मॉलकैप	-4.21%
निफ्टी माइक्रोकैप	-4.48%

इन सेक्टरों के शेयर सबसे अधिक टूटे

इंडेक्स	गिरावट
निफ्टी ऑटो	-3.92%
निफ्टी आइटी	-3.26%
निफ्टी मीडिया	-4.58%
निफ्टी मेटल	-4.85%
पीएसयू बैंक	-4.09%
निफ्टी रियल्टी	-4.32%
ऑयल एंड गैस	-3.71%

51% चढ़ा
भारतीय शेयर बाजार में उठापटक को मांपने वाला ***इंडिया विक्स, 9 साल की सबसे अधिक तेजी***

भारतीय बाजार में आगे भी उतार-चढ़ाव की आशंका

एशियाई बाजारों का ब्लैक मंडे: जापान के निक्केई में 1987 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट आई, जब यह इंडेक्स 14.9% गिरा था। वहीं सोमवार को निक्केई 12.4 लुढ़क गया। ताइवान के बेंचमार्क इंडेक्स ताइपे में 57 साल की सबसे बड़ी गिरावट आई। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी 9% गिरा, जो 2008 के बाद का सबसे खराब दिन है।

पत्रिका एक्सप्लेन

जापानी येन और कैरी ट्रेड की दुनियाभर में क्यों हो रही चर्चा?

जापान के केंद्रीय बैंक ने अपनी करेंसी येन को मजबूत करने के लिए ब्याज दरों में 0.15% की बढ़ोतरी की है, जिससे ब्याज दरें बढ़कर 0.25% हो गई है। साथ ही बैंक ऑफ जापान (बीओजे) ने अगले कुछ वर्षों में सरकारी बॉन्ड की खरीद को आधा करने का फैसला किया है। इससे एक हफ्ते में ही डॉलर के मुकाबले येन की कीमत 13% चढ़ गई है। बीओजे के इन इन बदलावों से 'कैरी ट्रेड' नाम की निवेश रणनीति पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे जापान सहित तमाम एशियाई शेयर बाजार धराशायी हो गए हैं।

क्या होता है 'कैरी ट्रेड'

कैरी ट्रेड ट्रेडिंग की एक ऐसी स्ट्रैटेजी है, जिसमें कम ब्याज दर वाली मुद्रा में पैसा उधार लेकर उसे ऐसे एसेट क्लास में इन्वेस्ट किया जाता है, जो अधिक रिटर्न देते हैं। यानी निवेशक कम ब्याज वाले देश की मुद्रा में लोन लेकर ज्यादा ब्याज वाले देश में निवेश करते हैं। कैरी ट्रेड विदेशी मुद्रा कारोबारियों के बीच काफी लोकप्रिय है। इक्विटी, कमोडिटीज और बॉन्ड में ट्रेड करने वाले भी इसे अपनाते हैं।

निवेशक क्यों बंद कर रहे हैं येन कैरी ट्रेड?

पिछले तीन हफ्तों में जापानी येन की कीमत काफी बढ़ गई है। यह 11 जुलाई को 161 के स्तर से बढ़कर अब 145 हो गई है। इससे उन लोगों को नुकसान हो रहा है जिन्होंने येन में लोन लेकर दूसरे देशों में निवेश किया था (कैरी ट्रेड)। इसलिए वे अब जल्दी से अपना निवेश वापस ले रहे हैं।

येन मजबूत होने से क्या होगा असर?

येन का इस्तेमाल कैरी ट्रेड में करने वाले ट्रेडर्स पर इसका दोहरा असर होगा। ब्याज दरें बढ़ने से येन में उधार लेने पर अधिक ब्याज चुकाना होगा। इससे निवेशकों प्रॉफिट मार्जिन कम हो जाएगा। दूसरी तरफ ऊंची ब्याज दरें जापान अधिक विदेशी निवेश आकर्षित कर सकता है, जिससे येन और मजबूत होगा और उधारी को चुकाना अधिक महंगा हो सकता है। येन के महंगा होने से निवेशकों को कर्ज चुकाने के लिए अधिक डॉलर खरीदने होंगे।

क्या भारत को चिंता करनी चाहिए?

भारत में जापानी निवेशकों के पास लगभग 2 लाख करोड़ रुपए के शेयर हैं। अगर येन की कीमत और बढ़ी तो हो सकता है कि ये निवेशक भी अपने शेयर बेचने लगें। भारतीय कर्ज पर भी इसका असर होगा। रुपए के मुकाबले येन 10% मजबूत हुआ है। देश के कुल विदेशी कर्ज में येन की हिस्सेदारी करीब 6% है। जापान में कर्ज पर जो शून्य ब्याज दर का भारत सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। भारतीय कंपनियों ने रोड-हाईवे, पावर सेक्टर फाइनेंसिंग और स्टील में कैपेक्स के लिए जापान से सस्ता कर्ज लिया है, जो महंगा हो जाएगा। येन महंगा होने से भारत के इंपोर्ट लागत में इजाफा होगा, क्योंकि हम जापान से अधिक आयात करते हैं।

ग्लोबल 'चक्रव्यूह' में फंसा बाजार, क्या करें निवेशक...

भारतीय निवेशक अभी कुछ समय ज्यादा वैल्युएशन वाले शेयरों से दूर रहें। शेयर आखिर में अपने वित्तीय नतीजों के हिसाब से ही चलेंगे। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट ग्लोबल फैक्टर्स के साथ बाजार के हाई वैल्यूएशन के कारण भी आई है। निवेशक अभी एफएमसीजी, फार्मा और क्रूड ऑयल से जुड़े शेयर में निवेश कर सकते हैं। निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए और निवेश के लिए जल्दबाजी नहीं चाहिए, क्योंकि आगे एंट्री लेने के बेहतर मौके मिल सकते हैं। **- वीके विजय कुमार,** जियोजीत फाइनेंशियल

भारतीय शेयर बाजार के आउटलुक को लेकर हम 'बुलिश' हैं। मुनाफावसूली के कारण बाजार में शार्ट टर्म अस्थिरता की स्थिति आई है। भारतीय इक्विटी बाजार में किसी भी तरह की लॉन्ग टर्म घबराहट का कोई संकेत नहीं है। जो निवेशक इक्विटी बाजार में अभी निवेश करना चाह रहे हैं वो वो हर गिरावट पर थोड़ा-थोड़ा करके पैसा डाल सकते हैं। निवेशक यह मान कर चलें कि बाजार में इस इस अस्थिर अवधि के दौरान उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। **-तन्वी कंचन,** आनंद राठी शेयर्स

यह धैर्य रखने का समय है। शेयर बाजारों में गिरावट कुछ दिनों या कुछ हफ्तों तक जारी रह सकती है, उसके बाद बेहतर वैल्यू उभरकर आएगी। यह अभी बाय ऑन डिप का समय नहीं है। ग्लोबल बाजार में जारी उठापटक के कारण निवेशकों को अभी वेट एंड वॉच के मूड में रहना चाहिए। जिन लोगों ने निवेश किया हुआ है, वे टिके रहें। नए निवेश के लिए इस उठापटक के शांत होने का इंतजार करना चाहिए। भारतीय बाजार का लॉन्ग टर्म आउटलुक पॉजिटिव है। ग्लोबल स्थितियों के कारण शॉर्ट टर्म में बाजार और गिर सकता है। **- अजय बग्गा,** निवेश सलाहकार

मैं इस गिरावट को निवेशकों के लिए वरदान मानता हूं, क्योंकि इससे निवेशकों को बाजार में एंट्री करने का मौका मिलेगा। बाजार कभी भी बाउंसबैक कर सकता है। इस समय निवेशकों को अच्छी अर्निंग ग्रोथ वाली क्वालिटी स्टॉक्स में टिके रहना चाहिए और निवेश करना चाहिए, भले ही उनमें गिरावट आई है। बाजार जब रिकवरी करेगा तो सबसे अधिक तेजी से अच्छी अर्निंग ग्रोथ वाले शेयर ही चढ़ेंगे **-राज व्यास,** तेजी मंदी

सेकेंड के 5000वें हिस्से से नूह बने फर्राटा किंग

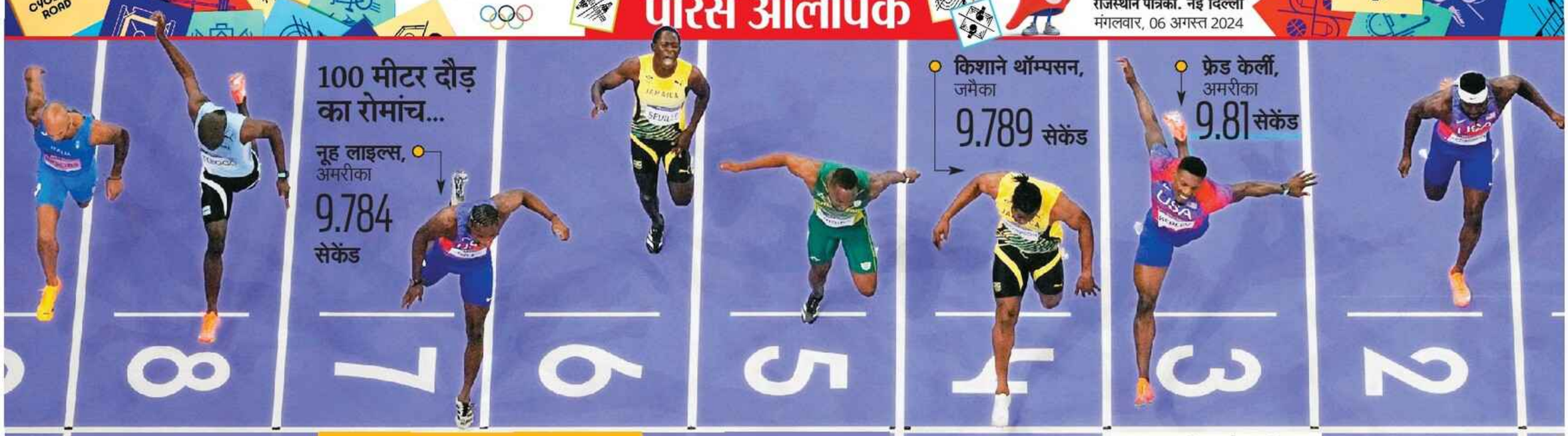

फोटो फिनिश में अमरीकी एथलीट ने 9.79 सेकेंड के साथ जीता गोल्ड

पेरिस @ पत्रिका. अमरीकी एथलीट नूह लाइल्स ने पुरुषों की 100 मीटर फर्राटा दौड़ में जमैका के किशाने थॉम्पसन को एक सेकेंड के 5000वें हिस्से से पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नूह और थॉम्पसन ने 9.79 सेकेंड में रेस पूरी की थी, लेकिन फोटो फिनिशिंग में अमरीकी रेसर ने फिनिशिंग लाइन को पहले छुआ था। हालांकि इस नतीजे को लेकर काफी विवाद हुआ। अमरीका के ही फ्रेड केर्ली ने 9.81 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता।

20 साल बाद अमरीका ने जीता स्वर्ण: 100 मीटर फर्राटा में अमरीका ने 20 साल बाद स्वर्ण पदक जीता है। नूह ने इस इवेंट में जमैका की बादशाहत खत्म की। इससे पहले 2004 एथेंस ओलंपिक में अमरीका के जस्टिन गैटलिन ने 100 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता था।

हर 10 मीटर में बढ़ी नूह की रफ्तार...

10 मीटर	अंतिम स्थान पर से शुरू
20 मीटर	अंतिम स्थान
30 मीटर	अंतिम स्थान
40 मीटर	अंतिम स्थान
50 मीटर	7वें स्थान पर बढ़त बनाई
60 मीटर	तीसरे नंबर पर आए
70 मीटर	तीसरे स्थान पर
80 मीटर	तीसरे स्थान पर
90 मीटर	दूसरे स्थान पर आए
100 मीटर	पहले स्थान पर रहे

सब रह गए दंग : स्टेडियम में मौजूद दर्शक नतीजे से हैरान थे, क्योंकि थॉम्पसन रेस में ज्यादातर समय बढ़त पर थे।

क्या है फोटो फिनिश? जैसे ही धावक फिनिशिंग लाइन के पास पहुंचते हैं, एक ''स्लिट-वीडियो'' सिस्टम ट्रैक के एक बेहद पतले हिस्से को स्कैन करता है जो फिनिशिंग लाइन के साथ सटीक रूप से संरेखित होता है, जो प्रति सेकंड 2,000 बार स्कैन करता है, जिससे प्रत्येक एथलीट के लाइन पार करने की एक बेहद साफ फोटो मिलती है।

आज का पोल

क्या भारतीय पहलवान कुश्ती में दो या उससे ज्यादा पदक जीत सकते हैं?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

सोमवार का जवाब

हां 87% नहीं 13%

पिछला सवाल: क्या लक्ष्य सेन बैडमिंटन में कांस्य पदक मुकाबला जीतने में सक्षम हैं?

पेरिस ओलंपिक: शटलर लक्ष्य सेन मलेशियाई खिलाड़ी से हारे, शूटिंग में चीनी जोड़ी ने दी मात

निराशाजनक: भारत ने बैडमिंटन और स्कीट शूटिंग में गंवाया कांस्य पदक

विशेष संवाददाता
patrika.com

पेरिस @ पत्रिका. भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में सोमवार का दिन बेहद निराशाजनक रहा और दो कांस्य पदक उसके हाथ से छिटक गए। बैडमिंटन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के कांस्य पदक मुकाबले में मलेशिया के ली जी जिया के खिलाफ एक सेट की बढ़त बनाने के बावजूद 21-13, 16-21, 11-21 से हार गए। भारत 2012 ओलंपिक के बाद बैडमिंटन में पहली बार खाली हाथ रहा। वहीं, स्कीट निशानेबाजी में माहेश्वरी चौहान और अनंतजीत नरूका की जोड़ी ने निराश किया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन।

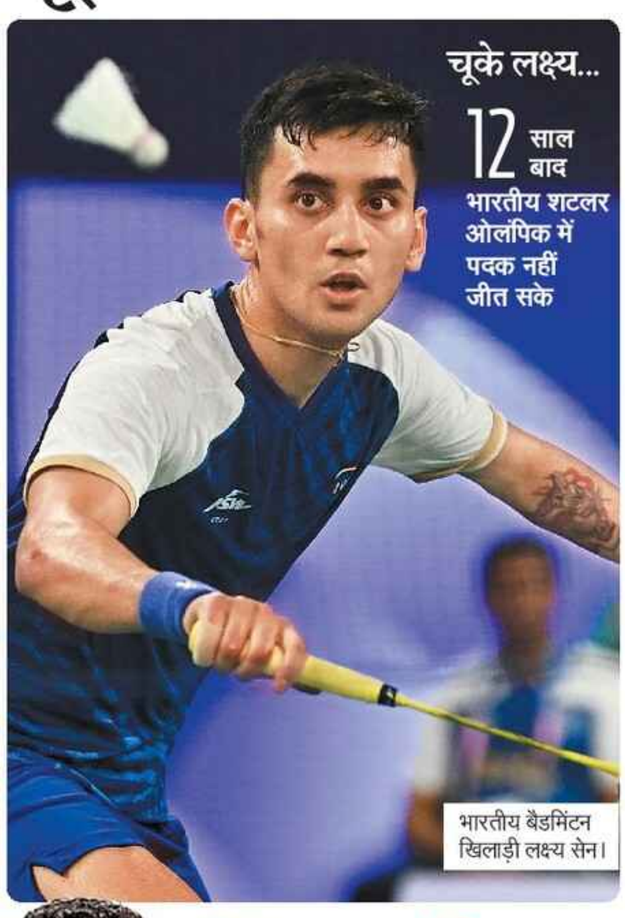

बैडमिंटन: लक्ष्य ने इतिहास रचने का मौका गंवाया

22 वर्षीय लक्ष्य सेन ने इतिहास रचने का मौका गंवा दिया। भारत की ओर से ओलंपिक में कोई पुरुष खिलाड़ी पदक नहीं जीत सका है। लक्ष्य सेन ने कांस्य पदक मुकाबले में मलेशियाई खिलाड़ी ली जी जिया के खिलाफ पहला गेम जीत लिया था, लेकिन दूसरे गेम में सर्विस गंवाना उन्हें भारी पड़ा। मलेशियाई खिलाड़ी ने गेम जीता और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

मुझे दूसरे गेम में जीत दर्ज करनी चाहिए थी

तीसरे और निर्णायक गेम में लक्ष्य सेन की बॉडी लैंग्वेज काफी खराब दिखी और इसका फायदा विपक्षी खिलाड़ी ने उठाया। मैच हारने के बाद लक्ष्य सेन ने कहा, मेरे पास दूसरे गेम में जीत दर्ज करने का मौका था पर मैंने इसे गंवा दिया। मैं और बेहतर कर सकता था।

निशानेबाजी 43-44 से हार झेलनी पड़ी

माहेश्वरी-अनंत एक अंक से चूके

भारत की माहेश्वरी चौहान और अनंतजीत की जोड़ी के पास भी मिक्स्ड स्कीट टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने का मौका था लेकिन उन्होंने भी इसे गंवा दिया। कांस्य पदक के मुकाबले में भारतीय जोड़ी को चीन के ल्यू जियानलिन और जियांग यिटिन की जोड़ी ने 44-43 से हराया। चीन के पुरुष खिलाड़ी जियानलिन ने एक भी अंक नहीं गंवाया।

05

स्वर्ण पदक चीन ने अब तक ***सबसे अधिक शूटिंग और 04 डाइविंग में जीते हैं***

ओलंपिक पदक तालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	चीन	21	17	14	52
2.	अमरीका	19	29	27	75
3.	ऑस्ट्रेलिया	13	11	08	32
4.	फ्रांस	12	15	18	45
5.	द. कोरिया	11	08	07	26
59	भारत	00	00	03	03

तालिका सोमवार रात तक की है

कुश्ती: क्वार्टरफाइनल में 8-10 से मिली शिकस्त

चोटिल होने के कारण निशा दहिया जीती हुई बाजी हार गईं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. भारतीय पहलवान निशा दहिया पेरिस ओलंपिक में चोटिल होने के कारण क्वार्टरफाइनल में हार गईं। महिलाओं के 68 किग्रा वर्ग के अंतिम आठ में निशा की भिड़ंत उत्तरी कोरियाई पहलवान पाक सोल गुम से थी। निशा एक समय 8-1 से आगे चल रही थी लेकिन मैच के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई। हालांकि उन्होंने तीन बार मेडिकल ट्रीटमेंट लिया लेकिन इसका फायदा नहीं हुआ और वह आखिर में 8-10 से हार गईं।

हार के बाद रोतीं निशा दहिया।

समापन समारोह

शूटर मनु भाकर होंगी ध्वजवाहक

मनु भाकर, भारतीय शूटर।

पेरिस @ पत्रिका. पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली 22 वर्षीय महिला निशानेबाज मनु भाकर इन खेलों के समापन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी। पेरिस ओलंपिक 11 अगस्त को समाप्त होगा व समापन समारोह राष्ट्रीय स्टेडियम स्टेड डि फ्रांस में होगा। भारतीय ओलंपिक संघ के एक अधिकारी ने कहा, हां हमने मनु को ध्वजवाहक चुना है क्योंकि वह इसकी हकदार हैं। वहीं, मनु ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है।

एथलेटिक्स

अविनाश 3000मी स्टीपलचेस के फाइनल में पहुंचे

अविनाश साबले, एथलीट।

पेरिस@ पत्रिका. भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सोमवार रात को यहां पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 3000मी स्टीपलचेस स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय एथलीट ने क्वालीफाइंग हीट में 8.15.43 मिनट के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। अविनाश इस स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय एथलीट बने हैं। हीट में शीर्ष पांच स्थान पर रहने वाले एथलीटों को फाइनल में जगह मिली थी। अविनाश ने कहा कि वह 07 अगस्त को होने वाले फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पदक जीतने की कोशिश करेंगे।

आज से आगाज : भालाफेंक में सबसे बड़ी उम्मीद

नीरज चोपड़ा क्वालीफाइंग राउंड के लिए उतरेंगे

प्रसारण : दोपहर 1.30 बजे से
दूरदर्शन, जियो स्पोर्ट्स पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. टोक्यो ओलंपिक के चैंपियन भारतीय भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान का आगाज मंगलवार को करेंगे। नीरज क्वालीफाइंग राउंड में उतरेंगे तो उनकी निगाहें शानदार फाइनल में जगह बनाने पर होगी। नीरज ने टोक्यो में 87.58 मीटर के साथ गोल्ड जीता था। इसके बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन में और सुधार किया। इस सीजन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.36मी रहा।

नीरज चोपड़ा

किशोर जेना से भी उम्मीदें: भारत को भालाफेंक में किशोर जेना से भी काफी उम्मीदें हैं, जो पहली बार ओलंपिक में शिरकत करेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है, जबकि इस सीजन 80.84 मीटर उनका बेस्ट रहा है।

हरमनप्रीत, कप्तान

पुरुष हॉकी : भारतीय टीम आज सेमीफाइनल मुकाबला खेलने के लिए उतरेगी

जर्मनी को टोक्यो में हराया, अब पेरिस में भी दो मात

प्रसारण : रात 10.30 से
दूरदर्शन, जियो सिनेमा

2020 टोक्यो ओलंपिक में ***जर्मनी को हरा कांस्य जीता था***

18 मैच भारत ने जर्मनी से खेले, ***08 जीते, 04 हारे, 04 ड्रॉ***

06 पिछले मुकाबलों में ***भारत ने जर्मनी को 05 में हराया है***

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. भारतीय पुरुष हॉकी टीम जब मंगलवार को पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ उतरेगी तो करोड़ों देशवासी जीत की प्रार्थना करेंगे। भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक जीता था। अब पेरिस में जीत की उम्मीदें हैं।

44 साल से इंतजार

भारतीय टीम आखिरी बार ओलंपिक के फाइनल में 44 साल पहले 1980 में पहुंची थी और गोल्ड जीता था।

अमित रोहिदास की खलेगी कमी: भारत को सेमीफाइनल में डिफेंडर अमित रोहिदास की कमी खलेगी, जिन्हें ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टरफाइनल में रेड कार्ड दिखाया गया था। उनपर एक मैच का बैन है।

पेरिस ओलंपिक // पानी में बैक्टीरिया की मात्रा ज्यादा होने से तैराक हो रहे बीमार, ओलंपिक इतिहास में पहली बार खुले स्थान पर तैराकी की प्रतियोगिता हो रही

सीन नदी के दूषित पानी में तैरने से डर रहे एथलीट, बेल्जियम की तैराक हुई बीमार

1289 करोड़ रुपए सीन ***नदी की सफाई पर फ्रांस ने किए थे खर्च***

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. सीन नदी का दूषित पानी मेजबान फ्रांस के लिए मुश्किलों का सबब बन गया है। पेरिस ओलंपिक के लिए अरबों रुपए खर्च करने के बावजूद सीन नदी में तैरने से एथलीट डर रहे हैं। रविवार को सीन नदी में आयोजित ट्रॉयथलॉन स्पर्धा में शिरकत करने वाली बेल्जियम की मिक्स्ड टीम की तैराक क्लेयर मिचेल के बीमार होने से आयोजकों के लिए मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई हैं। इस कारण सीन नदी में होने वाली आगामी तैराकी स्पर्धाओं पर अनिश्चिता के बादल मंडराने लगे हैं।

बीमार होने के कारण स्पर्धा से हटने के बाद भावुक हुईं क्लेयर मिचेल (दाएं)।

बेल्जियम की टीम को स्पर्धा से हटना पड़ा

क्लेयर मिचेल के बीमार होने के कारण बेल्जियम की मिक्स्ड ट्रायथलॉन टीम को स्पर्धा से नाम वापस लेने को मजबूर होना पड़ा। बेल्जियम ओलंपिक एंड इंटरफेडरर कमेटी ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि क्लेयर मिचेल सीन नदी में आयोजित तैराकी स्पर्धा में शिरकत करने के बाद बीमार पड़ गई हैं। यह हमारे लिए निराशा की बात है। आयोजकों को इस बारे में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। दूषित पानी के कारण आयोजकों को कई स्पर्धाओं के कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। इससे एथलीट काफी निराश हैं। उनका मानना है कि इससे प्रदर्शन पर असर पड़ता है।

मिस्र टीम के हिजाब पहनने पर मचा बवाल

बीच वॉलीबॉल स्पर्धा के दौरान हिजाब पहने मिस्र की खिलाड़ियों से बात करती हुई स्पेनिश टीम की खिलाड़ी।

स्पेन और मिस्र के बीच रविवार को खेले गए महिला बीच वॉलीबॉल मैच विवादों में आ गया। दरअसल, मैच में मिस्र की खिलाड़ी हिजाब पहनकर उतरी, जिसपर स्पेनिश टीम ने आपत्ति जताई। हालांकि बाद में आयोजकों और अधिकारियों के समझाने पर मैच शुरू हुआ, जिसे स्पेन ने जीता। मैच के बाद मिस्र की खिलाड़ी डोआ एल्घोबाशी ने कहा, हम हिजाब में खेलना चाहते थे, जबकि वो बिकनी में खेलना चाहती हैं। आपको दूसरों की धार्मिक भावनाओं और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।

बेकाबू हालात : सांसदों की कुर्सियों पर जमे आंदोलनकारी, सड़कों पर जुट गए चार लाख लोग, बंगबंधु की प्रतिमा पर चलाए हथौड़े

संसद से पीएम के घर तक भीड़तंत्र, जो मिला लूट ले गए

इस्कॉन और काली मंदिर को बनाया निशाना, हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमलों का बढ़ा खतरा, हिंसा में एक हिंदू पार्षद की मौत

सड़कों जुट गए 4 लाख लोग, जमकर मचाया उत्पात

1. बांग्लादेश के ढाका में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की खबर के बाद संसद भवन में घुसे प्रदर्शनकारी सांसदों की कुर्सियों पर जमे नजर आए।

2. हसीन के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की मूर्ति पर हथौड़ा चलाते हुए प्रदर्शनकारी।

3. पीएम आवास में बिस्तर पर कब्जा।

4. पीएम आवास से साड़ी उठाकर ले जाती हुई महिला।

5. जीत की मुद्रा के साथ पीएम आवास से बकरा लूट कर ले जाता हुआ एक प्रदर्शनकारी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में शेख हसीना के पीएम पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने की खबरें आने के बाद सोमवार को हजारों बांग्लादेशी प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए राजधानी ढाका में प्रधानमंत्री के आवास पर धावा बोल दिया। झंडे लहराती हुई भीड़ में से सैकड़ों प्रदर्शनकारी हसीना के सरकारी आवास के दरवाजे तोड़कर अंदर घुस गए। हसीना के आवास तक जाने वाले मार्गों पर कांटेदार तार लगाकर अवरोधक खड़े कर दिए थे लेकिन सेना और पुलिस का कोई जतन काम नहीं आया। पीएम के घर में घुसे आंदोलनकारी हसीना के बिस्तर पर आराम करते और उनका सामान उठाकर ले जाते हुए नजर आए। वहीं, ढाका में हसीना के पिता और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की विशाल प्रतिमा पर भी हथौड़े चलाए गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार लगभग 4,00,000 प्रदर्शनकारी सड़कों पर थे। हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यालय पर भी हमला बोला गया। गृह मंत्री असदुल्मां खान के धानमंडी स्थित घर पर भी आंदोलनकारियों ने कब्जा कर लिया।

कई इलाकों से हिंदुओं और मंदिरों पर भी हमले की खबर हैं। वहीं, हिंसा में मरने वालों में 100 लोगों में एक हिंदू पार्षद भी शामिल हैं। इस्कॉन व काली मंदिरों सहित मंदिरों को निशाना बनाया गया। धानमंडी इलाके में इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र पर भी तोड़फोड़ की गई है। डर है कि एक बार फिर बांग्लादेश से हिंदुओं का बड़े मात्रा में पलायन हो सकता हैं। बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी हिंदू समुदाय के लोग हैं। बांग्लादेश की आजादी के समय वहां 23% आबादी हिंदू थी।

आशंका : पाकिस्तान और चीन का हाथ!

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को हटाने की साजिश 6 महीने पहले से ही शुरू हो गई थी। इस साजिश में सेना के कुछ बड़े अधिकारियों से लेकर जमात-ए-इस्लामी शामिल था लेकिन बड़ी परोक्ष भूमिका पाकिस्तान और उसके दोस्त चीन की बताई जाती है। बांग्लादेश में पूर्व भारतीय उच्चायुक्त हर्ष शृंगला ने सोमवार को कहा कि छात्र आंदोलन को भड़काने में विदेशी हाथ हो सकता है। बताया जाता है कि बांग्लादेश की भारत से बढ़ती नजदीकियों से चीन और पाकिस्तान कतई खुश नहीं थे। माना जा रहा है कि जुलाई के मध्य हसीना का चीन दौरा बीच में छोड़ कर आने के पीछे कारण तीस्ता परियोजना में चीन का हित है। हसीना ने यह प्रोजेक्ट भारत को देने के संकेत दिए थे।

विरोधियों को विदेशों से भारी फंडिंग की आशंका है। आरक्षण विरोधी छात्र आंदोलन कोर्ट के आदेश से शुरू हुआ था और कोर्ट द्वारा आरक्षण बहाली का आदेश रद्द करने के बाद थम भी गया। इसके फिर शुरू होने के पीछे हसीना के इस्तीफे की मांग से विदेशी हाथ की थ्योरी पुष्ट होती लगती है।

...अब और कट्टरपंथी बन जाएगा बांग्लादेश

बांग्लादेश में जिस तरह से स्थिति उपजी है। यह स्थिति अचानक से नहीं पैदा हुई है। षडयंत्र में चीन और पाकिस्तान तो पहले से ही शामिल हैं। अमरीकी भूमिका कम नहीं है। सबके अपने अपने हित हैं। यह देश भारत को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते। ताजा घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश और भी कट्टरपंथी होने जा रहा है। अस्थिर पड़ोसी खतरा होता है। **-कर्नल दानवीर सिंह** सेवानिवृत्त

सबसे लंबे समय तक महिला पीएम

पूरा नाम: शेख हसीना वाजेद

जन्म: 28 सितंबर 1947, बांग्लादेश

राजनीतिक कैरियर

- **पार्टी:** अवामी लीग
- **1975:** अपने पिता शेख मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद राजनीति में सक्रिय।
- **1981:** अवामी लीग की अध्यक्ष चुनी गई शेख हसीना

प्रधानमंत्री पद

- **1996:** पहली बार देश की प्रधानमंत्री बनीं और 2001 तक पद को संभाला।
- **2009 :** 2009 से 6 जुलाई, 2024 तक 15 साल रही प्रधानमंत्री। जनवरी 2024 में हुए चुनाव में जीत के बाद शेख हसीना ने 5 चुनाव में जीत का रिकॉर्ड बनाया। वे दुनिया की सबसे लंबे वक्त तक प्रधानमंत्री रहने वाली महिला बनी।

हसीना को दिया था 45 मिनट का अल्टीमेटम

हालात बेकाबू होते देख सेनाध्यक्ष वकार-उज-जमान ने शेख हसीना को अंतरिम सरकार के गठन के लिए 45 मिनट का समय दिया था। ऐसे में पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा देते हुए तुरंत देश छोड़ दिया। उनको देश के नाम संदेश रिकॉर्ड करने का भी समय नहीं मिला। वहीं सेनाध्यक्ष ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए बीएनपी, जमात और जातीय पार्टी के नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में अवामी लीग के नेता नहीं थे।

राष्ट्रपति से बैठक के बाद सेनाध्यक्ष राष्ट्र के नाम संबोधन में बोले, मैं हूं न

हसीना के इस्तीफा देने के बाद सेनाध्यक्ष वकार-उज-जमान ने राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में अंतरिम सरकार बनाने व देश को सही दिशा में ले जाने का वादा किया। देशवासियों से अव्यवस्था न फैलाने की अपील करते हुए कहा कि हम आपकी सभी मांगें मानेंगे। साथ ही उन्होंने कहा, सेना गोली नहीं चलाएगी। पुलिस भी गोली नहीं चलाएगी। हम मंगलवार सुबह तक फैसला ले लेंगे। लेकिन इसे लागू करने में कुछ दिन लग सकते हैं। 58 वर्षीय वकार ने 23 जून को तीन वर्ष की अवधि के लिए सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला था। वह सशस्त्र बल प्रभाग में हसीना के प्रमुख कर्मचारी अधिकारी के रूप में काम कर चुके हैं।

हसीना का बेटा बोला-राजनीति में नहीं लौटेंगी मां

शेख हसीना के बेटे साजिद वाजेद जॉय ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी मां 'बहुत निराश' हैं और उनकी अब राजनीति में वापसी की कोई संभावना नहीं है। सोमवार तक हसीना के आधिकारिक सलाहकार रहे जॉय ने कहा, उनकी मां देश में बदलाव लाने के प्रयास कर रही थीं, लेकिन उनके खिलाफ आंदोलन ने उन्हें तोड़ दिया है। वे रविवार से ही इस्तीफे पर विचार कर रही थीं।

'सेना या पार्टी का शासन नहीं चलेगा'

छात्र आंदोलन के मुख्य समन्वयकों ने कहा कि वे देश में राष्ट्रीय सरकार के गठन के लिए एक रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। दो समन्वयकों, नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद ने एक संयुक्त बयान में यह घोषणा की। इससे पहले दिन में आंदोलनकारियों ने घोषणा की थी कि सत्ता एक अंतरिम राष्ट्रीय सरकार को सौंपी जानी चाहिए, सेना या पार्टी की सरकार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया कि फासीवादियों और हत्यारों पर बांग्लादेश की धरती पर मुकदमा चलाया जाएगा।

पहले भी दो मौकों पर मिली मदद

इंदिरा गांधी ने दी थी हसीना को शरण

वर्ष 1975 के अगस्त के इसी महीने में बांग्लादेश के तख्तापलट में शेख हसीना की जान पर बन आई थी, तब भारत ने उन्हें शरण दी। उनके पिता, मां और भाई सहित 18 रिश्तेदार तख्तापलट में मारे गए थे। तब हसीना की उम्र 28 साल की थी। पीएम इंदिरा गांधी के कहने पर वह जर्मनी से दिल्ली आई और 1981 तक दिल्ली में रहीं। उन्हें पंडारा रोड पर एक सीक्रेट घर में रखा गया था। जर्मनी में परमाणु वैज्ञानिक के रूप में काम कर कर रहे उनके पति को भारत में नौकरी भी दी गई। 1981 में बांग्लादेश जाकर पिता की विरासत को संभाला।

एक बार फिर शरण देने की थी तैयारी

फरवरी 2009 में, बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के विद्रोह में बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारियों, उनके परिवारों की हत्या कर दी गई थी। नई पीएम बनी हसीना ने भारत से मदद की गुहार लगाते हुए तत्कालीन विदेश मंत्री प्रणब मुखर्जी से बात की। भारत ने तब सैन्य संसाधन तैयार किए और बांग्लादेश में संभावित लैंडिंग की तैयारी कर ली गई। बांग्लादेशी सैन्य नेतृत्व को चेतावनी दी गई कि हसीना को कुछ हुआ तो भारत तत्काल हस्तक्षेप करेगा। इसके बाद विद्रोही शांत पड़ गए और भारत की तरफ से सैन्य हस्तक्षेप के बगैर ही मामला शांत हो गया।

पत्रिका पोल

Q क्या स्कूलों में स्मार्टफोन पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए?

कल का सवाल था

शीर्ष कोर्ट में राज्यपालों के खिलाफ बढ़ते मामलों के मद्देनजर क्या राज्यपालों में निहित संवैधानिक शक्तियों का पुनर्मूल्यांकन होना चाहिए

जवाब

86% हां 14% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

कश्मीर घर में नजरबंद करने का आरोप

श्रीनगर @ पत्रिका. जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के पांच साल पूरे होने पर सोमवार को कई नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें घरों में नजरबंद कर दिया गया है। इनमें, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती शामिल हैं।

कश्मीर 'छड़ी मुबारक' उत्सव शुरू

श्रीनगर @ पत्रिका. जम्मू कश्मीर में श्री अमरनाथ की यात्रा की समाप्ति से 14 दिन पहले 'छड़ी मुबारक' उत्सव शुरू हो गया है। चांदी की गदा (छड़ी मुबारक) को सोमवार को श्रीनगर के हरि पर्वत स्थित प्राचीन शारिका भवानी मंदिर में दर्शन के लिए ले जाया गया।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

अमरीका एक माह बाद भारतीय का शव मिला

वाशिंगटन @ पत्रिका. अमरीका के मोंटाना में ग्लेशियर नेशनल पार्क में डूबने के चार सप्ताह बाद, पुणे निवासी सिद्धांत विट्ठल पाटिल का शव अमरीकी रेंजरों को मिल गया है। पुणे में पाटिल के परिवार ने सोमवार को पुष्टि की कि अमरीकी अधिकारियों ने उन्हें उनके बेटे के शव की बरामदगी के बारे में सूचित किया है। पाटिल 6 जुलाई को दोस्तों के साथ रॉकी पर्वत के पार्क में हाइकिंग करते हुए एवलांच क्रीक में डूब गए थे।

हाईकोर्ट : अफसरों का सुस्त रवैया बर्दाश्त नहीं

अदालती आदेशों की पालना के लिए हर विभाग में बने प्रकोष्ठ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु @ पत्रिका. अदालती आदेशों की पालना के प्रति सरकारों की बेपरवाही जगजाहिर है और आम जनता इससे हैरान-परेशान है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस समस्या का संज्ञान लिया है।

हाईकोर्ट ने सोमवार को राज्य सरकार को सुझाव दिया कि हर सरकारी विभाग में अधिकारियों का एक प्रकोष्ठ गठित करे जो अदालती आदेशों का आंकलन कर उनकी समयबद्ध पालना सुनिश्चित करे। इससे अवमानना याचिकाओं की संख्या में भी कमी आएगी। चीफ जस्टिस एनवी अंजारिया और जस्टिस केवी अरविंद की बेंच ने अदालती आदेशों और निर्देशों की पालना की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान से दर्ज जनहित याचिका (पीआइएल) पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

कोर्ट ने चिंता जताई कि ज्ञापन पर विचार करने के अदालत के सामान्य आदेश पर भी एक-डेढ़ साल ध्यान नहीं दिया जाता। किसी भी सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का आकलन करने का एक पैमाना यह है कि वह अदालत के आदेशों का कितना सम्मान करती है। न्यायालय के निर्णयों और आदेशों पर अमल कानून के शासन की पालना का हिस्सा है। अदालतों के आदेशों की पालना के प्रति अधिकारियों की ओर से सुस्त और असंवेदनशील रवैया बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

केन्द्रीय मंत्री की घोषणा

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितम्बर में : रेड्डी

आरएस पुरा (जेके) @ पत्रिका. केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से विकास की गति बनाए रखने और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा को वोट देने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा के चुनाव प्रभारी रेड्डी जम्मू के बाना सिंह स्टेडियम में धारा 370 के निरस्तीकरण की पांचवीं वर्षगांठ पर भाजपा की ओर से आयोजित एकात्म महोत्सव रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धारा 370 को निरस्त करने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा है। रैली में राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी तरुण चुग और जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना सहित कई नेता शामिल हुए।

सहमति के दुर्लभ क्षण : विधानसभा में एकमत दिखी भाजपा और टीएमसी

बंगाल विभाजन के प्रयास के खिलाफ प्रस्ताव पारित

कोलकाता @ पत्रिका. पश्चिम बंगाल विधानसभा ने राज्य को विभाजित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ प्रस्ताव सोमवार को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) व विपक्षी पार्टी भाजपा इस प्रस्ताव पर एकमत दिखीं। इस तरह राज्य विधानसभा में एक दुर्लभ तस्वीर सामने आई। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि हम सहकारी संघवाद में यकीन करते हैं। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्ताव में यह पंक्ति शामिल करने का प्रस्ताव रखा कि हम संयुक्त पश्चिम बंगाल का समग्र विकास चाहते हैं। जिसके बाद यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया।

एयर लिफ्ट : केदारनाथ से वायुसेना ने किया पर्यटकों को रेस्क्यू

केदारनाथ. भारी बारिश के बाद केदारनाथ धाम में फंसे पर्यटकों को सोमवार को रेस्क्यू करती वायु सेना। एमआइ, चिनूक और छोटे हेलीकॉप्टरों की मदद से केदारनाथ से 133 लोगों को सुरक्षित एयरलिफ्ट किया गया।

चेतावनी : अमरीकी विदेशमंत्री ने माना, हमला तय

तनाव के बीच तेहरान पहुंचे रूसी राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख सर्गेई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तेहरान. हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या का बदला लेने की ईरानी योजना की चर्चाओं के बीच रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख सर्गेई शोइगू ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे हैं। यहां उन्होंने तेहरान में ईरान के सशस्त्र बलों के प्रमुख मोहम्मद बाघेरी से मुलाकात की। इसके पहले कई रूसी जंगी कार्गो विमानों को ईरान में देखा गया था। सर्गेई से मुलाकात के बाद बाघेरी ने शोइगु के साथ अपनी बैठक में कहा, अमरीका अच्छी तरह जानता है कि दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं है। रूस और चीन के साथ ईरान त्रिपक्षीय सहयोग का स्वागत करता है।

ईरान ने पड़ोसी देशों की दी जानकारी

वहीं, अमरीकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने जी7 देशों के विदेश मंत्रियों से कहा है कि ईरान और हिजबुल्लाह का इजरायल पर हमला टाला नहीं जा सकता और इस बारे में ईरान ने अपने पड़ोसी देशों को सूचित कर दिया है। इस बीच इजरायली प्रधानमंत्री ने सुरक्षा और रक्षा प्रमुखों के साथ बैठक की, जिसमें ईरान और हिजबुल्लाह की संभावित प्रतिक्रियाओं पर चर्चा की गई।

तेहरान और तेलअवीव के लिए उड़ानें रद्द... उधर, बढ़ते तनाव के बीच जर्मन एयरलाइन लुफ्तांसा ने 8 अगस्त तक तेहरान और तेल अवीव के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं, जो इस बात का एक और संकेत है कि ईरान का इजरायल के खिलाफ जवाबी हमला अब दूर नहीं है। वहीं लुफ्तांसा ने बेरूत की सभी उड़ानों को रद्द किए जाने की दिनांक 12 अगस्त तक बढ़ा दी है।

ट्रेंडिंग न्यूज

चीन की कीमत पर अमरीका से संबंध नहीं

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि वे अमरीका के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे इसके लिए चीन के साथ अपने रिश्ते खराब नहीं करेंगे।

अमरीका में सबसे अधिक ऊर्जा संसाधन

अमरीका में रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डॉनल्ड ट्रंप ने देश के अप्रयुक्त ऊर्जा संसाधनों को तरल सोना कहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमरीका में सऊदी अरब और रूस सहित किसी भी अन्य देश से अधिक ऊर्जा क्षमता है।

250 बैलिस्टिक लांचर होंगे तैनात

उत्तर कोरिया ने किम जोंग उन की देखरेख में 250 लांचरों वाली एक नई सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली का अनावरण किया है। इसे ह्वासोंग-11 लांचर का नाम दिया गया है। इसे दक्षिण कोरियाई सीमा पर तैनात किया जाएगा।

5 दोस्तों ने 4 साल पहले मिलकर बनाई कंपनी, सवा अरब की हुई

अनिल रावत
patrika.com

टीकमगढ़. कला-संस्कृति में विशेष पहचान रखने वाला बुंदेलखंड अब आर्थिक क्षेत्र में दमदार भागीदारी कर रहा है। यहां पांच दोस्तों ने सार्वजनिक हित की कंपनी बनाकर स्टॉक एक्सचेंज में बुंदेलखंड का नाम रोशन किया है। उड़द दाल को ताकत बना युवाओं ने खाद्यान्न आधारित कंपनी एमआरपी एग्रो शुरू की। चार साल में सवा अरब की पूंजी जुटाई। कंपनी में मल्टीनेशनल कंपनी भी निवेश कर रही हैं। इससे 70 लोगों को सीधे व कई लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है।

एमआरपी एग्रो कंपनी का परिसर जहां 70 से ज्यादा लोग काम कर रहे।

447 शेयर होल्डर जुड़े... कंपनी में विदेशियों ने भी निवेश किया है। मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष बताते हैं, 447 शेयर होल्डर जुड़े हैं। कंपनी में मल्टीनेशनल कंपनी वीको एवं बॉडीस कॉर्पोरेट ने भी निवेश किया है।

फैक्ट-फाइल

- हाल में कंपनी ने 11 करोड़ से फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाई है।
- कंपनी की कुल अंश पूंजी 116 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है।
- 34 करोड़ का टर्नओवर कंपनी की, 70 लोगों को सीधे रोजगार
- बुंदेलखंड की उड़द दाल में प्रोटीन और वसा अन्य के मुकाबले ज्यादा है। मांग भी अधिक है।
- कंपनी अभी उड़द दाल का गोटा, दो कट व प्रीमियम क्वॉलिटी मोगर दाल तैयार कर रही है। वहीं, खाद्य आधारित अन्य उद्योग भी लगाने की तैयारी है।

शेयरधारकों को जोड़ने पर दिए बोनस शेयर... कंपनी से शेयरधारकों को जोड़ने के लिए एक शेयर पर दो बोनस शेयर जारी किए। तीन साल में ही कंपनी के शेयर की कीमत 40 रुपए से 116.65 रुपए पर पहुंच गई। बुंदेलखंड की यह इकलौती कंपनी है, जो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में रजिस्टर्ड है।

कृषि को ही बना ली ताकत

कृषि समृद्ध बुंदेलखंड में कंपनी ने कृषि को ताकत बनाया। मनीष जैन ने बताया 25 लाख से काम शुरू किया, बाद में सार्वजनिक हित की कंपनी बनाई। रक्षा जैन, दीपक लुहार, संतोष लोहिया, गुंजन गुप्ता भी जुड़े। 2021 में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में रजिस्टर्ड हुई। 1 करोड़ 35270 शेयर जारी किए।

हैरत में पड़ गए थे अफसर... **मनीष** ने बताया, स्टॉक एक्सचेंज में रजिस्टर्ड कराने के आवेदन के बाद जांच होती है। एक्सचेंज के अफसर बिना बताए मुंबई से झांसी आए। बस-ऑटो से वे कंपनी के दफ्तर पहुंचे तो चौंक गए कि इतनी छोटी जगह पर भी ऐसी कंपनियां तैयार हो रही हैं।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''